हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

हैप्पी फ्रेंडशिप-डे

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 2 अगस्त 2026

नृत्य का चित्र

सभी नर्तकियों को 433 गोल घेरों में बांटा गया था और हर घेरे में 30 बच्चियां थीं

पीएम मोदी ने कहा - यह नृत्य किसी जादू से कम नहीं

13,000 आदिवासी छात्राओं ने धीमसा नृत्य कर बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶ विजयानगरम

भोगापुरम स्थित अल्लूरी सीताराम राजू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विभिन्न क्षेत्रों की कक्षा 8 से 10 की 13,000 आदिवासी छात्राओं ने पारंपरिक धीमसा नृत्य प्रस्तुत कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। एक समान गुलाबी साड़ी और हरे ब्लाउज में 433 वृत्ताकार समूहों में विभाजित इन छात्राओं ने अद्भुत तालमेल और ऊर्जावान कदमों से आदिवासी संस्कृति की मनमोहक झलक पेश की। सभी नर्तकियों को 433 गोल घेरों में बांटा गया था और हर घेरे में 30 बच्चियां थीं। लंदन से आई गिनीज टीम ने इस ऐतिहासिक प्रस्तुति को देखने के बाद आदिवासी कल्याण मंत्री गुम्माडी संध्या रानी को विश्व रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र सौंपा। यह भव्य आयोजन शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे से ठीक पहले संपन्न हुआ। इस दौरान एक बड़े वाहन में सवार होकर पीएम मोदी ने इस प्रस्तुति को सराहा और आदिवासी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। पीएम मोदी ने भारत की पुरानी संस्कृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी बचाने के लिए सभी बच्चियों और अधिकारियों का धन्यवाद किया। धीमसा डांस आंध्र प्रदेश के पूर्वी घाट क्षेत्रों की जनजातियों का एक बहुत ही प्रसिद्ध पारंपरिक नृत्य है। इसे बागाता, वाल्मीकि, पोराजा, कोंड, गदबा, कोंडाडोरा, मुकाडोरा और कोटिया जैसी जातियों के लोग मिलकर करते हैं। इस नृत्य का मूल उद्गम ओडिशा का कोरापुट क्षेत्र है जो गोंड जनजाति का घर माना जाता है। यह डांस मुख्य रूप से त्योहारों, शादियों और अप्रैल के शिकार उत्सव के दौरान किया जाता है जहां सब लोग मिलकर नाचते हैं। इस नृत्य की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें चेहरे के हाव-भाव की जरूरत नहीं होती है। इसमें सारा ध्यान हाथों और पैरों की तेज चाल पर होता है। यह डांस 15 से 20 महिलाओं के समूह द्वारा पारंपरिक साड़ियों में किया जाता है। यह ढोल, मोरी और डप्पू जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप पर होता है और इसके कुल 12 अलग-अलग प्रकार होते हैं।

पीएम मोदी ने छात्राओं का बढ़ाया उत्साह

जबलपुर का कायाकल्प : कई परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

मेडिकल यूनिवर्सिटी एम्स की तर्ज पर बनेगी, 435 करोड़ की सौगात

सीएम ने कहा कि इन परियोजनाओं से पर्यटन, उद्योग, शिक्षा और रोजगार को नई दिशा मिलेगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संस्कारधानी जबलपुर को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित करने और मेडिकल यूनिवर्सिटी को एम्स की तर्ज पर उन्नत बनाने की घोषणा करते हुए शहर को 435 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात दी।

नगर निगम के गीता भवन में आयोजित समारोह में उन्होंने कई परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मदन महल क्षेत्र में प्रदेश का सबसे बड़ा अत्याधुनिक जू-पार्क बनाया जाएगा। साथ ही जबलपुर में फर्नीचर क्लस्टर स्थापित किया जाएगा और सभी विधानसभा क्षेत्रों में संदीपनी विद्यालय खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से पर्यटन, उद्योग, शिक्षा और रोजगार को नई दिशा मिलेगी। ▶▶ पढ़ें पेज 02 भी

सीएम की घोषणाएं

- जबलपुर मेट्रोपॉलिटन सिटी बनेगा
- मदन महल में प्रदेश का सबसे बड़ा जू-पार्क बनेगा
- जबलपुर में फर्नीचर क्लस्टर स्थापित किया जाएगा
- सभी विधानसभा क्षेत्रों में संदीपनी विद्यालय खोले जाएंग

1 लाख पौधारोपण अभियान का शुभारंभ

समारोह में अमृत 1.0 सीवरेज परियोजना, रजक समुदाय के लिए सर्वसुविधायुक्त लॉन्ड्री क्षेत्र तथा गुरंदी में अत्याधुनिक मत्स्य विक्रय केंद्र का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री ने डुमना नेचर पार्क में पौधारोपण कर कैच द रैन अभियान और मियावाकी पद्धति से 11 लाख पौधारोपण अभियान का शुभारंभ भी किया। कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के लाभ वितरित किए गए तथा पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए। नगर निगम के विकास कार्यों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी मुख्यमंत्री ने किया।

4 वर्षों में 2200 करोड़ के विकास कार्य

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने जबलपुर को मिली बड़ी सौगात के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने नगर निगम की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि पिछले चार वर्षों में 2200 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य कराए गए हैं और शहर ने स्वच्छता, वायु गुणवत्ता तथा शहरी सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति की है। समारोह में सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीक, विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के ▶▶ शेष पेज 4 पर

जीएसटी कलेक्शन में बंपर उछाल, जुलाई में आंकड़ा 2.11 लाख करोड़ के पार

यात्री वाहनों की बिक्री में भी 33% की वृद्धि

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अर्थव्यवस्था में मजबूती का सिलसिला जारी है, तभी जुलाई माह में जीएसटी संग्रह से लेकर ऑटोमोबाइल्स की बिक्री में खासी तेजी दर्ज की गई। जुलाई में जीएसटी का संग्रह 2,11,205 करोड़ रहा जो पिछले साल जुलाई के मुकाबले 15.4 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के चार माह में दो बार जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ के पार हो चुका है। जुलाई के जीएसटी संग्रह में सीजीएसटी की हिस्सेदारी 39,853 करोड़ तो एसजीएसटी की 47,881 करोड़ की बताई गई। आईजीएसटी का योगदान 1,23,490 करोड़ का रहा। सभी प्रकार के रिफंड के बाद जुलाई का ▶▶ शेष पेज 4 पर

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब 682.354 अरब डॉलर

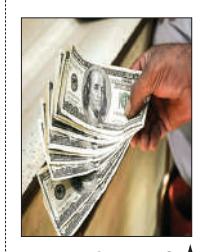

27 फरवरी 2026 को सबसे ज्यादा 728.494 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 24 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह में 6.118 अरब डॉलर बढ़कर 682.354 अरब डॉलर हो गया है। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 682.354 बिलियन का हो गया है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में बड़ा इजाफा हुआ है जो कुल भंडार का मुख्य हिस्सा है। गोल्ड रिजर्व में भी इजाफा हुआ है। अब तक का सबसे ऊंचा स्तर भारत का विदेशी मुद्रा भंडार इस साल 27 फरवरी 2026 को सबसे ज्यादा 728.494 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था।

हरिभूमि सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार 2026
सामान्य कूपन 02 अगस्त 2026
कूपन नं. 10

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

जबलपुर: दो मासूमों की डूबने की गई जान

जबलपुर। शिलपुरी के आंगनवाड़ी से छुट्टी होने के बाद नहाने गए दो मासूम बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई। गांव के पास नाले में नहाने चले गए थे। मृत बच्चों की पहचान साहिल परस्ते (6) और रोमिक पट्टा (5) के रूप में हुई है। पूरे गांव में शोक की लहर है।

होटलों में खाना भी होगा सस्ता?

दूसरी बार कम हुए सिलेंडर के दाम

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर सस्ता दिल्ली से कोलकाता तक घटे दाम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 अगस्त 2026 यानी आज से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी कटौती की है। महीने की पहली तारीख को हुए इस बदलाव से कमर्शियल गैस का इस्तेमाल करने वाले व्यवसायियों को बड़ी राहत मिली है। लागू की गई नई कीमतों के मुताबिक देश की राजधानी दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 202 रुपये की कटौती की गई है, वहीं कोलकाता में इसके दाम 209 रुपये तक कम हुए हैं। देश के अन्य महानगरों और राज्यों में भी कमर्शियल सिलेंडर के दाम इसी अनुपात में घटाए गए हैं।

कमर्शियल सिलेंडर सस्ते होने के बाद आम लोगों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में भी कोई बदलाव हुआ है? आपको बता दें कि आम उपभोक्ताओं को फिलहाल ऐसी कोई राहत नहीं मिली है।

शनिवार से लागू नई दरें

- दिल्ली: 2,728 (202 की कटौती)
- कोलकाता: 2,872.50 (209 की कटौती)
- मुंबई: 2,691.50
- भोपाल: 2,743.00 (190.50 की कटौती)

इंपैक्ट: तो घटे जाएंगे दाम

अब एक बड़ा सवाल यह भी उठता है कि क्या एलपीजी के दाम घटने से होटलों में खाद्य पदार्थों के दाम घट जाएंगे? कमर्शियल एलपीजी सस्ती होने से होटल, रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों के खर्च में कमी जरूर आएगी, लेकिन खाद्य पदार्थों के दाम तुरंत कम होने की उम्मीद काफी कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि खाने-पीने की चीजों की कीमतें केवल ईंधन पर निर्भर नहीं करतीं, बल्कि कच्चा माल जैसे सब्जियां, मसाले, तेल और लेबर कॉस्ट भी अहम भूमिका निभाते हैं। हालांकि, गैस के दाम घटने से खाने-पीने की चीजों में आगे होने वाली संभावित महंगाई पर ब्रेक जरूर लगेगा। और होटल मालिकों का मार्जिन बेहतर होगा।

कल से 1,21,111 पार्थिव शिवलिंग निर्माण व रुद्राभिषेक का होगा विशेष एवं भव्य आयोजन

सावन माह: उज्जैन की तर्ज पर शहर में महाकाल की 5 पालकी यात्राएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

श्रावण मास की शुरूआत के साथ ही भोपाल में भक्ति और आस्था का माहौल बन गया है। उज्जैन के महाकाल की तर्ज पर श्री मुक्तेश्वर महाकाल मंदिर से पांच पालकी यात्राएं निकलेंगी, वहीं 6 से ज्यादा कांवड़ यात्राओं की भी धूम रहेगी। हजारों श्रद्धालु नर्मदा जल से भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। ये यात्राएं शिव आराधना संग सामाजिक समरसता का संदेश देंगी। पंडित गोपाल पुरोहित ने बताया कि श्रावण माह में उमापति की पालकी यात्रा श्री मुक्तेश्वर महाकाल मंदिर से निकलेगी। जो शाम 4 बजे छोला विश्राम घाट से शुरू होकर गणेश मंदिर और विशाल शादी हॉल होते विश्राम घाट पर पहुंचेगी।

भव्य आयोजन की तैयारियां पूरीं

सावन माह के सभी सोमवार 1,21,111 पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक किया जाएगा। आयोजक प्रताप सिंह यादव पूर्व प्रदेश संयोजक, भाजपा ओबीसी मोर्चा सोशल मीडिया ने बताया कि इस भव्य आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। मंशापूर्ण महादेव मंदिर धाम शिवा रायल पार्क फेस-दो गेट के पास सलैया में आयोजन रखा गया है। इसमें हर दिन सुबह 6:00 बजे से 9:30 बजे तक शिवलिंग निर्माण और अभिषेक होगा।

कलश स्थापना कार्यक्रम के लिए पहुंच रहे देश-विदेश के श्रद्धालु, आचार्य समय सागर ने कहा-

धार्मिक क्रियाएं दिखावा, मनोरंजन का साधन नहीं, आत्मा के वास्तविक आनंद की अनुभूति है

मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम के लिए श्रद्धालुओं का लगा तांता

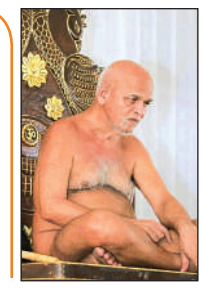

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के निर्माणाधीन विद्योदय तीर्थ परिसर में अचार्य संघ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। रविवार को होने वाले कलश स्थापना कार्यक्रम के लिए देश-विदेश के श्रद्धालु भोपाल पहुंचने लगे। हबीबगंज जैन मंदिर परिसर में नमोस्तु समस्त नमोस्तु के स्वर गुंजायमान हो रहा है। शनिवार को आचार्यश्री ने कहा आनंद शब्दों में नहीं आनंद भावनाओं में है स्वयं के परिणाम में है, वास्तविक आत्मानंद स्वयं के अंदर हे,, जरूरत हे प्रगटने की सुख और दुख अपने घर द्वारा किए गए अच्छे और बुरे कार्यो कासोच का परिणाम है। उन्होंने कहा धार्मिक क्रिया मनोरंजन का साधन नहीं, दिखावा नहीं स्वयं को प्राप्त होने वाला वास्तविक आत्मानंद है,, वस्तु का स्वभाव धर्म है स्वभाव धर्म और विभाव अधर्म है जो गुण है वह उसका धर्म है, चेतना और ज्ञान धर्म नहीं है।

खबर संक्षेप

राज्यपाल ने लोकभवन में मनाया विश्व स्कार्फ दिवस

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल की अध्यक्षता में स्काउट एवं गाइड विश्व स्कार्फ दिवस लोकभवन में शनिवार को मनाया गया। राज्यपाल ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के प्रदेश पदाधिकारयों को प्रतिज्ञा दिलाई। राज्यपाल को स्काउट एवं गाइड का स्कार्फ पहना कर सम्मानित कर पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाईड्स के अतिरिक्त मुख्य आयुक्त राजीव जैन, राज्य सचिव धीरेन्द्र मिश्रा, संयुक्त राज्य सचिव जानकी सिंह और राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बीएल शर्मा उपस्थित थे। प्रतिवर्ष एक अगस्त को स्काउट्स एवं गाइड्स विश्व स्कार्फ दिवस मनाया जाता है। राज्यपाल, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य संरक्षक होते हैं।

सोच-समझकर व संभलकर करें एआई का उपयोग

भोपाल। सर्वपल्ली राधाकृष्णन विश्वविद्यालय के आरकेडीएफ इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा विश्वविद्यालय की नई शैक्षणिक पहल एसआरके इग्नाइट इन्सपायरिंग माइण्ड्स इग्नाइटिंग के अंतर्गत प्रथम विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इन एवरीडे लाइफ विषय पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता डॉ. सुनील जोशी प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं डेटा साइंस विभाग सम्राट अशोक तकनीकी संस्थान विदिशा ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के दैनिक जीवन में बढ़ते प्रभाव तथा उसके सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आरकेडीएफ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के डॉ राकेश पाण्डेय ने बताया कि प्रत्येक शनिवार विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान, कार्यशालाएं, तकनीकी सत्र, नवाचार गतिविधियां एवं उद्योग-शैक्षणिक संवाद आयोजित किए जाते रहेंगे।

आइसर भोपाल का 13वां दीक्षांत समारोह 3 अगस्त को

भोपाल। राजधानी स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आइसर) का 13वां दीक्षांत समारोह 3 अगस्त 2026 को आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम संस्थान के एथलेटिक्स ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. शेखर सी. मांडे अध्यक्ष, इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आईएनएसए), विशिष्ट प्रोफेसर और जेसी बोस फेलो, एनसीसीएस पुणे यूनिवर्सिटी, पूर्व महानिदेशक, सीएसआईआर और सचिव, डीएसआईआर भारत सरकार रहेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. वीरेंद्र मणि तिवारी, निदेशक और जेसी बोस फेलो, सीएसआईआर-एनजीआरआई, जोरहाट एवं उपाध्यक्ष, इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी होंगे।

बारिश में स्पार्किंग और शॉर्ट सर्किट हर दूसरे दिन फूंक रहे ट्रांसफार्मर

एमपी नगर बना 'खतरे की डगर' ट्रांसफार्मर के नीचे होटल-दुकानें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के कोचिंग हब कहे जाने वाले एमपी नगर में ट्रांसफार्मर के नीचे कारोबार चल रहा है, रोजना हजारों स्टूडेंट्स चाय नाश्ते के लिए आते है। जोन-1 और 2 में 12 से 15 साल पुराने कई ट्रांसफार्मरों के ठीक नीचे होटल, रेस्टोरेंट, दुकानें और अन्य व्यावसायिक संचालित हो रहे हैं। दिनभर यहां हजारों ग्राहक और स्टूडेंट्स मौजूद रहते हैं, लेकिन सुरक्षा के नाम पर कोई व्यवस्था तक नहीं।

एमपी नगर जोन 1 और 2 में जर्जर ट्रांसफार्मरों के नीचे हजारों स्टूडेंट्स की भीड़ जान को खतरा

एमपी नगर क्षेत्र में ट्रांसफार्मर के ठीक नीचे संचालित चाय-नाश्ते की दुकान।

लोगों की जान-माल से खिलवाड़...

बारिश के मौसम में यह खतरा कई गुना बढ़ जाता है। पुराने ट्रांसफार्मरों पर बढ़ता लोड, स्पार्किंग और शॉर्ट सर्किट कभी भी बड़े हादसे की वजह बन सकते हैं। अगर ऐसे में किसी ट्रांसफार्मर में आग लगती है या विस्फोट होता है तो चंद सेकंडों में नीचे मौजूद लोगों की जान खतरा हो सकता है। इसके बावजूद न तो पुराने ट्रांसफार्मरों को बदला गया और न ही उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की कोई प्रभावी कार्रवाई की गई। स्थानीय व्यापारियों

का कहना है कि ट्रांसफार्मरों की जर्जर स्थिति की शिकायत कई बार बिजली विभाग तक पहुंचाई गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला। बिजली सुरक्षा के अनुसार, 10 वर्ष से अधिक पुराने और लगातार ओवरलोड झेल रहे ट्रांसफार्मरों की नियमित तकनीकी जांच और समय पर प्रतिस्थापन अनिवार्य है। विशेष रूप से उन स्थानों पर, जहां नीचे होटल, दुकानें और भीड़भाड़ वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हों, वहां सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।

बारिश में शॉर्ट सर्किट का रहता है खतरा

ट्रांसफार्मरों के ठीक नीचे होटल, रेस्टोरेंट और दुकानें संचालित हो रही है बारिश में शॉर्ट सर्किट और आग लगने का खतरा बना रहता है , दिनभर हजारों लोगों की आवाजाही, फिर भी सुरक्षा इंतजाम नाकाफी। शिकायतों के बावजूद ट्रांसफार्मर बदलने या शिफ्ट करने की कार्रवाई नहीं। बिजली विभाग का पक्ष-एमपी नगर जोन के बिजली विभाग के ए.ई अजय कुमार उईके ने कहना है कि जल्दी इसकी कार्यवाई जाएगी,नगर निगम को ट्रांसफार्मर के निचे से अतिक्रमण हटाने के लिए लिखित में दिया गया है जल्द ही कार्यवाई की जाएगी।

'बेस्ट प्रेक्टिसिस इन मेडिसिन 2026' चिकित्सा सम्मेलन आज

भोपाल। द एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन्स ऑफ इंडिया मध्यप्रदेश द्वारा रविवार को होटल हयात पैलेस, में 'बेस्ट प्रेक्टिसिस इन मेडिसिन 2026' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का चिकित्सा सम्मेलन आयोजित

देश भर के विशेषज्ञ आधुनिक चिकित्सा पर अनुभव करेंगे साझा

किया जा रहा है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य चिकित्सकों को नवीनतम वैज्ञानिक प्रमाणों व्यावहारिक अनुभव तथा उत्कृष्ट उपचार पद्धतियों से अवगत कराना है। सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष डॉ. पीसी मनोरिया तथा आयोजन सचिव डॉ. पीयूष मनोरिया ने बताया कि इस सम्मेलन में प्रदेश एवं देश के वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सक आधुनिक चिकित्सा के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपने अनुभव साझा करेंगे। सम्मेलन में देश भर के विभिन्न हिस्सों से आए विशेषज्ञ भाग लेंगे, जैसे कि डॉ. ज्योतिर्मय पाल कोलकाता, डॉ. राकेश सहाय हैदराबाद, डॉ. आशीष नाबर मुंबई, डॉ. श्रीहरि अनिखिंडी दिल्ली, डॉ. नंदिनी चटर्जी कोलकाता तथा डॉ. विनोद मित्तल दिल्ली अपने अनुभव साझा करेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा किया जाएगा।

दांतों के साथ मसूड़ों का विशेष ध्यान रखने की जरूरत: डॉ. सौरव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाभा डेंटल कॉलेज में हर वर्ष की भांति वर्ल्ड ओरल हाइजीन-डे पर संगोष्ठी और डेंटल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईडीए प्रेसिडेंट डॉ. सौरव दांतरे ने सॉफ्ट टिशू के महत्व को समझाते हुए कहा कि दांत का इलाज, अच्छे मसूड़ों के बिना अधूरा है। जिस तरह दलदल में मजबूत पेड़ नहीं रह सकता, वैसे ही दांत को लंबे समय तक चलाने के लिए मजबूत मसूड़ों का होना आवश्यक है। भाभा डेंटल कॉलेज की डीन डॉ. उन्नति पितले ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए बताया कि मसूड़े की बीमारी हृदय रोगों को बढ़ावा देती है, इसलिए सही ब्रशिंग के तरीकों को अपनाना होगा।

मुख्य अतिथि डॉ. सौरव दांतरे ने भाभा डेंटल कॉलेज की डीन डॉ. उन्नति पितले, डॉ. रुचिता श्रीवास्तव, डॉ. भक्ता और उनकी टीम को इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने के लिई बधाई दी और समाज को जागरूक करने के लिए ऐसे आयोजन लगातार होते रहें ऐसा आग्रह किया।

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत निटर में हुई जागरुकता दौड़

नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत जागरुकता दौड़।

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि विज्ञान मंथन के अंतर्गत देशभर से आए विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने भी दौड़ में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

निटर में शनिवार को भारत सरकार के नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता दौड़ का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और नशा-मुक्त भारत के संकल्प को सुदृढ़ करना था। शुरूआत संस्थान के निदेशक प्रोफेसर सी. सी. त्रिपाठी ने की। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि विज्ञान मंथन के अंतर्गत देशभर से निटर भोपाल में आए विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने भी इस दौड़ में भाग लिया।

संसद परिसर में विपक्ष के विरोध में मार्च, कहा-सनातन का हुआ अपमान

राजधानी में संत समाज, विहिप और बजरंग दल का प्रदर्शन, राहुल गांधी का पुतला फूंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

संसद भवन परिसर में विपक्षी सांसदों द्वारा कथित रूप से संत वेश धारण कर किए गए प्रदर्शन के विरोध में संत समाज, बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने भोपाल में उग्र प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला जलाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए इस कृत्य को सनातन धर्म, साधु-संतों और संपूर्ण हिंदू समाज का अपमान बताया।

व्यापमं चौराहे से शुरू हुआ मार्च

संसद में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर विपक्ष के सांकेतिक प्रदर्शन के विरोध में शनिवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के बैनर तले बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व्यापमं चौराहे पर एकत्र हुए। यहां से विरोध मार्च शुरू हुआ, जो लिंक रोड की ओर बढ़ा। पुलिस ने पहले से बैरिकेड लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने की व्यवस्था कर रखी थी। मार्च के दौरान कई कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड पार करने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। कुछ देर तक पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की जैसी स्थिति बनी रही, हालांकि पुलिस ने हालात नियंत्रित रखे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विपक्ष पर भगवान श्रीराम और हिंदू आस्था का अपमान करने का आरोप लगाया। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने कहा कि संसद परिसर में राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर जिस प्रकार का सांकेतिक प्रदर्शन किया गया।

उपमुख्यमंत्री से मिला चयनित अभ्यर्थियों का संघ

उच्च माध्यमिक और माध्यमिक शिक्षक के खाली पदों पर काउंसलिंग कराने की मांग

अभ्यर्थियों ने कहा: 2018 से चल रही प्रक्रिया फिर भी अधूरी, हो रहे ओवरएज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश में स्थाई शिक्षकों की भारी कमी होने के बावजूद शिक्षा विभाग पद भरने को लेकर गंभीर दिखाई नहीं दे रहा है। वर्ष 2018 की स्थाई शिक्षक भर्ती आज तक अधूरी है। जिसको तीसरी काउंसलिंग के साथ पूर्ण कराने की मांग को लेकर चयनित अभ्यर्थियों ने उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को ज्ञापन पत्र सौंपा है। देवड़ा ने अभ्यर्थियों की मांग को गंभीरता से सुनकर उन्हें जल्द ही विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर निराकरण करने का प्रयास करेंगे। पांच सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री के अलावा, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय को ज्ञापन देकर भर्ती प्रकिया पूरी करने की मांग की है। पात्रता परीक्षा संघ के प्रदेशाध्यक्ष श्यामलाल रविदास ने बताया कि शिक्षक भर्ती 2018 के चयनित उम्मीदवार नियुक्ति पत्र का इंतजार पिछले छह से से वर्षों से कर रहे हैं। चयनित अभ्यर्थियों की मुख्य मांग है कि उच्च माध्यमिक शिक्षक के पांच हजार 935 और माध्यमिक शिक्षक के दो हजार 237 पहली काउंसिलिंग से रिक्त रहे पदों पर तीसरी काउंसलिंग आयोजित की जाए।

जनवरी से अब तक 27 हजार 200 पानी के सैंपल की जांच करवा चुका है निगम

गैस पीड़ित बस्तियों में पानी के सैंपल लेने पहुंचा निगम अमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर की गैस पीड़ित बस्तियों में शनिवार को निगम के जलकार्य विभाग का अमला पानी की जांच के लिए सैंपल लेने पहुंचा। अमले ने अलग-अलग क्षेत्रों से 132 नमूने लिए और रसायनिक जांच के लिए लैब भेजे। अमले मौके पर ही क्लोरीन की जांच की जिसमें रेसिडुअल क्लोरीन की मात्रा निर्धारित मानकों अनुसार पाई गई।

निगम प्रशासन के अनुसार पानी के नमूनों को विस्तृत रसायनिक परीक्षण के लिए परीक्षण शालाओं में भेजा गया है। निगम अमला जनवरी-2026 से अब तक 27 हजार 200 पानी के सैंपल की जांच करवा चुका है। निगम के जलकार्य विभाग के टीमें चांदबाड़ी, गरीब नगर, शिव शक्ति नगर, प्रीत नगर, शिवनगर फेस-3, कल्याण नगर, लक्ष्मी नगर, चंदन नगर, नबाव कालोनी, अन्नू नगर, सुंदर नगर, प्रेम नगर, टिम्बर मार्केट, शंकर नगर, उड़िया बस्ती, नगर निगम कालोनी, नवजीवन कालोनी, छोला मंदिर, ब्लूमून कालोनी एवं निशातपुरा सहित अन्य क्षेत्रों में पहुंची और पानी के सैंपल लिए।

रासायनिक परीक्षण के लिए 132 नमूने लैब भेजे

प्रदेश के छात्र-छात्राओं में लगातार बढ़ रहा उच्च शिक्षा के प्रति विश्वास

7 लाख 51 हजार 123 विद्यार्थियों ने कराया पंजीयन

ई-प्रवेश: 31 जुलाई तक कॉलेजों में 5 लाख 24 हजार 48 विद्यार्थियों ने लिया एडमिशन, पिछले वर्ष से अधिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर के कॉलेजों में ई-प्रवेश प्रणाली ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस साल अब तक सर्वाधिक 5 लाख 24 हजार 48 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। 31 जुलाई 2026 की स्थिति में 2 हजार 1 महाविद्यालयों (1 हजार 256 सामान्य एवं 745 एनसीटीई महाविद्यालयों) में 7 लाख 51 हजार 123 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया। इनमें 6 लाख 60 हजार 981 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया तथा 5 लाख 24 हजार 48 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। यहां ध्यान रहे कि ई-प्रवेश के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों का विश्वास लगातार बढ़ा है। वर्ष 2023-24 में समान अवधि तक 3 लाख 21 हजार 154 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 3 लाख 90 हजार 411 तथा वर्ष 2025-26 में 4 लाख 58 हजार 208 हो गया। वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2026-27 में यह संख्या बढ़कर 5 लाख 24 हजार 48 पहुंच गई है।

पिछले साल से अधिक प्रवेश

पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में इस साल 65 हजार 840 अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है, जो 14.4 प्रतिशत अधिक है। वहीं वर्ष 2023-24 की तुलना में प्रवेश संख्या में 2 लाख 2 हजार 894 विद्यार्थियों की वृद्धि दर्ज की गई है, जो प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रति बढ़ते विश्वास और विभाग की प्रभावी नीतियों का प्रमाण है।

पीजी प्रवेश में सबसे अधिक बढ़त

स्नातक स्तर पर 4 लाख 58 हजार 792 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिनमें से 4 लाख 13 हजार 963 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन कराया है। 3 लाख 60 हजार 902 विद्यार्थियों ने एडमिशन ले लिया है। वहीं, पिछले साल की तुलना में स्नातक स्तर पर 42 हजार 40 विद्यार्थियों की वृद्धि दर्ज की गई। पीजी स्तर पर एक लाख 66 हजार 402 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया। इनमें एक लाख 43 हजार 533 विद्यार्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन किया गया तथा एक लाख 14 हजार 802 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया। पिछले साल की तुलना में पीजी स्तर पर 35 हजार 516 विद्यार्थियों की वृद्धि हुई है, जो 44.8 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा प्रदेश के कॉलेजों में एनसीटीई कोर्सेस में एक लाख 25 हजार 929 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया।

भोपाल
रविवार, 2 अगस्त 2026
श्रावण मास कृष्ण पक्ष-4
वर्ष : 13, अंक : 122
पृष्ठ : 16 मूल्य : 4.00 **
मौसम
अधि. 27
न्यून. 24

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

किश्तवाड़ में बादल फटने के बाद आई तबाही में फंसे कई वाहन

बाढ़ में बह गईं गाड़ियां, नेशनल हाईवे बंद

किश्तवाड़ और शोपियां में बादल फटे...केरलम में जमीन 'धंस' गई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू के किश्तवाड़ और शोपियां में बादल फटने की घटना हुई। किश्तवाड़ जिले के चत्रू इलाके में शुक्रवार देर रात करीब दो बजकर तीस मिनट पर बादल फटने की घटना हुई। पानी का बहाव इतना तेज था कि इसमें गाड़ियां तक बह गईं। लोगों की संपत्ति को भी नुकसान हुआ है।

शनिवार को शोपियां जिले के पेहलीपोरा इलाके में बादल फटने के बाद स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स तेजी से बचाव और लोगों को सुरक्षित निकालने का ऑपरेशन चलाया। जोरदार बारिश की वजह से पानी और कीचड़ का तेज बहाव हुआ, जिससे इलाके के पांच घरों और एक स्कूल की बिल्डिंग में पानी भर गया। एसडीआरएफ की टीमें स्थानीय पुलिस के साथ तुरंत मौके पर ▶▶ शेष पेज 4 पर

केरलम में भारी बारिश का कहर

भूस्खलन की चपेट में आकर 6 की मौत

केरलम में जमीन धंसने के बाद बचाव अभियान

अमरनाथ यात्रा प्रभावित

बारिश के कारण शुक्रवार को बालटाल मार्ग से श्रीअमरनाथ यात्रा स्थगित रखी गई। पारंपरिक पहलगाम रूट से पहले ही यात्रा स्थगित चल रही है। कई संवेदनशील हिस्सों में निरंतर भूस्खलन से राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

वैष्णो देवी के बैटरी कार मार्ग पर यात्रा बहाल

12 दिन बाद वैष्णो देवी के बैटरी कार मार्ग पर यात्रा को बहाल कर दिया गया है। त्रिकुटा पर्वत पर बादल छाए रहने और दोपहर बाद हुई बारिश से कटड़ा-सांझीछत चापर सेवा दिनभर बाधित रही। वहीं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए यात्रा मार्ग पर आपदा प्रबंधन दल, ▶▶ शेष पेज 4 पर

प्रदेश का कोटा अब तक पूरा नहीं

होनी थी 460.5 मिमी, हुई केवल 399.8 मिमी बारिश

▶▶ अगस्त का पहला सप्ताह भीगेगा

▶▶ भोपाल में जुलाई कोटे से करीब 85 मिमी कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश भर में अभी दो दिन बारिश की रफ्तार में कुछ कमी रहेगी। इसके बाद फिर से तेज बारिश का दौर शुरू होगा। यह क्रम इस महीने के पहले सप्ताहभर रहने की उम्मीद है। इस महीने भोपाल में औसतन 326 मिमी बारिश होती है। लेकिन इस आंकड़े से कुछ कम बारिश की उम्मीद है। प्रदेश में 31 जुलाई तक औसत बारिश का कोटा पिछड़ गया है। प्रदेश में अब कुल 399.8 मिमी बारिश हुई है, जबकि सामान्य तौर पर औसतन 460.5 मिमी होती है। यह ▶▶ शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

सतना में कुए में जहरीली गैस से युवक की मौत

सतना। जिले के उचेहरा थाना क्षेत्र के उर्दना गांव में शनिवार दोपहर एक कुए में जहरीली गैस के कारण दर्दनाक हादसा हो गया। इस घटना में एक युवक की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि उसे बचाने के लिए कुए में उतरा एक ग्रामीण बेहोश हो गया। गांव निवासी निरेंद्र सिंह उर्फ निरु (39) टीन निकालने के लिए कुए में उतरे थे। इसी दौरान वे जहरीली गैस की चपेट में आ गए।

दुष्कर्म का आरोपी कर्नाटक से गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट दर्ज

आगर मालवा। जिले की बड़ौद पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। थाना प्रभारी रूप सिंह बैस ने बताया कि वैज्ञानिक साक्ष्यों और तकनीकी सर्विलांस की मदद से आरोपी को सैकड़ों किमी दूर से पकड़ा गया। उसे मध्य प्रदेश लाकर अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने कलबुर्गी पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी कृष्णपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

डंपर ने बाइक को मारी टक्कर दो की मौत, एक गंभीर

इंदौर। इंदौर के राऊ थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के बाद पुलिस ने डंपर जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, हादसा पुलक सिटी के पास देर रात हुआ।

जैस्मिन लांबोरिया — प्रीति पवार

प्रीति और जैस्मिन ने बॉक्सिंग में तो सोमन ने पैरा शॉटपुट में जीता

प्रीति, जैस्मिन, साक्षी, प्रिया, अरुंधति, सचिन, अंकुश को गोल्ड, लवलीना को सिल्वर

गोल्ड ही गोल्ड: भारत को बॉक्सिंग में 7 पदक

एजेंसी ▶▶ ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों ने इतिहास रच दिया है। भारत ने पहली बार एक ही गेम्स में 7 बॉक्सिंग गोल्ड जीत लिए। शनिवार को प्रीति पवार, जैस्मिन लांबोरिया, साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास और अरुंधति चौधरी महिलाओं में चैंपियन बनीं। सचिन सिवाच और अंकुश पंधाल ने पुरुषों में सोना जीता। लवलीना बोरगेहन और जादुमणि को सिल्वर से संतोष करना पड़ा। पैरा एथलेटिक्स में सोमन राणा ने भी गोल्ड जीता। मेडल टैली में भारत 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज सहित कुल 39 मेडल हो गए और भारत अंक तालिका में चौथे स्थान में पहुंच गया है।

साक्षी चौधरी

भारत मेडल टैली में चौथे स्थान पर पहुंचा

मप्र सरकार का अजय बाबू और यामिनी को 25-25 लाख एवं नौकरी देने का ऐलान

पिछले बर्मिंघम 2022 कॉमनवेल्थ खेलों में भारत ने कुल 61 पदक जीते थे, जिसमें 22 स्वर्ण, 16 रजत और 23 कांस्य पदक शामिल थे। रविवार गेम्स का अंतिम दिन है

बांए से सचिन सिवास, साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास और अंकुश पंधाल

ट्रिपल जंप में भारत के दो और मेडल

भारत ने पुरुष ट्रिपल जंप में दो और मेडल जीत लिए हैं। प्रवीण चित्रावेल ने 16.58 मीटर के जंप अटैम्प्ट के साथ सिल्वर अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही सेल्वा प्रभु ने 16.52 के बेस्ट अटैम्प्ट के साथ ब्रॉन्ज जीता। इस इवेंट का गोल्ड जाम्बिया के ▶▶ शेष पेज 4 पर

हरियाणा की दो बेटियों ने बढ़ाया मान

हरियाणा की बॉक्सर प्रीति ने 2022 एशियन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और 2023 एशियन गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता। प्रीति 2024 पेरिस ओलिंपिक में भारत का ▶▶ शेष पेज 4 पर

प्रेरक कहानी 1 — सागर की यामिनी

यामिनी मौर्य

पैर टूटने के बावजूद नहीं हारी हिम्मत, फिर वापसी की

सागर जिले की जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता है। उन्होंने महिला 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में जगह बनाई, लेकिन स्वर्ण पदक के मुकाबले में इंग्लैंड की असेल्या टोपराक से हार गईं। यामिनी सागर के एक सामान्य किसान परिवार से हैं। उनके पिता ▶▶ शेष पेज 4 पर

प्रेरक कहानी 2 — बिहार के गया से सोमन

सोमन राणा

धमाके से उड़ गए थे पैर के चीथड़े, जीत लिया मेडल

सोमन राणा ने अपने बेहतरीन थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। वे बिहार के गया के रहने वाले हैं। सोमन राणा की यह जीत उनके कभी न हार मानने वाले जज्बे की कहानी है। 2000 के दशक की शुरुआत में पांच साल तक नेशनल लेवल पर बॉक्सर रहे सोमन 2/8 गोरखा राइफल्स में सिपाही थे। साल 2006 में पुंछ ▶▶ शेष पेज 4 पर

बदमाशों को पुलिस ने 24 घंटे में दबोच लिया

लूट व गैंगरेप प्रयास के पांच आरोपी गिरफ्तार, दो की तलाश

आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल पर्स भी मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुना

आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

मंदिर से अपने मंगेतर के साथ दर्शन कर लौट रही युवती को घेरकर लूटपाट करने और युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास करने वाले बदमाशों को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दबोचने में कामयाबी मिली है। शनिवार को प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक हितिका वासल ने बताया कि घटना में शामिल 7 आरोपियों में से 5 को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दो फरार बदमाशों की धरपकड़ के लिए विशेष टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पकड़ाए गए ▶▶ शेष पेज 4 पर

स्कूल में हंगामा-पुलिस से हाथापाई का आरोप

सीजेपी प्रदर्शन में शामिल कटनी का शिक्षक सस्पेंड, भेजा जेल

वरुण नायक (शिक्षक)

शिक्षक ने अपने शरीर पर दिखाए चोटों के निशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में शामिल होकर शिक्षा व्यवस्था और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले शिक्षक वरुण नायक को शिक्षा विभाग ने निलंबित कर दिया है। इसके बाद पुलिस ने उन्हे जेल भेज दिया है। इससे पहले प्राथमिक शिक्षक वरुण नायक पर स्कूल में प्रभारी प्राचार्य देवेंद्र कुमार तिवारी और पूर्व प्राचार्य रेखा तिवारी के साथ मारपीट, अभद्रता करने और ▶▶ शेष पेज 4 पर

एक याचिका खारिज, दूसरी पर सुनवाई जारी

चुनावी हलफनामे में संपत्ति छिपाने के आरोप पर गोविंद सिंह को राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

प्रदेश सरकार के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के खिलाफ चुनावी हलफनामे में संपत्तियां छिपाने के आरोपों को लेकर दायर याचिकाओं पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। यह याचिकाएं कांग्रेस प्रत्याशी नीरज शर्मा और कांग्रेस नेता राजकुमार धनोरा द्वारा दायर की गई थीं, जिनमें मंत्री पर चुनाव शपथपत्र में अपनी संपत्तियों का पूरा ब्योरा न देने का आरोप लगाया गया था। हाईकोर्ट ने नीरज शर्मा की याचिका को 29 जुलाई 2026 को खारिज कर दिया, ▶▶ शेष पेज 4 पर

गोविंद सिंह

परिवार से जुड़ी संपत्तियां बताना जरूरी नहीं

ज्ञानदास का शिष्य बोला- सीने में दर्द उठा था

रेप के आरोपी महामंडलेश्वर की तबीयत बिगड़ी, आश्रम छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

उज्जैन के सदावल रोड स्थित दादू आश्रम के महामंडलेश्वर ज्ञानदास महाराज की मुश्किलें लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं। महाकाल थाना पुलिस ने शुक्रवार देर रात एक महिला की शिकायत पर उनके खिलाफ दुष्कर्म, मारपीट और ब्लैकमेलिंग की धाराओं में मामला दर्ज किया है। एफआईआर की भनक लगते ही महामंडलेश्वर आश्रम छोड़कर गायब हो गए। पीड़ित महिला के अनुसार करीब डेढ़ साल पहले दत्त अखाड़ा आश्रम में उनकी ▶▶ शेष पेज 4 पर

ज्ञानदास

अस्पताल का नाम तक नहीं बताया

महाकाल की पहली शाही सवारी कल निकलेगी

फाइल फोटो

भगवान महाकाल चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में देंगे प्रजा को दर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन। 3 अगस्त को निकलने वाली बाबा महाकाल की पहली शाही सवारी को लेकर भक्तों का उत्साह चरम पर है। इस बार सवारी में कई खास बदलाव किए गए हैं। श्रावण के पहले सोमवार भगवान महाकाल चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में पालकी में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। सवारी के दौरान सशस्त्र पुलिस बल बाबा महाकाल को गार्ड ऑफ ऑनर देगा। ढोल-नगाड़ों, झांझ-मंजीरों और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरी उज्जैन नगरी शिवमय हो जाएगी। जब सवारी गोपाल मंदिर पहुंचेगी, तब हरि-हर मिलन का ▶▶ शेष पेज 4 पर

जबलपुर के अमित को राष्ट्रपति भवन से बुलावा आया

15 अगस्त को राष्ट्रपति मुर्मू करेंगी सम्मानित, लंच करेंगे

पेंशन योजना में हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय से जुड़ी अटल पेंशन योजना (पूर्व में जनधन से जुड़ी पेंशन सुविधा के तहत) में नियमित प्रीमियम जमा करने वाले जबलपुर के रांझी स्थित बापू नगर निवासी 38 वर्षीय अमित कुमार को 15 अगस्त पर नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सम्मानित करेंगी। इतना ही नहीं, अमित राष्ट्रपति के साथ भोज पर भी आमंत्रित हैं। उन्हें शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन का विशेष आमंत्रण मिला है। अमित का चयन देशभर से चुने गए उन 10 लोगों में हुआ है, जिन्हें भारत सरकार अपने खर्च पर दिल्ली बुला रही है। अमित को यह सम्मान योजना में वर्षों से नियमित योगदान देने और अनुशासित निवेश के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने वर्ष 2018 में इस योजना में पंजीयन कराया था। तब से वे हर महीने बिना किसी चूक के 130 रुपए का प्रीमियम जमा कर रहे हैं। 60 वर्ष की आयु पूरी ▶▶ शेष पेज 4 पर

द्रौपदी मुर्मू — अमित कुमार

ब्रॉड पीक के वेस्ट रिज रूट पर भयानक हिमस्खलन आया था

निम्स के नाम से मशहूर थे निर्मल पुर्जा

6 महीने में 8 हजार मीटर ऊंची 14 चोटियां फतह कर डाली थीं निर्मल पुर्जा ने, पीओके में चढ़ाई के दौरान बर्फ में दबने से हो गई मौत

एवरेस्ट, ल्होत्से और मकालू जैसी तीन बड़ी चोटियों को सिर्फ 48 घंटे के अंदर फतह कर नया इतिहास रचा था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया भर में मशहूर नेपाली पर्वतारोही निर्मल पुर्जा निम्स का पीओके के कराकोरम पर्वत श्रृंखला में स्थित ब्रॉड पीक पर एक बड़े हिमस्खलन में निधन हो गया।

निर्मल 43 वर्ष के थे। बीते गुरुवार को हिमस्खलन के बाद वह अपनी टीम के साथ लापता हो गए थे। निर्मल पुर्जा ब्रॉड पीक पर चढ़ाई के ▶▶ शेष पेज 4 पर

निर्मल पुर्जा

ब्रॉड पीक दुनिया का 12वां सबसे ऊंचा पर्वत

ब्रॉड पीक दुनिया का 12वां सबसे ऊंचा पर्वत है, जिसकी ऊंचाई 8,051 मीटर है। यह कराकोरम पर्वत श्रृंखला में के 2 के पास स्थित है और दुनिया की सबसे ▶▶ शेष पेज 4 पर

नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री से पहुंचे घर-घर में

उनके जीवन और 'प्रोजेक्ट पॉसिबल' पर बनी नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री '14 पीक्सः नथिंग इज इंपॉसिबल' ने उन्हें दुनियाभर में घर-घर में एक जाना-माना चेहरा बना दिया था। निर्मल पुर्जा ने अपनी ▶▶ शेष पेज 4 पर

मुख्यमंत्री ने हरदा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित किया

बलराम कृषि महोत्सव किसानों को नई तकनीक, वैज्ञानिक खेती और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का एक व्यापक अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव केवल एक आयोजन न होकर किसानों को नई तकनीक, वैज्ञानिक खेती और समृद्ध भविष्य से जोड़ने का व्यापक अभियान है। यह किसानों का अपना कार्यक्रम है, इसका अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपनी खेती को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। मप्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, खेती-किसानी को लाभदायी बनाने और कृषि को आधुनिक स्वरूप देने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कृषि उपज मण्डी प्रांगण हरदा में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को जबलपुर से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भुआणा क्षेत्र की धरती शुरू से ही उपजाऊ रही है। हरदा कृषि क्षेत्र में नम्बर वन है। जिला मूंग, सोयाबीन, गेहूं के उत्पादन के साथ हरी मिर्च के उत्पादन में भी अग्रणी बन रहा है। जिले के कोने-कोने तक सिंचाई का जल पहुंचाने के लिए कार्य किया जा रहा है। सरकार किसानों के हित में 16 विभागों की समन्वित कार्य योजना तैयार कर नियमित फसलों के अलावा दूध, मछली, पशु पालन, फल, सब्जी, मसाले, फूल एवं अन्य कृषि क्षेत्र में बेहतर उत्पादन के लिए कार्य कर रही है।

हरदा जिला कृषि क्षेत्र में नंबर वन, कृषि के हर क्षेत्र में विकास के लिए सरकार संकल्पित

बलराम महोत्सव को वर्चुअली संबोधित करते सीएम।

अब आधुनिक और उन्नत खेती का दौर है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परम्परागत खेती अब गुज़रे ज़माने की बात हो गई है। अब आधुनिक और उन्नत खेती का दौर है। किसान बंधु अपने खेत की मिट्टी की जांच कराएं। मिट्टी की उत्पादकता के अनुसार ही फसल लें। बहुत अधिक रायायनिक उर्वरकों का उपयोग करने से बचें, जितनी जल्दी हो सके, प्राकृतिक और जैविक खेती की ओर बढ़ें। फसल विविधीकरण अपनाएं। एक ही किस्म की फसल के स्थान पर एक ही समय में खेत में एकाधिक फसल लें।

कृषक कल्याण वर्ष में किसानों की आय दोगुना करने का संकल्प

डॉ. यादव ने कहा कि भारत वह देश है, जो अपनी परम्पराओं में वसुधैव कुटुम्बकम का भाव रखते हुए संपूर्ण विश्व को एक परिवार मानता है। हमारी संस्कृति 'जियो और जीने दो' पर विश्वास करती है। भगवान बलराम कृषि क्षेत्र के पहले देवता हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुना करने के लिए हम वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मना रहे हैं। इसमें प्रदेश के विभिन्न अंचलों में बलराम कृषि महोत्सव मनाए जा रहे हैं।

किसानों का किया सम्मान

कृषि विभाग के तहत समन्वित कृषि प्रणाली के क्षेत्र में विशेष कार्य के लिए ग्राम कानपुरा के कृषक रामनारायण पिता रामरतन, जैविक कीटनाशक बनाकर उत्कृष्ट जैविक खेती के लिए ग्राम बारंगा के कृषक परमानंद पिता जयनारायण, तथा नवीन किस्मों को मल्टीप्लाई कर कृषकों को उपलब्ध कराने के लिए कछबेड़ी के किसान मेहुल सहित अन्य को सम्मानित किया गया।

किसानों के प्रति सरकार के मन में अगाध श्रद्धा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र सरकार लगातार किसान कल्याण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। किसान अपनी मेहनत और पसीने से धरती से अन्न उगाते हैं और भूखों को अनाज उपलब्ध कराते हैं। किसानों के प्रति हमारी सरकार के मन में अगाध श्रद्धा और सम्मान है। किसान भाइयों को आज एक साथ 4000 रुपए सम्मान निधि के रूप में उनके बैंक खातों में अंतरित किए गए हैं।

यामिनी-अजय ने बढ़ाया मप्र का मानः मंत्री सारंग

भोपाल। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के बीच मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। जूडो में यामिनी और वेटलिफ्टिंग में अजय बाबू ने

शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सारंग ने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम्स में जूडो स्पर्धा में रजत पदक जीतकर मध्य प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली खिलाड़ी यामिनी से सारंग ने वीडियो कॉल के माध्यम से बात कर उन्हें शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सारंग ने कहा कि यामिनी की यह सफलता पूरे मध्य प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। सारंग ने घोषणा की कि मध्य प्रदेश सरकार की खेल नीति के अनुसार कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीतने वाले यामिनी और अजय बाबू को 25-25 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही खेल नीति के प्रावधानों के अनुरूप दोनों खिलाड़ियों को सरकारी विभाग में नौकरी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

अज्ञात मृतकों की पहचान स्थापित करने में मप्र बना देश का पहला राज्य

सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन के मंत्र के साथ काम करे पुलिस प्रशासनः सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पुलिस सेवा, संवेदनशीलता और सुशासन के मंत्र के साथ समर्पित होकर काम करें। यही सच्ची समाज सेवा है, यही जनता की सेवा है। उन्होंने कहा कि देश में जब भी पीपुल्स फ्रेंडली पुलिसिंग की बात आए, तो हमारी संस्कारधानी जबलपुर पुलिस का नाम सबसे पहले आए। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिसिंग की बेहतरी के लिए तकनीक के सदुपयोग के सद्परिणाम अब दिखाई दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जबलपुर शहर के तिलवारा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 22.57 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित 96 आरक्षक आवास, करीब 3.21 करोड़ रूपए की लागत से नवनिर्मित नवीन संभागीय पुलिस कार्यालय और लगभग 2.80 करोड़ रुपए की लागत से तिलवारा पुलिस स्टेशन के नव निर्मित भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि सायबर सुरक्षा की दिशा में सेफ क्लिक-2.0 देश का सबसे बड़ा जागरूकता अभियान सिद्ध हुआ है। प्रदेशभर में 8 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, 1 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच बनाई गई, जबकि डिजिटल माध्यमों से 6 करोड़ से अधिक लोगों तक सुरक्षित इंटरनेट और सायबर सुरक्षा का प्रभावी संदेश पहुंचाया गया है।

1 पुलिस कर्मियों के लिए बढ़ाई जाएंगी सुविधाएं, मेस के लिए दी जाएगी पात्रतानुसार राशि

2 मुख्यमंत्री ने जबलपुर में संभागीय कार्यालय, तिलवारा थाना और पुलिस आवासों का किया लोकार्पण

थाना भवन एवं संभागीय कार्यालय भवन का लोकार्पण करते सीएम।

12 सौ से अधिक पेचीदा मामले सुलझाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेशनल ऑटोमेडेट फिंगर प्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (एनएएफआईएस) के माध्यम से 16 लाख से अधिक फिंगर प्रिंट डेटाबेस का उपयोग करके 12 सौ से अधिक पेचीदा मामलों को तत्परता से सुलझाया गया है। उन्होंने कहा कि एनएएफआईएस से अज्ञात मृतकों की पहचान स्थापित करने के मामले में मप्र पूरे देश का पहला राज्य बना है। यह प्रणाली सबसे पहले मप्र ने ही लागू की। मुख्यमंत्री ने बताया कि ई-साक्ष्य पोर्टल पर 2 लाख 30 हजार से अधिक डिजिटल सबूत दर्ज किए जा चुके हैं।

महाराजपुरा में नए थाने की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर शहर के महाराजपुरा में नया थाना बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जबलपुर में उच्च न्यायालय है। पूरे प्रदेश से पुलिसकर्मियों का यहां आवागमन होता रहता है। पुलिसकर्मियों के रूकने के लिए पुलिस बैरक में सुविधा बढ़ाई जाएंगी। यहां रूकने वाले पुलिसकर्मियों को मेस उपयोग करने पर शासकीय नियमों एवं पात्रतानुसार राशि दी जाएगी। कावड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं हो मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सावन का पावन महीना चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने एसडीईआरएफ टीम की प्रतिबद्धता को सराहा

मुख्यमंत्री ने खंडवा के जावर थाना क्षेत्र के हांडीकुंड में सुक्ता और आवना नदी के मध्य स्थित टापू पर फंसे चार युवकों को सुरक्षित बाहर निकालने पर इस कार्य में लगी टीमों की सराहना की है। लगभग साढ़े 10 घंटे तक चले चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू अभियान के बाद चारों युवकों को सकुशल सुरक्षित बाहर निकाला गया। सीएम ने अपने संदेश में कहा कि इस अभियान में मप्र राज्य आपदा आपातकालीन मोचन बल ने अदम्य साहस, धैर्य, तकनीकी दक्षता और उत्कृष्ट समन्वय का परिचय दिया है। मानव जीवन की रक्षा के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों में लंबे समय तक संघर्ष कर टीम ने अपनी प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने इस अभियान में सहभागी सभी अधिकारियों और कर्मियों के समर्पण, त्वरित कार्रवाई तथा कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की।

जरूरी पहल के रूप में स्थापित हुई योजना

मप्र में पीएम स्वनिधि पखवाड़ा शुरू, 15 अगस्त तक चलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना देश के शहरी पथ विक्रेताओं को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने, स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने वाली एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में स्थापित हुई है। योजना के माध्यम से पात्र पथ विक्रेताओं को चरणबद्ध ऋण, डिजिटल वित्तीय सेवाओं तथा यूपीआई -लिंक्ड क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे लाखों परिवारों की आजीविका सुदृढ़ हुई है।

योजना के प्रभाव को और अधिक व्यापक बनाने तथा शेष पात्र पथ विक्रेताओं तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगरीय विकास एवं आवास विभाग की ओर से एक से 15 अगस्त तक विशेष पीएम स्वनिधि पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश के सभी जिलों, नगरीय निकायों एवं संबंधित सेंसेस टाउन में एक मिशन मोड कार्यक्रम के रूप में संचालित किया जाएगा।

मिशन मोड में संचालित करने पर विशेष फोकस

विशेष पखवाड़े के दौरान राज्य सरकार की ओर से 20 लाख नवीन आवेदन प्राप्त करने, लगभग 2 लाख पूर्व अस्वीकृत प्रकरणों के पुनरीक्षण, विशेष बीएलबीसी एवं डीएलबीसी बैठकों के आयोजन, प्रधानमंत्री आवास योजना हितग्राहियों के साथ एकीकरण तथा ऋण एवं क्रेडिट कार्ड वितरण को अभियान मोड में संचालित करने पर विशेष फोकस किया जाएगा। पात्र पथ विक्रेताओं के ऋण एवं क्रेडिट कार्ड आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के लिए नगरीय निकायों एवं बैंकों के मध्य समन्वय को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। अभियान के तहत लंबित ऋण प्रकरणों के शीघ्र निराकरण, क्रेडिट कार्ड आवेदनों को बैंकों को प्रेषित करने पथ विक्रेताओं और बैंकर्स के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया जाएगा। साथ ही अधिकतम हितग्राहियों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए संसाधन व्यक्तियों का चयन एवं स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा।

अभियान की थीम स्वनिधि से समृद्धि

आत्मनिर्भर शहरी मप्र की ओर निर्धारित की गई है। अभियान के माध्यम से वित्तीय समावेशन, डिजिटल सशक्तिकरण, स्वरोजगार संवर्धन तथा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को गति प्रदान करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। प्रदेशभर में जनजागरूकता गतिविधियों, विशेष शिविरों, बैंक समन्वय बैठकों, हितग्राही संपर्क अभियानों तथा मीडिया एवं डिजिटल संचार गतिविधियों के माध्यम से अधिकतम पात्र पथ विक्रेताओं तक पहुंच बनाई जाएगी।

राजधानी की जनता को पानी नहीं, पिलाया जा रहा है जहर, सरकार विफलः पटवारी

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राजधानी की पेयजल व्यवस्था को लेकर प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए

जीतू पटवारी

कहा कि राजधानी भोपाल की जनता को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने में सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है।

उसे पानी नहीं, जहर पिलाया जा रहा है। बड़े तालाब और कोलार जलापूर्ति से जुड़े पानी के नमूनों में फीकल कॉलीफॉर्म बैक्टीरिया मिलने की खबर अत्यंत चिंताजनक है और यह सीधे-सीधे प्रदेश की लाखों जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि सरकार को इंदौर के भागीरथपुरा जैसी घटनाओं से सबक लेना चाहिए था, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि लापरवाही का वही सिलसिला अब भोपाल में भी दिखाई दे रहा है। जनता की जान जोखिम में डालने वाली ऐसी लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जा सकती।

कांग्रेस की मांग, संघर्ष की चेतावनी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से मांग की कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, जल गुणवत्ता की निगरानी में लापरवाही बरतने वाले सभी जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए तथा दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल स्वच्छ पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था, स्वास्थ्य शिविर और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि किसी भी प्रकार की जनस्वास्थ्य आपदा को रोका जा सके। पटवारी ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस जनता के स्वास्थ्य से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर सरकार की जवाबदेही तय कराएगी और भोपाल की जनता के सुरक्षित पेयजल के अधिकार के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

एक इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन लाइन भी शामिल, आधुनिक मेंटेनेंस तकनीकों और सतत मॉनिटरिंग से मिली सफलता

54 वर्ष पुरानी ट्रांसमिशन लाइनें भी बनीं विश्वसनीयता की मिसाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की बैतूल जिले में स्थित 20 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने विद्युत पारेषण की विश्वसनीयता का उल्लेखनीय रिकॉर्ड स्थापित किया है। इन ट्रांसमिशन लाइनों पर विगत लगभग 1500 दिनों से एक भी ब्रेकडाउन दर्ज नहीं हुआ है और इनके माध्यम से निर्बाध विद्युत पारेषण जारी है।

इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इनमें शामिल कुछ ट्रांसमिशन लाइनें वर्ष 1972 में ऊर्जीकृत की गई थीं। लगभग 54 वर्ष पुरानी ये लाइनें आज भी पूरी क्षमता और विश्वसनीयता के साथ संचालित हो रही हैं। दशकों पुरानी परिसंपत्तियों का यह उत्कृष्ट प्रदर्शन कंपनी की सुदृढ़ मेंटेनेंस व्यवस्था, आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग तथा अभियंताओं और तकनीकी कर्मचारियों की सतत निगरानी का परिणाम माना जा रहा है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि बैतूल जिले की इन 20 ट्रांसमिशन लाइनों सहित प्रदेश में एमपी ट्रांसको की 593 ईएचवी ट्रांसमिशन लाइनें विगत चार वर्षों से बिना किसी ब्रेकडाउन के सफलतापूर्वक संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि कंपनी के अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों तथा अनुरक्षण कार्यों में लगे आउटसोर्स कार्मिकों की तकनीकी दक्षता, समर्पण और निरंतर प्रयासों का प्रतिफल है।

विद्युत उत्पादन मे भी बनी रही निरंतरता

प्रद्युम्न सिंह तोमर

सारणी क्षेत्र से जुड़ी इन ट्रांसमिशन लाइनों के निरंतर और निर्बाध संचालन का सकारात्मक प्रभाव विद्युत उत्पादन पर भी पड़ा है। ट्रांसमिशन नेटवर्क में किसी प्रकार का ब्रेकडाउन नहीं होने से सारणी विद्युत गृह से उत्पादित विद्युत की निकासी लगातार सुचारु रूप से होती रही। परिणामस्वरूप ट्रांसमिशन की बाधाओं के कारण उत्पादन इकाइयों को किसी प्रकार का लोड प्रतिबंध या उत्पादन कटौती नहीं करनी पड़ी। मजबूत एवं विश्वसनीय ट्रांसमिशन नेटवर्क न केवल गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करता है। बल्कि उत्पादन केंद्रों की दक्षता-उपलब्धता बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इन ट्रांसमिशन लाइनों की उपलब्धि

बैतूल क्षेत्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली ट्रांसमिशन लाइनों में इंटर-स्टेट 220 केवी सारणी-कलमेश्वर ट्रांसमिशन लाइन, वर्ष 1972 में ऊर्जीकृत सारणी पावर हाउस से 220 केवी सबस्टेशन सारणी की दो 220 केवी लाइनें (वर्तमान में हंडिया एवं इटारसी), वर्ष 1980 एवं 1981 में ऊर्जीकृत सारणी पावर हाउस से 220 केवी सबस्टेशन इटारसी की लाइनें, 220 केवी बैतूल से पावर ग्रिड के दो सर्किट, 220 केवी बैतूल-छिंदवाड़ा का एक सर्किट, 132 केवी बैतूल इंटरकनेक्टर के दो सर्किट, 132 केवी बैतूल-मुलताई लाइन, 132 केवी बैतूल रेलवे ट्रैक्शन फीडर के दो सर्किट, 132 केवी मुलताई रेलवे ट्रैक्शन की दो ट्रांसमिशन लाइनें, 132 केवी सारणी-छिंदवाड़ा का एक सर्किट, 132 केवी मुलताई-आमला ट्रांसमिशन लाइन तथा 132 केवी गुड़गांव-विंड जनरेशन कुकरु का एक सर्किट शामिल है।

आउटसोर्स कर्मचारियों का धरना आज

कर्मचारियों के लिए आयोग की मांग कर रहा भारतीय मजदूर संघ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय किसान संघ के बाद भारतीय मजदूर संघ ने भी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आउटसोर्स कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा, समान कार्य-समान वेतन और स्थायी नीति की मांग को लेकर प्रदेशभर के आउटसोर्स कर्मचारी रविवार को आंबेडकर पार्क में धरना देंगे। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध मध्य प्रदेश बाह्य स्त्रोत यानि आउटसोर्स विद्युत कर्मचारी संगठन का दावा है कि प्रदर्शन में प्रदेशभर से करीब 25 हजार कर्मचारी शामिल होंगे। शनिवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में कर्मचारियों ने सरकार से उत्तर प्रदेश और हरियाणा

की तर्ज पर आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए निगम या आयोग जैसी स्थायी व्यवस्था बनाने और सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश मंत्री एवं आउटसोर्स प्रकोष्ठ प्रभारी राजन नायर ने कहा कि प्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए एक समर्पित निगम या आयोग का गठन किया जाना चाहिए. दुर्घटना बीमा, जोखिम भत्ता और सेवा शर्तें सुनिश्चित की जाएं।

वार्ड 25

वार्ड में सभी मूलभूत सुविधाएं हैं, स्वच्छता सर्वेक्षण में मिला सपोर्ट लेकिन महापौर और विधायक का जनसुविधाओं पर ध्यान ही नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के वार्ड-25 के कोटरा सुल्तानाबाद में आईएनएच और हरिभूमि के कार्यक्रम मेरा वार्ड-मेरी बात का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय विकास, मूलभूत सुविधाओं और शराब दुकान हटाने की मांग प्रमुख मुद्दों के रूप में सामने आई।

वार्ड पार्षद वीनू मोनू सक्सेना ने कहा कि हमारे वार्ड में सभी मूल सुविधाएं हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण में जनता ने पूरा सहयोग किया है। यहां पर पानी, बिजली, सीवेज की नई लाइनें हाल ही में बिछी हैं। लंबे समय से लोग सीवेज की पाइप लाइन की मांग कर रहे हैं। बारिश में नाले ओवरफ्लो होते हैं, जिसकी शिकायत महापौर मालती राय से की, लेकिन कोई व्यवस्था नहीं कराई गई है। सक्सेना ने कहा कि महापौर और क्षेत्रीय विधायक यहां की जन सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

आईएनएच न्यूज चैनल पर आज रविवार शाम 6.30 बजे से देखिए प्रसारण

युवतियां बोलीं- रोड किनारे शराब पीने वालों पर हो कार्रवाई

पार्षद बोलीं
वार्ड में पानी, बिजली, सीवेज की नई लाइनें हाल ही में बिछी हैं। वार्ड में सभी मूल सुविधाएं हैं

रहवासियों ने बताईं अपनी समस्याएं, पार्षद ने विकास कार्य गिनाए

इनका हुआ सम्मान

आईएनएच की ओर से लावन्या सिंह (छात्रा) का पार्षद वीनू मोनू सक्सेना ने सम्मान किया। हर्षिता को सीनियर सिटीजन रमेश जोशी ने सम्मानित किया। रमेश जोशी को राजेश मिश्रा, कमलेश खातकर को विक्रांत श्रीवास्तव ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद का भी सम्मान किया गया।

वार्ड से शराब की दुकान हटाने की उठी मांग

पार्षद वीनू मोन सक्सेना ने कहा कि वार्ड में सड़क पर शराब की दुकान है, जिसको हटाने के लिए बहुत प्रयास किया गया, लेकिन प्रदेश सरकार नही चाहती है कि यहां से शराब दुकान हटाई जाए। इस मामले में रहवासियों ने भी समर्थन दिया।

लाइब्रेरी -पार्क की सुविधा मिली

सीनियर सिटीजन क्लब के कार्यकर्ता कमलेश खातकर ने कहा कि वृद्धों के लिए लाइब्रेरी बनवाई है और टहलने के लिए पार्क है। जिसकी बराबर देखरेख की जाती है।

धरना दिया, सुनवाई नहीं हुई

पूर्व पार्षद प्रदीप सक्सेना कहा के कई बार हमने शराब की दुकान को हटाने को लेकर धरना दिया पर भी कोई सुनवाई नही हुई। सरकार हमारी बात नही सुन रही है।

शराब दुकान हटे

रहवासी लक्ष्मी यादव ने कहा कि रात के समय सड़क पर निकलने डर लगता है। लोग सड़क पर बैठकर शराब पीते हैं। शराब दुकान हटानी चाहिए।

9 राखी पहनने से होता है कष्टों का निराकरणः साईं...

10 उम्र या दूरी से नहीं, बल्कि विश्वास, सम्मान...

रिहायशी इलाकों में व्यावसायिक उपयोग रोकने नगर निगम अलर्ट मोड पर

बावड़िया कलां में 200 से ज्यादा दुकानदारों ने खुद बंद कीं दुकानें, एक दर्जन से ज्यादा होटल और दुकानें सील

बावड़िया कलां में बंद प्रतिष्ठान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में आवासीय अनुमति लेकर व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन करने वाले व्यापारियों में कार्रवाई को लेकर हड़कंप मचा हुआ है। नगर निगम का अमला सोमवार को बावड़िया कलां, रोहित नगर, शाहपुरा और अरेरा कॉलोनी पहुंचा। बावड़िया कलां में दो प्रतिष्ठान सील किए गए, जबकि 200 से ज्यादा दुकानदारों ने नोटिस मिलने के बाद खुद अपनी दुकानों के सामने व्यवसाय बंद करने के बोर्ड लगा दिए। शाहपुरा, अरेरा कॉलोनी, रोहित नगर में एक दर्जन से ज्यादा होटल, रेस्टोरेंट और दुकानों की तालाबंदी की गई। वार्ड-52 के बावड़िया कलां में एक टैटू शॉप को सील करने पहुंची टीम का स्थानीय भाजपा पार्षद के पति और पूर्व पार्षद रामबाबू पाटीदार से विवाद हो गया।

उनकी निगम कर्मचारियों से तीखी बहस हुई, उन्हें जोन प्रभारी नीलेश श्रीवास्तव ने समझाकर शांत कराया। पाटीदार का कहना था कि यदि नियमों के तहत कार्रवाई हो रही है तो पूरे शहर में समान रूप से होनी चाहिए, केवल चुनिंदा इलाकों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में चलाया जा रहा है। सभी संबंधित प्रतिष्ठानों को पहले नियमानुसार नोटिस जारी किए गए थे। उसके बाद कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम के उपायुक्त भुवन गुप्ता ने बताया कि कई कारोबारियों ने नोटिस मिलने के बाद स्वेच्छा से अपनी व्यावसायिक गतिविधियां बंद कर दी हैं। यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने व्यापारियों के हित में मिक्स लैंड यूज की व्यवस्था लागू करने की मांग की

निगम अमले ने दो प्रतिष्ठान किए सील, मौके पर पूर्व पार्षद ने अमले से की नोंकझोंक

अरेरा कॉलोनी, रोहित नगर, शाहपुरा में कार्रवाई का भोपाल व्यापारी महासंघ ने किया विरोध

बावड़िया कलां में व्यापारी ने अपनी शॉप बंद रखी।

रोहित नगर में शर्मा एंड विष्णु फास्ट फूड को सील किया गया।

व्यापारियों ने किया कार्रवाई का विरोध

इधर तालाबंदी के नोटिस के बाद 10 नंबर मार्केट के व्यापारियों ने विरोध किया है। व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष आनंद सोनी ने कहा कि हमारी कोई गलती नहीं है। हम कमर्शियल दर पर बिजली बिल और प्रॉपर्टी टैक्स दे रहे हैं। हमारे पास नगर निगम का ट्रेड लाइसेंस और जीएसटी रजिस्ट्रेशन भी है। शहर में पिछले 21 वर्षों से मास्टर प्लान नहीं आया और नए कमर्शियल क्षेत्र चिह्नित नहीं हुए, इसलिए ऐसी स्थिति बनी। हम अपनी दुकानें लेकर कहां जाएं? सरकार चाहे तो गुजरात की तर्ज पर नया कानून बना सकती है या भूमि विकास नियमों में 29 जून को किए गए संशोधन लागू कर सकती है।

दुकान को सील करता निगम का अमला।

रोहित नगर में विष्णु फास्ट फूड सील

रोहित नगर के एसके प्लाजा यानि शर्मा विष्णु फास्ट फूड को नगर निगम ने सील कर दिया। इस भवन में व्यावसायिक गतिविधियां बंद कर दी गई हैं। शाहपुरा थाने के पास यहां व्यवसायिक सेंटर चल रहा था।

व्यापारियों के समर्थन में आया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज

निगम की कार्रवाई को लेकर भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने व्यापारियों के हित में मिक्स लैंड यूज की व्यवस्था लागू करने की मांग की है। चैंबर के अध्यक्ष गोविंद गोयल का कहना है कि नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा ने 17 जुलाई से व्यापारियों को नोटिस जारी कर मात्र 10 दिन के भीतर अपनी व्यावसायिक गतिविधियां बंद करने अथवा उन्हें पूरी तरह आवासीय स्वरूप में परिवर्तित करने के निर्देश दिए थे। यह निर्णय हजारों व्यापारियों एवं उनसे जुड़े लाखों लोगों की आजीविका को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करेगा।

दिखावे की कार्रवाई नहीं चलेगी, रहवासी करेंगे विरोध प्रदर्शन

नगर निगम की कार्रवाई को लेकर रहवासियों में रोष है। उनका आरोप है कि कुछ समय के लिए दुकानें बंद हुईं, जो शाम होते पुनः जगमगाने लगीं। संयुक्त रहवासी समिति ने आरोप लगाया कि दुकान संचालकों को निगम के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि ये कार्रवाई 4 तारीख तक ही प्रभावी है फिर दुकानें यथावत संचालित की जा सकेगी। इसके कारण शिकायतकर्ता और अवैध दुकानों से पीड़ित रहवासी रविवार को भोपाल के विभिन स्थानों पर शांति पूर्ण विरोध प्रदर्शन करेंगे।

डीजल टैंक में पानी मिलने पर सप्लाई रोकी, 50 एमएल कम निकला पेट्रोल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पीएंडटी चौराहा स्थित एचपी कंपनी के आरके पेट्रोल पंप पर बारिश के दौरान पानी मिला डीजल बेचा जा रहा था। इसी तरह पंप के एक पेट्रोल नोजल से पांच लीटर पर 50 मिलीलीटर कम पेट्रोल दिया जा रहा था। शनिवार को खाद्य विभाग की टीम जब जांच करने पहुंची, तो इसका खुलासा हुआ। एएसओ संदीप भार्गव ने पंप से डीजल की सप्लाई रोक दी है, जबकि पेट्रोल के एक नोजल को भी सील कर दिया गया है।

कम पेट्रोल देने वाले नोजल की एक माह की रीडिंग होगी कलेक्ट

बारिश में पानी मिला डीजल मिलने की लगातार शिकायतें आती हैं। जिसको लेकर एडीएम प्रकाश नायक ने सभी एसडीएम और खाद्य अफसरों को जिले के दो सौ पेट्रोल पंपों की जांच के आदेश दिए हैं। जिसके तहत शनिवार को खाद्य विभाग की टीम पीएंडटी चौराहा स्थित आरके पेट्रोल पंप पहुंची, यहां जब डीजल के टैंक की जांच की गई तो उसके करीब 116 लीटर पानी मिला। जिसके आधार पर यहां से डीजल की सप्लाई रोक दी गई है। अब टैंक से पानी निकलवाने के बाद ही सप्लाई शुरु की जाएगी। इधर पेट्रोल के नोजल की जांच करने पर एक नोजल से पांच लीटर पर पचास एमएल कम पेट्रोल मिला है। जिसको देखते हुए इस नोजल को भी सील कर दिया गया है।

◆ हजारों उपभोक्ताओं को कम मिला पेट्रोल, डीजल में मिला पानी

आरके पेट्रोल पंप पर जांच करते अधिकारी।

रोजाना एक नोजल से करीब दो हजार लीटर पेट्रोल बेचा

आरके पेट्रोल पंप पर पेट्रोल के नोजल से कम पेट्रोल मिलने के मामले में एएसओ ने पेट्रोल पंप संचालक से इस नोजल की एक माह की रीडिंग मांगी है, जिससे पता चलेगा कि इस नोजल से कितना पेट्रोल बेचा गया है। यहां रोजाना एक नोजल से करीब दो हजार लीटर पेट्रोल बेचा जाता है। यहां पर पांच हजार लीटर डीजल और 11 हजार लीटर पेट्रोल का स्टॉक मिला है।

योअर्स सर्विस स्टेशन पर मिली दो एक्ट्रा यूनिट

कमला पार्क से पॉलिटेक्निक चौराहे के बीच में स्थित एचपी कंपनी का योअर्स सर्विस स्टेशन पर भी जांच की गई। यहां पेट्रोल और डीजल के वेरिएशन सही मिला। वहीं पेट्रोल और डीजल के टैंकों में पानी भी नहीं मिला, लेकिन यहां परमिशन के हिसाब से दो एक्ट्रा यूनिट में नोजल लगाए गए हैं। जबकि परमिशन तीन यूनिट की है। संचालक को परमिशन पेश करने का नोटिस दिया गया है।

सरकारी क्वार्टर में गैस रिफलिंग

खाटू श्याम मंदिर माता मंदिर के पास एक सरकारी जर्जर मकान में अवैध रूप से बिजली मीटर से विद्युत गैस रिफलिंग पकड़ी गई है। टीम जब मौके पर पहुंची, तो वहां से रिफलिंग वाहन और कर्मचारी भाग निकले। मौके पर रिफलिंग बिजली मोटर चलती हुई मिली। टीम ने मौके से दो गैस सिलेंडर और रिफलिंग मोटर जब्त की गई है। टीम आसपास रिफलिंग करने वाले का सुराग लगा रही है।

फायर सेफ्टी को लेकर कोचिंग सेंटरों की मोहलत खत्म, कल होगी कार्रवाई

भोपाल। राजधानी में कोचिंग सेंटरों की फायर सेफ्टी जांच को लेकर निगम प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। जिन कोचिंग संस्थानों को अग्नि सुरक्षा संबंधी कमियां दूर करने के लिए समय दिया गया था, उनकी मोहलत शनिवार को समाप्त हो गई। अब सोमवार से कार्रवाई शुरू की जाएगी। एक दर्जन से अधिक कोचिंग संचालकों ने शपथ पत्र देकर अतिरिक्त समय मांगा था और जल्द सुरक्षा इंतजाम पूरे करने का आश्वासन दिया था। अधिकारियों के अनुसार जिन कोचिंग सेंटरों ने तय समय में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया है, उनके खिलाफ सीलिंग, संचालन पर रोक और अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है। फायर विभाग ने साफ किया है कि सुरक्षा व्यवस्थाओं का पालन दिखना जरूरी होगा। निगम के फायर अधिकारी सौरभ पटेल ने बताया कि जिन कोचिंग सेंटरों को मोहलत दी गई थी, उनका निरीक्षण सोमवार को फायर की टीमें करेंगी।

बगोनिया स्थित गोदाम की जांच नहीं की

गैस के अवैध गोदाम में एक हजार सिलेंडर मिलने पर नवतारण एजेंसी संचालक पर होगी एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हमीदिया रोड मनोहर डेयरी के सामने इसरानी मार्केट स्थित भारत कंपनी की नवतारण गैस एजेंसी में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। एजेंसी संचालक सहर्ष तारण ने कागजों में बगोनिया गांव में गैस गोदाम होने की जानकारी दी है, जबकि उसने अवैध रूप से अरेड़ी गांव में एक हजार सिलेंडरों का स्टॉक कर रखा था। टीम शुक्रवार को दिनभर अरेड़ी स्थित गोदाम पर सिलेंडरों की गिनती करती रहीं, जबकि बगोनिया स्थित गोदाम की अब तक जांच नहीं की गई है।

अवैध गोदाम बनाकर रसोई गैस सिलेंडरों का बड़ा स्टॉक रखने को लेकर खाद्य विभाग नवतारण गैस एजेंसी संचालक पर एफआईआर दर्ज कराएगा। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन का कहना है कि अवैध गोदाम में सिलेंडरों का स्टॉक करने और सिलेंडरों के दस्तावेज पेश नहीं करने वाले एजेंसी संचालक पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

छोटे दुकानदारों को सिलेंडर सप्लाई

जांच में पता चला है कि एजेंसी संचालक छोटे दुकानदारों को बड़ी संख्या में अवैध रूप से घरेलू सिलेंडर सप्लाई करता है। जिसके लिए उन्होंने अलग-अलग जगहों पर दस से पंद्रह सिलेंडर वाहन से उतारे जाते हैं। यह सिलेंडर फुटकर में छोटी दुकानों पर भेजे जाते हैं।

तीन माह में होगा 731 गांवों के रिकॉर्ड का डिजिटाइजेशन

जमीनों का 72 साल पुराना रिकॉर्ड होगा ऑनलाइन, एक क्लिक पर सामने आएगी कुंडली

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी समेत जिले के 731 गांवों के खसरे, खतौनी, नामांतरण का रिकार्ड तलाश करने के लिए आम लोगों को हफ्ते और महीनों इंतजार नहीं करना पड़ेगा। आने वाले तीन महीने में वर्ष-1954 से अब तक का रिकार्ड ऑनलाइन कर दिया जाएगा। सर्टिफाइड कॉपी के लिए साइबर रूम से संपर्क करना पड़ेगा।

भोपाल में जमीनों के खसरे और नामांतरण के पुराने आदेशों का रिकार्ड जीर्णशीर्ण हो गया है। जमीन खरीद-फरोख्त और अन्य कामों के लिए खसरे और नामांतरण आदेश की जरूरत पड़ती है। जिसके लिए लोकसेवा गारंटी में आवेदन करने के बाद महीनों इंतजार करना पड़ता है।

वेरिफिकेशन के बाद स्कैनिंग

इस चरण में दस्तावेजों की स्कैनिंग के बाद मेटाडाटा तैयार होगा। संबंधित क्षेत्र के पटवारी ऑनलाइन सत्यापन करेंगे। इसके बाद रिकॉर्ड भूलेख पोर्टल पर उपलब्ध करा दिए जाएंगे। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा का कहना है कि इससे पुराने भू-अभिलेख सुरक्षित रहेंगे, राजस्व सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और जमीन से जुड़े रिकॉर्ड पहले की तुलना में आसानी से मिल सकेंगे। इस काम के पूरा होने के बाद आम लोगों को जमीन के रिकॉर्ड के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर कम लगाने पड़ेंगे।

जेके रोड से गोविंदपुरा तक निर्माण कार्य का दायरा बढ़ा

इंद्रपुरी में बनेगा मेट्रो ब्लू लाइन का पहला स्टेशन, गार्डर लॉन्चिंग जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रायसेन रोड पर इंद्रपुरी में मेट्रो की ब्लू लाइन का पहला स्टेशन इंद्रपुरी में बनेगा। इसके लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। सुरक्षा के इंतजाम के बीच गार्डर लॉन्चिंग का काम लगातार जारी है। जेके रोड से सोनागिरी तक पिलर बनकर तैयार हो चुके हैं।

इधर जेके रोड से इंद्रपुरी तक गार्डर लॉन्चिंग के लिए पिलर तैयार हैं। उल्लेखनीय है कि भोपाल मेट्रो की ब्लू लाइन की कुल लंबाई करीब

14.16 किलोमीटर है। यह लाइन भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा के बीच बनाई जा रही है। इस रूट 13 से 14 स्टेशन प्रस्तावित हैं। जबकि इंटरचेंज प्वाइंट पुल बोगदा रहेगा।

ब्लू लाइन का 24 घंटे चल रहा काम

मेट्रो प्रशासन के अनुसार पुल बोगदा से रत्नागिरी तक मेट्रो ब्लू लाइन का काम 24 घंटे चल रहा है। इस रूट के जल्द बनकर तैयार होने का अनुमान है। इस रूट पर अतिक्रमण की समस्या कम है। इसलिए यहां काम तेजी से चल रहा है। वर्तमान में जेके रोड से आईटीआई, गोविंदपुरा बिजली कार्यालय के सामने, अप्सरा टॉकीज, प्रभात पेट्रोल पंप और केपिटल पेट्रोल पंप के सामने उक्त लाइन का काम जारी है।

पटेल नगर में रायसेन रोड पर दर्जनों पेड़ काटे

भोपाल। अयोध्या बायपास रोड पर पेड़ों की कटाई के बाद अब पटेल नगर रायसेन रोड पर रोड के चौड़ीकरण को लेकर शनिवार से पेड़ों को काटने का सिलसिला शुरू हुआ। यहां रोड किनारे लगे एक दर्जन से ज्यादा पेड़ों को जेसीबी व अन्य मशीनरी से काटा गया। हालांकि पेड़ों को काटने की भनक पर्यावरण प्रेमियों को नहीं लगी। बताया जा रहा है कि रोड चौड़ीकरण के दायरे में आ रहे पेडों को काटने की मंजूरी निमार्णकर्ता एजेंसी ने लेने के बाद ही शुरू किया है।

जेसीबी से पेड़ों को काटते कर्मचारी।

भोपाल से प्रतिदिन तीन उड़ानों का संचालन करेगी एयर इंडिया एक्सप्रेस

पारंपरिक वाटर कैनन से सलामी देकर उड़ान का किया भव्य स्वागत

राजा भोज विमानतल पर एयर इंडिया एक्सप्रेस का हुआ आगाज, दिल्ली-मुम्बई उड़ान हुई शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

राजा भोज विमानतल, भोपाल ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एयर इंडिया एक्सप्रेस की नियमित उड़ान सेवाओं का शुभारंभ किया।

इससे राजधानी भोपाल की हवाई संपर्क सुविधा को और अधिक मजबूती मिलेगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस की दिल्ली से आने वाली प्रथम उड़ान IX-1789 शनिवार को 12:10 बजे राजा भोज विमानतल पहुंची, जिसका पारंपरिक वाटर कैनन सलामी देकर भव्य स्वागत किया गया।

राजाभोज एयरपोर्ट पर एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान।

यात्रियों को दिए बोर्डिंग पास

कार्यक्रम में आलोक त्रिपाठी, विमानपत्तन निदेशक, राजा भोज विमानतल, भोपाल, सुभाष यादव, क्षेत्रीय निदेशक, बीसीएएस, अतुल भनोत्रा, कमांडेंट, सीआईएसएफ तथा अनुराग वर्मा, एयरपोर्ट मैनेजर, एयर इंडिया एक्सप्रेस सहित भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, सीआईएसएफ एवं एयर इंडिया एक्सप्रेस के वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त रूप से राजा भोज विमानतल पर एयर इंडिया एक्सप्रेस का स्वागत किया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों ने भोपाल से प्रस्थान करने वाले एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रथम यात्री को बोर्डिंग पास प्रदान किया। राजा भोज विमानतल ने पिछले कुछ वर्षों में यात्री यातायात एवं हवाई संपर्क के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय प्रगति की है।

प्रथम उड़ान में 139 यात्री रवाना

वर्तमान में एयर इंडिया एक्सप्रेस भोपाल से प्रतिदिन तीन उड़ानों दिल्ली के लिए दो तथा मुंबई के लिए एक का संचालन करेगी तथा आगामी शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में अन्य गंतव्यों के लिए भी अपनी सेवाओं का विस्तार किए जाने की संभावना है। दिल्ली की प्रातःकालीन उड़ान एआई 1705/एआई 1886 का संचालन पूर्ववत एयर इंडिया द्वारा किया जाता रहेगा। नई उड़ान सेवाओं को परिचालन के प्रथम दिन ही यात्रियों का उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। दिल्ली से आने वाली प्रथम उड़ान **IX**-1789 में 140 यात्री भोपाल पहुंचे, जबकि वापसी की उड़ान **IX**-1790 से 139 यात्री दिल्ली के लिए रवाना हुए। दूसरी दिल्ली उड़ान **IX**-1791/**IX**-1792 में 116 यात्री भोपाल आए तथा 110 यात्री दिल्ली के लिए प्रस्थान किए। इसी प्रकार मुंबई उड़ान **IX**-1798/**IX**-1786 से 128 यात्री भोपाल पहुँचे तथा 112 यात्री मुंबई के लिए रवाना हुए।

जैकेट का शेष...

जीएसटी कलेक्शन में बंपर ...

शुद्ध जीएसटी संग्रह 1,81,237 करोड़ रहा जो पिछले साल जुलाई के मुकाबले 15.8 प्रतिशत अधिक है।

4 वर्षों में 2200 ...

विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर निगम अध्यक्ष, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने नगर निगम की कार्यप्रणाली की मंच से सराहना करते हुए महापौर की भी प्रशंसा की।

पेज एक का शेष...

किश्तवाड़ और शोपियां...

पहुंचीं और प्रभावित इलाके से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। चत्रू-किश्तवाड़ नेशनल हाईवे पर गाड़ियों की आवाजाही रोक दी गई है। उधर, केरलम में भारी बारिश के कारण कई जिलों में भूस्खलन और बाढ़ आ गई। इडुक्की और कोट्टायम जिलों में अलग-अलग भूस्खलनों में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि पथानामथिट्टा जिले के कुछ हिस्सों में बाढ़ ने गंभीर रूप ले लिया है। डासेरीकारा में 24 घंटे से भी कम समय में 302 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि लाहाई में लगभग 260 मिमी बारिश हुई।

वैष्णो देवी के ...

एसडीआरएफ, श्राइन बोर्ड, पुलिस तथा सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान संवेदनशील स्थानों पर तैनात रहे।

होनी थी 460.5 ...

सामान्य से 13 फीसदी कम है। भोपाल में भी जुलाई के कोटे से करीब 85 मिमी कम बारिश रही है। राजधानी में जुलाई में कुल 282.2 मिमी हुई है, जबकि औसतन 367.7 मिमी होती है। मौसम केंद्र के अनुसार अगले 5 दिन मौसम में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी दो दिन कुछ कम बारिश रहेगी। इसके बाद फिर से तेजी पकड़ेगी। यह सप्ताह मध्यम से तेज बारिश के साथ बीतेगा। रविवार तक राजगढ़, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, शिवपुरी, श्योपुरकलां में कुछ जगह भारी बारिश होगी। इसके साथ ही भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, धार, इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, अशोकनगर, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा आदि जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी।

ट्रिपल जंप में....

जॉर्डन स्कॉट ने जीता। उनका बेस्ट अटैम्प्ट 16.72 मीटर का रहा।

हरियाणा की दो ...

प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। 2026 एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता, जबकि 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में भी गोल्ड अपने नाम किया। प्रीति की ट्रेनिंग एनएस एनआईएस पटियाला में होती है। हरियाणा की बॉक्सर जैस्मिन लांबोरिया 57 किग्रा कैटेगरी में फिलहाल इस वर्ग में दुनिया की नंबर-1 बॉक्सर हैं। उन्होंने 2025 वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल में गोल्ड जीता है। जैस्मिन 2024 पेरिस ओलिंपिक में भारत के लिए खेल चुकी हैं और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी हैं।

पैर टूटने के ....

हरिओम मौर्य खेती करते हैं। कोच दीपक रजक ने बताया कि पहली बार उन्होंने यामिनी को पुराने सदर स्कूल के मैदान में खेलते देखा था। उनकी प्रतिभा को पहचानकर उन्होंने परिवार को खेल परिसर भेजने के लिए प्रेरित किया। 2017 में एक प्रतियोगिता के दौरान यामिनी का पैर टूट गया। चोट के कारण उन्हें करीब एक वर्ष तक खेल से दूर रहना पड़ा। स्वस्थ होने के बाद उन्होंने दोबारा अभ्यास शुरू किया और लगातार चार वर्षों की कड़ी मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचीं।

धमाके से उड़ ....

इलाके में एक लैंडमाइन ब्लास्ट के धमाके में उन्होंने अपना दायां पैर गंवा दिया था। इसके बाद 2017 में जब वे नकली पैर लगवाने गए, तब से उन्होंने पैरा एथलेटिक्स की शुरुआत की और आज कॉमनवेल्थ गेम्स में देश का नाम रोशन कर दिया।

लूट व गैंगरेप...

आरोपियों के कब्जे से लूटा गया

मोबाइल, पर्स और अन्य सामान भी बरामद कर लिया गया है। पकड़े गए आरोपियों में बबलू बंजारा (23) पुत्र हीरालाल बंजारा, निवासी ग्राम बोरखेड़ा थाना धरनावदा, छोटू बंजारा (28) पुत्र मांगीलाल बंजारा, निवासी ग्राम खजरा थाना राघौगढ़, सरदार बंजारा (30) पुत्र कर्मा उर्फ करम सिंह बंजारा, निवासी ग्राम विन्याकी थाना राघौगढ़, महेंद्र बंजारा एवं (20) पुत्र गब्बा बंजारा, निवासी ग्राम बोरखेड़ा थाना धरनावदा, दिनेश बंजारा (28) पुत्र गब्बा बंजारा, निवासी ग्राम बोरखेड़ा थाना धरनावदा शामिल हैं। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों में दिनेश बंजारा पर पूर्व में भी दुष्कर्म का मामला दर्ज है।

सीजेपी प्रदर्शन में ...

निलंबन आदेश फाड़ने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस और प्रभारी प्राचार्य के अनुसार 30 जुलाई को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलहरी में निलंबन आदेश मिलने पर वरुण नायक ने विवाद खड़ा कर दिया। उन पर आरोप है कि उन्होंने पूर्व प्राचार्य के बाल खींचकर उन्हें घसीटा, गाली-गलौज की और बीच-बचाव करने पहुंची पुलिस टीम के जवानों के साथ भी हाथापाई की।

चुनावी हलफनामे में ....

जबकि राजकुमार धनोरा की याचिका की पोषणीयता पर अगली सुनवाई 4 अगस्त को तय की है। राजपूत के अधिवक्ता विवेक रंजन पांडेय ने बताया कि याचिकाकर्ता के वकील ने तथ्यों पर बहस न करते हुए समय मांगा था। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन कानूनों के तहत प्रत्याशी को केवल अपनी और अपने आश्रितों की संपत्ति का विवरण देना अनिवार्य होता है, परिवार से जुड़ी किसी शिक्षा समिति की संपत्ति का उल्लेख करना जरूरी नहीं है। राजपूत ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में 7 विधानसभा चुनाव लड़े हैं और उन पर कभी भी जानकारी छिपाने का आरोप सिद्ध नहीं हुआ। अदालत जो भी फैसला करेगी, वह उसका पूरी तरह सम्मान करेंगे।

रेप के आरोपी ...

मुलाकात महाराज से हुई थी, जिसके बाद फेसबुक पर बातचीत शुरू हुई। महिला का आरोप है कि गुरु पूर्णिमा-2025 के दौरान दादू आश्रम में रुकने के दौरान महाराज ने उसके साथ रेप किया, विरोध करने पर मारपीट की और आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया। महिला ने इसकी शिकायत प्रदेश के गृह मंत्री, डीजीपी, आईजी और एसपी से भी की थी। मामला सामने आने पर ज्ञानदास महाराज ने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए महिला पर हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग का उल्टा आरोप लगाया था। उन्होंने पुलिस को इससे जुड़े कुछ सबूत देने का दावा भी किया था। वहीं, उनके शिष्य जुगलदास का कहना है कि शुक्रवार रात सीने में दर्द की शिकायत के बाद महाराज इलाज कराने निकले थे, हालांकि वे किस अस्पताल में हैं, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस की टीम आरोपी महामंडलेश्वर की तलाश में जुटी हुई है।

भगवान महाकाल ....

अद्भुत दृश्य देखने को मिलेगा, जिसे अत्यंत शुभ माना जाता है। महाकाल मंदिर के मुख्य द्वार से निकलकर पालकी गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी होते हुए रामघाट पहुंचेगी। यहां क्षिप्रा नदी के पवित्र जल से भगवान महाकाल का अभिषेक और आरती की जाएगी। इसके बाद सवारी रामघाट, रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, ढाबा रोड, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी चौराहा होते हुए पुनः महाकाल मंदिर पहुंचेगी।

15 अगस्त को ...

होने पर उन्हें इस योजना के तहत प्रतिमाह 3 हजार रुपए पेंशन मिलेगी। अमित ने कहा कि मैं एक मध्यमवर्गीय परिवार से हूं। कभी कल्पना भी नहीं की थी कि राष्ट्रपति से मिलने और उनके हाथों सम्मानित होने का अवसर मिलेगा। इसके लिए मैं श्रम विभाग और भारत सरकार का आभारी हूं।

6 महीने में ...

लिए 10 लोगों की टीम देख रहे थे। टीम में नेपाल के 6 पर्वतारोही, जबकि पाकिस्तान, ओमान, अमेरिका और चीन से एक-एक सदस्य शामिल था। हिमस्खलन के बाद पूरी टीम का संपर्क टूट गया, जिसके बाद पाकिस्तान अल्पाइन क्लब ने हेलिकॉप्टर के जरिए बचाव अभियान शुरू किया। लेकिन, खराब मौसम ने रेस्क्यू ऑपरेशन को बेहद मुश्किल बना दिया। निर्मल पुर्जा ने 2003 में ब्रिटिश सेना ज्वॉइन की थी और फिर रॉयल नेवी की स्पेशल बोट सर्विस जैसी स्पेशल फोर्स का हिस्सा बने। करीब 16 साल तक सैन्य सेवा देने के बाद, उन्होंने पर्वतारोहण को अपना करियर बनाया। साल 2018 में उन्हें ब्रिटेन की ओर से सम्मान भी दिया गया था। 2012 में एवरेस्ट बेस कैंप की यात्रा ने उनमें पर्वतारोहण का जुनून जगा दिया। फिर 2019 में निर्मल पुर्जा ने ऐसा कारनामा किया, जिसने उन्हें पूरी दुनिया में पहचान दिला दी। उन्होंने महज 6 महीने में दुनिया की 8,000 मीटर से ऊंची सभी 14 चोटियों को फतह कर विश्व रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने दक्षिण कोरिया के किम चांग-हो का करीब 7 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

ब्रॉड पीक दुनिया ...

कठिन चोटियों में गिना जाता है। इस पर्वत पर पहली सफल चढ़ाई 1957 में ऑस्ट्रेलियाई पर्वतारोहियों की टीम ने की थी।

नेटफ्लिक्स की

मेहनत, नेतृत्व और उपलब्धियों से दुनिया भर के लाखों युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने और बड़ी से बड़ी बाधाओं को पार करने की प्रेरणा दी थी। उनका जाना पर्वतारोहण जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

कार्यालय प्राचार्य, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
जयवंती हॉक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बैतूल (म.प्र.)
(NAAC द्वारा प्रदत्त ग्रेड 'A+') email: hegjhpgcbet@mp.gov.in

क्रमांक /भण्डार/2026 **विज्ञप्ति** बैतूल दिनांक ....

महाविद्यालय में कम्प्यूटर, प्रिंटर एवं अन्य सामग्री क्रय करने हेतु एमपी ई-टेंडर पोर्टल पर निविदा बुलाई जा रही है, जिसका विवरण निम्नानुसार है -

Tender reference	:	2305
Darte of Commencement of Sale of Tender Document	:	17/07/2026 by 17.00 hrs
Last Date for Online Sale of Tender Document	:	07/08/2026 by 17.00 hrs
Last Date online Tender Receipt Date and Time	:	07/08/2026 by 17.00 hrs
Opening of Technical Bid	:	10/08/2026 by 15.00 hrs
Opening of Price Bid	:	Date will be notified on MP-tender website after technical evaluation
Bid security/Earnest Money Deposit	:	Rs 37500.00 In Indian rupees
Cost of the Tender Document	:	Online portal fees only

टीप- उक्त निविदा से संबंधित सम्पूर्ण विवरण एमपी ई-टेंडर पोर्टल https://mptenders.gov.in पर उपलब्ध है।

प्राचार्य
प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस
ज.हा. शास.स्ना. महा., बैतूल

जी- 16552/26 स्वच्छता ही सेवा

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्रीमती शगुफता शेख पत्नी श्री आमिर खान उर्फ आमिर शाह आयु वयस्क निवासी सुविधा कालोनी देहगांव तहसील गैरतगंज जिला रायसेन मप्र से उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य का एक किता फ्लैट नं-सी-2 / 306 जोकि भूखण्ड क्रमांक 3 व 4 पर निर्मित बहुमंजिला भवन अशोका एन्क्लेव स्थित अप्सरा सिनेमा के पास रायसेन रोड नगर निगम वार्ड नंबर 70 तहसील हुजूर जिला भोपाल मप्र को क्रय करने का अनुबंध कर बयाना राशि अदा कर दी है। जिसके विक्रय पत्र का पंजीयन कराया जाना शेष है। यदि उक्त संपत्ति पर किसी व्यक्ति, संस्था बैंक, शासकीय ,अशासकीय कार्यालय ,सोसायटी को कोई आपत्ति हो अथवा उक्त संपत्ति कहीं रहन,बंधक, अनुबंधित, वसीयत ,जमानत में प्रयुक्त हो अथवा वारिसान को कोई आपत्ति हो तो वो इस आम सूचना प्रकाशन के 7 दिन के अंदर अपनी लिखित आपत्ति मय दस्तावेज के मेरे कार्यालय में पेश करें। समय अवधि के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं की जाएगी और मेरे पक्षकार उपरोक्त वर्णित संपत्ति की रजिस्ट्री अपने पक्ष में कराए जाने के लिए स्वतंत्र होंगें।

आरएस अहिरवार एडवोकेट
कार्यालय- चेंबर नंबर -129 बीडीए लायर्स चेम्बर्स अरेरा हिल्स भोपाल। मोबाइल नंबर -9826380237

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

// आम सूचना //

बागमुगालिया एक्सटेंशन हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भोपाल में भूखण्ड/भवन क्रमांक एच.आई.जी. 282 मण्डल द्वारा श्री के.एस. पवार आत्मज स्व. श्री शेर सिंह पवार के नाम भाड़ाक्रय खरीद करार के आधार पर हस्तान्तरण आदेश क. 1834-38 दिनांक 13/08/2007 को हस्तान्तरित किया गया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 4/01/2012 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। श्री के.एस. पवार आत्मज स्व. श्री शेर सिंह पवार (पिता जी) की दिनांक 31/01/2020 एवं श्रीमती तारा पवार पत्नी स्व. श्री के.एस. पवार (माता जी) की दिनांक 22/11/2024 को मृत्यु होने के उपरांत उनके पुत्रगण 1) श्री अमित सिंह पवार 2) श्री आदित्य सिंह पवार 3) श्री अनुज सिंह पवार आत्मज स्व श्री के.एस. पवार (स्व. श्री करण सिंह पवार) के द्वारा उक्त संपत्ति को अपने संयुक्त नाम पर नामान्तरण करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र, परिचय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं मण्डल प्रारूप में आवेदन पत्र प्रस्तुत किए गए है। प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति 1) श्री अमित सिंह पवार 2) श्री आदित्य सिंह पवार 3) श्री अनुज सिंह पवार आत्मज स्व श्री के.एस. पवार (स्व. श्री करण सिंह पवार) के संयुक्त नाम से नामान्तरण हेतु प्रकरण इस कार्यालय में विचाराधीन है। यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी / या किसी संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो ता 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप से सबूत के साथ इस कार्यालय को प्रस्तुत करें, समयावधि के पश्चात् कोई भी आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-2, भोपाल

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र
भिलाई, जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत-490001

ईओआई क्रमांक : IOC-DRM/EOI/Wagon Loading/2026-27 दिनांक : 01.08.2026

ईओआई सूचना (EOI NOTICE)

दल्ली एवं राजहरा साइडिंग्स, दल्ली-राजहरा लौह अयस्क खदान, भिलाई इस्पात संयंत्र में रेलवे वैगन लोडिंग कार्य हेतु ठेकेदार की नियुक्ति के लिए अभिरुचि अभिव्यक्ति आमंत्रण।

ईओआई दस्तावेज़ सेल की वेबसाइट www.sailtenders.co.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

1. ईओआई प्रस्तुत करने की समय-सारणी
क) दस्तावेज़ डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय : 31.08.2026 (दोपहर 01:00 बजे तक)
ख) भरे हुए दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 31.08.2026 (दोपहर 01:30 बजे तक)
ग) प्री-बिड बैठक : 10.08.2026 (प्रातः 11:00 बजे)
घ) प्री-बिड बैठक का स्थान : मुख्य महाप्रबंधक (खदान-आईओसी) कार्यालय, दल्ली-राजहरा, जिला बालोद, छत्तीसगढ़ - 491228

2. किसी भी प्रकार की जानकारी / स्पष्टीकरण हेतु निम्नलिखित अधिकारियों से संपर्क करें :
(क) उप महाप्रबंधक (टीएंडडी) श्री वी. के. सिंह, दल्ली मैकेनिकल माइंस
(संपर्क नं. : 9407982944, ई-मेल : vksingh6@sail.in)
(ख) सहायक महाप्रबंधक (टीएंडडी) श्री पी. के. रामटेके, राजहरा मैकेनिकल माइंस
(संपर्क नं. : 9407984111, ई-मेल : pramteke@sail.in)

विज्ञापन क्र.-बीएसपी-05 / 26-27 / दिनांक : 01 / 08 / 2026

पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली, 110003
Corporate Identity Number : 127109DL1973G01006454.Website: www.sail.co.in

हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग नरसिंहपुर (म.प्र.)

निविदा सूचना क्रमांक 16/वर्ष 2026-27/कार्य.यं. // निविदा सूचना // नरसिंहपुर, दिनांक 30/07/2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है

क्रं	टेण्डर आई डी	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	कार्य की अनु. राशि (रू लाख में)	धरोहर राशि	निविदा फार्म की राशि	आमंत्रण क्रं	कार्य समयावधि	भौतिक रूप से लिफाफा प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी. आर. एवं अन्य दस्तावेज)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2026_ PWDRB_ 513899_2	नरसिंहपुर	मजबूतीकरण	नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत नरसिंहपुर मगरधा सांकल सिंहपुर मैनावारी पहुंच मार्ग शहरी क्षेत्र मिसिंग लंबाई 3.60 कि. मी. (विद्युतीकरण कार्य सहित) का मजबूतीकरण कार्य । (द्वितीय आमंत्रण)	462.12	4,62,500	15,000	द्वितीय आमंत्रण	08 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
2	2026_ PWDRB_ 525563_1	नरसिंहपुर	वार्षिक संधारण सड़क	नरसिंहपुर उपसंभाग के बरमान सेक्शन अंतर्गत विभिन्न मार्गों के पेच रिपेयर एवं अन्य मरम्मत का कार्य ।	9.95	20,000	2,000	प्रथम आमंत्रण	04 माह वर्षाऋतु सहित	सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत करें।
				योग	472.07					

उपरोक्त वेबसाइट आनेलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 12/08/2026, (17.00) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट www.mptenders.gov.in में देखा जा सकता है। निविदा में हाने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समावार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल धरोहर (ई.एम.डी.) राशि एवं अन्य सभी दस्तावेज ऑनलाईन प्रस्तुत दिनांक 12/08/2026, (17.30) बजे तक उपरोक्तानुसार संबंधित पोर्टल में प्राप्त की जावेगी।

G-16554/26 " स्वच्छता ही सेवा " कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स), संभाग नरसिंहपुर

आवश्यकता है खरीदना है बेचना है व्यापार चिकित्सा ज्योतिष डिस्प्ले विज्ञापन
हरिभूमि क्लासीफाइड
संपर्क सूत्र : 9407279644

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

\- व्यावस्थापक

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9407279644

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

गाँधी पी.आर. महाविद्यालय
बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से संबद्ध
UG COURSE
B.A., BCA, BBA
BPES, BSC,
B.Com (Economics/ Computer/Hon'S 4 Years)

PG COURSE
M.A: HINDI, ENGLISH, ECONOMICS
POLITICAL SCIENCE, SOCIOLOGY & SOCIAL WORK
M.Com: ACCOUNTS & MANAGEMENT
B.Lib: (Librarian Science)
B.Ed.: BACHELOR OF EDUCATION
(ONLINE COUNSELLING)
DIPLOMA COURSE
PG DCA: DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION
D.EL.ED: DIPLOMA IN ELEMENTARY EDUCATION
Mob. 9827208070, 9425346230
9893194695, 9981291288
पता: डी-1, दानिश नगर, होशंगाबाद रोड, आशिमा मॉल के पास, भोपाल
www.gandhiprcollege.com, principal@gandhiprcollege.com

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार,जाहिर सूचना
@ Rs. 1200/-
साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में
@ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
चर्म रोग, पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी
Timing 10:30 am to 8:00 pm
44 वर्षो का होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का अनुभव
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M. 9425006131, 8871714432
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंज़िल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

खुली ई-निविदा सूचना संख्या-एल.-ओपेन-26-27-10, दिनांक 31.07.2026

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/सामान्य)/सोनपुर वास्ते भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। खुली ई-निविदा की अंतिम तिथि दिनांक-24.08.2026 को 12:30 बजे तक निर्धारित की गई है। खुली ई-निविदा संबंधी निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाईट www.ireps.gov.in पर किया जा सकता है।

कार्य का नाम : बरौनी स्थित कोचिंग डिपो के नवीन वाशिंग पिट पर एच.ओ.जी. परीक्षण हेतु 750 वोल्ट विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था का कार्य। अनुमानित लागत (रू. में) : ₹1,14,52,997/-, बयाने की राशि (रू.में) : ₹2,29,100/- निविदा प्रपत्र की कीमत अप्रतिदेय (रू.में) : ₹00.00/-

उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाईट पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार किसी भी समय निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदादाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा।

वरि. मंडल विद्युत इंजीनियर/(विद्युत/सा.)/ पूमरे/सोनपुर

पीआर/657/एसईई/अभि./टी/26-27/32

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा नोटिस सं. - 31 ऑफ 2026-27/खुला/ इंजीनियरिंग, डीडीयू, मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग / डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ-साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन (ई-निविदा) आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा सं.-20-डीडीयू-वं.मं.इंजी.- | |-26-27,, कार्य का नाम एवं लोकेशन : सहायक मंडल अभियंता/ गया के अंतर्गत गया में 60 बिस्तरों वाली RPF बैरक का निर्माण, कार्य का अनुमानित लागत : ₹2,78,67,707.79, धरोहर राशि : ₹5,57,400/-
2. निविदा सं.-21-डीडीयू-वं.मं.इंजी.- | |-26-27,, कार्य का नाम एवं लोकेशन : KMGE स्टेशन पर UP दिशा में एक लूप लाइन की व्यवस्था, कार्य का अनुमानित लागत:₹2,23,07,189.27, धरोहर राशि : ₹4,46,200/-
3. निविदा सं.-22-डीडीयू-वं.मं.इंजी.- | |-26-27,, कार्य का नाम एवं लोकेशन : मानपुर - पं. दीन दयाल उपाध्याय : JHN स्टेशन पर ट्रैक मशीन साइडिंग की व्यवस्था, कार्य का अनुमानित लागत : ₹1,49,46,477.03, धरोहर राशि : ₹2,98,900/-, ई-निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय : 20.08.2026 को 12.00 बजे तक, वेबसाइट पर ई-निविदा की विस्तृत जानकारी : www.ireps.gov.in

नोट : विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक/ पूमरे/पं. दीन दयाल उपाध्याय

पीआर/0650/डीडीयू/अभि./टी/26-27/40

शब्द पहेली - 6305

1	2	■	3	4	■	5	6	■	7	8
9		10	■	11	12	■	13	14	■	
■	15		16	■	17	18	■	19	20	■
21	■	22		23	■	24	25	■	26	27
28	29	■	30		31	■	32	33	■	
■	34	35	■	36		37	■	38	39	■
40	■	41	42	■	43		44	■	45	46
47	48	■	49	50	■	51		52	■	
■	53	54	■	55	56	■	57		58	■
59	■	60	61	■	62	63	■	64		65
66		■	67		■	68		■	69	

बाएँ से दाए
1. उम्मीद, आशा-2
3. जी, चित्त-2
5. भस्म, खाक-2
7. जाल, फंदा-2
9. चिंतन, सोचना-3
11. ठाठ-बाट-2
13. क्रिकेट में बनते हैं-2
15. एक राशि-3
17. काया, बदन-2
19. एक विदेशी शराब-2
22. बोलने का तरीका-3
24. शालीन, सभ्य-2
26. बल, ताकत-2
28. भैंस जैसा एक पशु-2
30. पुत्री की पुत्री-3
32. कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34. मोटा आटा-2
36. जुड़वा-3
38. आनंदित-2
41. नौकर, गुलाम-2
43. बूंद-3
45. लक्ष्मी, विष्णुप्रिया -2
47. जंगल, कानन-2
49. मेहंदी -2
51. दृष्टि, निगाह-3
53. बुरी आदत -2
55. बुढ़ापा -2
57. नमस्कार, प्रणाम -3
60. खुमार, सरूर -2
62. भीगा हुआ -2
64. पक्षाघात-3
66. चुनौती-2
67. ऋण, उधार -2
68. भूमि, जमीन-2
69. चस्का, बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे
1. फलों का राजा-2
2. साजन, बलमा-3
4. खुमार-2
6. खच्चर, गधा-2
8. वहम, संदेह-2
10. अनुकृति-3
12. झुका हुआ-2
14. आदमी-2
16. वास करना-3
18. आकाश-2
20. घमंड-2
21. बदन-2
23. जातिवाद-3
25. पिघले पत्थर-2
27. रोग, -2
29. हाथ, टैक्स-2
31. लवण-3
33. ताकत-2
35. वचन-2
37. प्रयत्न-3
39. स्थिति -2
40. नवीन-2
42. सच्चा-2
44. राजा-3
46. हार-2
48. टौंटी-2
50. गुमान-2
52. पासों का खेल-3
54. काया-2
56. रात्रि-2
58. हुबहू-3
59. समय-2
61. सब्जी-2
63. गाड़ी-2
65. गैस-2

शब्द पहेली- 6304 का हल

■	स	र	ग	ना	■	आ	म	रा	य	■
फि	■	न	ज	ला	■	फि	क	र	■	त
त	ल	■	ल	य	■	स	र	■	ला	ल
र	ह	ना	■	क	हा	र	■	ज	ल	वा
त	र	सा	ना	■	ति	■	ज	ल	च	र
■	■	■	र	ह	म	दि	ल	■	■	■
ब	ग	दा	द	■	ता	■	न	ज	रा	ना
र	म	ल	■	स	ई	स	■	प	ह	रा
ग	ला	■	स	दा	■	ल	स	■	त	य
द	■	ग	ली	चा	■	वा	न	र	■	ण
■	का	श्त	का	र	■	र	म	जा	न	■

सूडोकु नवताल- 6315

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6314 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष – व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ – अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन – शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

बदल रही सोने-चांदी की चाल, क्या करें निवेशक

घबराएं नहीं, समझदारी से लें निवेश का फैसला ▸▸ अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले बढ़ी सतर्कता ▸▸ मजबूत डॉलर और वैश्विक दबाव से बुलियन बाजार में गिरावट

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेज उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना करीब 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.24 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गई। इस गिरावट की प्रमुख वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता, डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बुलियन बाजार में आई कमजोरी मानी जा रही है। हालांकि विशेषज्ञ इसे लंबी अवधि के नजरिए से बड़ी चिंता का विषय नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद, गोल्ड ईटीएफ में बढ़ते निवेश और एशियाई देशों से मजबूत मांग जैसे कारक अब भी सोने को सहारा दे रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए खतरे की घंटी है या फिर लंबे समय के निवेशकों के लिए बेहतर खरीदारी का अवसर। आने वाले दिनों में फेड के फैसले पर बाजार की अगली दिशा काफी हद तक निर्भर करेगी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय है या फिर खरीदारी का अवसर?

गिरावट की सबसे बड़ी वजह

इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता है। निवेशकों को उम्मीद है कि फेड के ब्याज दरों पर आने वाले फैसले से आने वाले महीनों में सोने और चांदी की दिशा तय होगी। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर में मजबूती भी बुलियन बाजार पर दबाव बना रही है। डॉलर इंडेक्स एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। चूंकि वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी का कारोबार डॉलर में होता है, इसलिए डॉलर मजबूत होने पर अन्य देशों के खरीदारों के लिए ये धातुएं महंगी हो जाती हैं।

फेड का फैसला क्यों होता है इतना अहम?

सोना और चांदी ब्याज नहीं देते। इसलिए जब केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रखते हैं तो निवेशक अधिक रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर आकर्षित होते हैं। इससे बुलियन की मांग घटती है। इसके विपरीत यदि ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है या फेड नरम रुख अपनाता है, तो सोना निवेशकों के लिए फिर आकर्षक बन जाता है। यही वजह है कि पूरी दुनिया के निवेशकों की नजर फेडरल रिजर्व की हर बैठक पर रहती है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि फेड भविष्य में दरों में कटौती के संकेत देता है तो सोने और चांदी में फिर से तेजी लौट सकती है। वहीं अपेक्षा से अधिक सख्त रुख अपनाने पर कीमतों में कुछ और दबाव देखने को मिल सकता है।

विशेषज्ञ क्या कह रहे

एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी एवं करेंसी रिसर्च विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक बुलियन बाजार में कमजोरी और भारतीय रुपये की मजबूती ने एमसीएक्स पर सोने की कीमतों को प्रभावित किया है। उनका मानना है कि फिलहाल निवेशक फेड के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और उसी के आधार पर बाजार अगली दिशा तय करेगा। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार डॉलर इंडेक्स में मजबूती के कारण सोने और चांदी दोनों पर दबाव बना हुआ है। हालांकि उनका कहना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव फिलहाल वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर रहेगा।

क्या सोने की तेजी खत्म हुई

विश्लेषकों की राय इससे अलग है। उनका मानना है कि अल्पकालिक गिरावट के बावजूद सोने की लंबी अवधि की तस्वीर अभी भी सकारात्मक बनी हुई है। इसके पीछे कई मजबूत कारण हैं।

- वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता।
- केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद।
- गोल्ड ईटीएफ में निवेश का बढ़ना।
- चीन और अन्य एशियाई देशों में मजबूत भौतिक मांग।
- भू-राजनीतिक तनाव की संभावना।
- इन सभी कारणों से सोने को लंबे समय में समर्थन मिलता रह सकता है।

चांदी में उतार-चढ़ाव ज्यादा क्यों

चांदी केवल निवेश धातु नहीं बल्कि औद्योगिक धातु भी है। इसका उपयोग सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और विभिन्न औद्योगिक उत्पादों में तेजी से बढ़ रहा है। इस कारण चांदी की कीमतें सोने की तुलना में अधिक तेजी से ऊपर और नीचे जाती हैं। यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था मजबूत रहती है तो औद्योगिक मांग बढ़ने से चांदी में फिर अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। मौजूदा गिरावट में घबराकर निवेश बेचने की जरूरत नहीं है। यदि आपका निवेश लंबी अवधि का है तो ऐसे उतार-चढ़ाव सामान्य माने जाते हैं।

केवल कमजोरी के रूप में नहीं

सोने और चांदी में आई मौजूदा गिरावट को केवल कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और निवेशकों की सतर्कता का परिणाम है। विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि में सोना अभी भी पोर्टफोलियो का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। ऐसे में घबराहट में फैसले लेने के बजाय बाजार की दिशा, वैश्विक संकेतों और अपने निवेश लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाना अधिक समझदारी होगी। फिलहाल फेडरल रिजर्व के फैसले के बाद ही बुलियन बाजार की अगली बड़ी चाल स्पष्ट होने की संभावना है।

निवेशकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव

- एकमुश्त बड़ी खरीदारी करने के बजाय चरणबद्ध निवेश करें।
- पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही सोने और चांदी में रखें।
- यदि कीमतों में और गिरावट आती है तो उसे खरीदारी के अवसर के रूप में देखा जा सकता है।
- फेडरल रिजर्व के फैसले और डॉलर की चाल पर नजर बनाए रखें।
- अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राथमिकता दें।

आने वाले दिनों में अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला, डॉलर इंडेक्स की चाल, अमेरिका के महंगाई और रोजगार के आंकड़े, वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम तथा केंद्रीय बैंकों की खरीदारी बुलियन बाजार की दिशा तय करेंगे। यदि फेड नरम रुख अपनाता है तो सोना और चांदी दोबारा मजबूती दिखा सकते हैं। वहीं मजबूत डॉलर और ऊंची ब्याज दरें बनी रहीं तो कीमतों में कुछ समय तक दबाव जारी रह सकता है।

एफडी तोड़ें या उसी पर लोन लें? जरूरत के समय लें सही फैसला

अचानक पैसों की जरूरत में जल्दबाजी न करें

बिजनेस डेस्क

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी निवेश का सबसे भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। सुरक्षित रिटर्न, निश्चित ब्याज और पूंजी की सुरक्षा के कारण लाखों लोग अपनी बचत एफडी में निवेश करते हैं। लेकिन जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे समय में सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या एफडी को समय से पहले तोड़ दिया जाए या फिर उसी एफडी के बदले बैंक से लोन लिया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि इसका कोई एक जवाब सभी पर लागू नहीं होता। सही विकल्प इस बात पर निर्भर करता है कि आपको कितने समय के लिए पैसे चाहिए, कितनी राशि की जरूरत है और आपकी लोन चुकाने की क्षमता कैसी है। यदि सही निर्णय लिया जाए तो ब्याज के नुकसान से बचा जा सकता है और निवेश भी सुरक्षित रह सकता है।

एफडी तोड़ने पर क्या होता है?

एफडी एक निश्चित अवधि के लिए किया गया निवेश होता है। यदि इसे मैच्योरिटी से पहले बंद कराया जाता है तो बैंक आमतौर पर तय ब्याज दर का पूरा लाभ नहीं देता। कई बैंक प्री-मैच्योर विदड्रॉल पर ब्याज दर कम कर देते हैं और साथ ही पेनाल्टी भी वसूलते हैं। इसका सीधा असर आपके कुल रिटर्न पर पड़ता है। मान लीजिए आपने पांच साल की एफडी कराई है और उसे दो साल बाद ही तोड़ना पड़ जाए। ऐसी स्थिति में बैंक आपको उसी अवधि के हिसाब से ब्याज देगा और उस पर भी जुर्माना काट सकता है। इससे आपकी अनुमानित कमाई कम हो जाती है। हालांकि यदि आपको लंबे समय तक पैसों की जरूरत है और लोन पर चुकाया जाने वाला ब्याज, एफडी तोड़ने से होने वाले नुकसान से अधिक है, तो एफडी बंद कराना बेहतर निर्णय हो सकता है। इससे भविष्य में ब्याज का अतिरिक्त बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।

एफडी पर कैसे काम करता है लोन

अधिकांश बैंक अपनी एफडी के बदले लोन या ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। आमतौर पर बैंक एफडी राशि का 75 से 90 प्रतिशत तक लोन उपलब्ध कराते हैं। इस दौरान आपकी एफडी जारी रहती है और उस पर पहले की तरह ब्याज मिलता रहता है। लोन पर ब्याज दर सामान्यतः एफडी की ब्याज दर से 1 से 2 प्रतिशत अधिक होती है। उदाहरण के लिए यदि एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है तो बैंक लगभग 8 से 9 प्रतिशत की दर पर लोन दे सकता है। इसलिए यह पर्सनल लोन की तुलना में काफी सस्ता विकल्प माना जाता है।

कब लेना चाहिए एफडी पर लोन?

यदि पैसों की जरूरत कुछ महीनों या कम अवधि के लिए है और आपको भरोसा है कि समय पर राशि वापस कर देंगे, तो एफडी पर लोन लेना अधिक समझदारी भरा फैसला हो सकता है। इससे आपकी एफडी सुरक्षित रहती है, ब्याज मिलता रहता है और जरूरत के समय तुरंत नकदी भी उपलब्ध हो जाती है। इसके अलावा एफडी पर लोन लेने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत आसान होती है। चूंकि बैंक के पास आपकी एफडी पहले से सुरक्षा के रूप में होती है, इसलिए दस्तावेज कम लगते हैं और लोन जल्दी स्वीकृत हो जाता है।

कब तोड़नी बेहतर रहेगी एफडी

यदि आपको लंबे समय के लिए बड़ी राशि की आवश्यकता है और निकट भविष्य में लोन चुकाने की संभावना नहीं है, तो केवल ब्याज का बोझ बढ़ाने के बजाय एफडी तोड़ना बेहतर हो सकता है। ऐसी स्थिति में हर महीने ईएमआई या ब्याज चुकाने का दबाव नहीं रहेगा। हालांकि एफडी तोड़ने से पहले यह जरूर पता कर लें कि बैंक कितना ब्याज काटेगा और प्री-मैच्योर पेनाल्टी कितनी होगी। कई बार नुकसान अपेक्षा से कम होता है और एफडी बंद करना ज्यादा लाभदायक साबित होता है।

दोनों विकल्पों की तुलना

एफडी तोड़ने का सबसे बड़ा नुकसान ब्याज में कमी और पेनाल्टी है, लेकिन इसके बाद किसी प्रकार की देनदारी नहीं रहती। दूसरी ओर एफडी पर लोन लेने से निवेश सुरक्षित रहता है और एफडी पर ब्याज भी मिलता रहता है, लेकिन लोन की राशि पर अतिरिक्त ब्याज देना पड़ता है।यानी यदि जरूरत अस्थायी है तो एफडी पर लोन बेहतर विकल्प हो सकता है, जबकि लंबी अवधि की जरूरत में एफडी तोड़ना अधिक व्यावहारिक साबित हो सकता है।

इन बातों पर करें विचार

■ पैसों की जरूरत कितने समय के लिए है? ■ एफडी तोड़ने पर कितना ब्याज और कितना जुर्माना कटेगा? ■ एफडी पर लोन लेने पर कुल कितना ब्याज देना होगा? ■ क्या आपकी आय इतनी है कि समय पर लोन चुका सकें? ■ क्या आपके पास कोई अन्य बचत या आपातकालीन फंड उपलब्ध है?

पहले बनाएं इमरजेंसी फंड

वित्तीय योजनाकारों का मानना है कि हर व्यक्ति के पास कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड होना चाहिए। यदि ऐसा फंड पहले से तैयार है तो अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर एफडी तोड़ने या लोन लेने की नौबत कम आएगी।

---

40 की उम्र में कैसे बनाएं मजबूत म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो

सही एसेट एलोकेशन और गलतियों से बचना है जरूरी

बिजनेस डेस्क

अक्सर माना जाता है कि 40 वर्ष की उम्र के बाद निवेश में जोखिम कम कर देना चाहिए, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि यह पूरी तरह सही सोच नहीं है। यदि रिटायरमेंट में अभी 15 से 20 वर्ष का समय बाकी है, तो यह लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का अच्छा अवसर है। इस उम्र में सबसे जरूरी है कि निवेश को उम्र के बजाय वित्तीय लक्ष्यों और उनकी समयसीमा के अनुसार व्यवस्थित किया जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, 40 वर्ष की उम्र तक अधिकांश लोगों के सामने बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, घर खरीदना और रिटायरमेंट जैसे कई लक्ष्य एक साथ होते हैं। ऐसे में हर लक्ष्य के लिए अलग निवेश रणनीति बनानी चाहिए। अल्पकालिक जरूरतों के लिए सुरक्षित निवेश और लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

रिटायरमेंट को दें अलग पहचान

बाजार के जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट को सामान्य निवेश का हिस्सा नहीं, बल्कि एक अलग दीर्घकालिक लक्ष्य मानना चाहिए। जिन लक्ष्यों की अवधि पांच वर्ष या उससे अधिक है, उनमें लगभग 80% निवेश इक्विटी और 20% डेट में रखा जा सकता है। वहीं, दो वर्ष से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए पूरी राशि डेट फंड में रखना अधिक सुरक्षित माना जाता है। उनका कहना है कि सोना भी पोर्टफोलियो में शामिल किया जा सकता है। यह मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। लंबी अवधि के पोर्टफोलियो में डेट हिस्से का एक भाग गोल्ड से बदला जा सकता है।

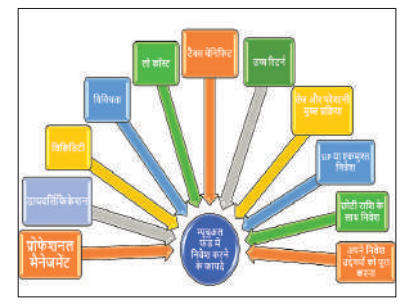

कितनी हो डेट की हिस्सेदारी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के सीनियर इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट गिबिन जॉन के अनुसार, यदि निवेशक की जोखिम उठाने की क्षमता अच्छी है और रिटायरमेंट में अभी लंबा समय है, तो 60 से 80 प्रतिशत तक निवेश इक्विटी आधारित योजनाओं में किया जा सकता है। हालांकि यदि निकट भविष्य में किसी बड़े खर्च की योजना है, तो इक्विटी का अनुपात कम रखना चाहिए।

किन श्रेणियों को दें प्राथमिकता

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए पोर्टफोलियो में विभिन्न श्रेणियों के फंड शामिल होने चाहिए। इनमें प्रमुख हैं।

- फ्लेक्सी कैप फंड
- मल्टी कैप फंड
- लार्ज कैप फंड
- मिड कैप फंड
- स्मॉल कैप फंड
- डिविडेंड यील्ड फंड
- फोकस्ड फंड
- बाजार पूंजीकरण के आधार पर लगभग 50–55% लार्ज कैप, 20–25% मिड कैप और शेष स्मॉल कैप में निवेश रखने की सलाह दी गई है। इससे बाजार के विभिन्न चक्रों में संतुलित रिटर्न मिलने की संभावना रहती है।

हर साल बढ़ाएं एसआईपी

विशेषज्ञों का सुझाव है कि जैसे-जैसे आय बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी भी बढ़ानी चाहिए। यदि हर वर्ष 10 से 15 प्रतिशत की स्टेप-अप एसआईपी की जाए तो रिटायरमेंट के समय बनने वाला फंड काफी बड़ा हो सकता है।

हर वर्ष करें पोर्टफोलियो की समीक्षा

निवेशकों को वर्ष में कम से कम एक बार अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि एसेट एलोकेशन तय लक्ष्य के अनुसार है या नहीं, वित्तीय लक्ष्य बदले हैं या नहीं और जोखिम उठाने की क्षमता में कोई बदलाव आया है या नहीं। यदि बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश का अनुपात बदल गया है, तो रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचें

विशेषज्ञों के अनुसार 40 की उम्र में सबसे बड़ी गलती यह है कि लोग आय बढ़ने के बावजूद निवेश नहीं बढ़ाते। दूसरी बड़ी भूल रिटायरमेंट के लिए अलग रणनीति न बनाना है। कई लोग अपनी अधिकांश बचत अभी भी केवल फिक्स्ड डिपॉजिट जैसे पारंपरिक साधनों में रखते हैं, जो लंबे समय में महंगाई को मात देने में अक्सर सक्षम नहीं होते। इसके अलावा कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड, पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और टर्म इंश्योरेंस भी होना चाहिए, ताकि किसी आपात स्थिति में लंबी अवधि के निवेश को बीच में न तोड़ना पड़े।

यह रखें ध्यान

40 वर्ष की उम्र निवेश की दौड़ में देर नहीं है। यदि सही एसेट एलोकेशन, नियमित एसआईपी, वार्षिक पोर्टफोलियो समीक्षा और वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निवेश रणनीति अपनाई जाए, तो अगले 15-20 वर्षों में मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार किया जा सकता है। उम्र से अधिक महत्वपूर्ण है अनुशासित निवेश और समय पर सही निर्णय।

---

10 साल में 1 लाख को 5 लाख से ज्यादा बनाने वाले टॉप म्यूचुअल फंड

लंबी अवधि के निवेश में स्मॉल और मिडकैप फंडों ने किया शानदार प्रदर्शन, रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मददगार

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड लंबे समय में संपत्ति बनाने का एक प्रभावी माध्यम माना जाता है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद यदि निवेशक धैर्य बनाए रखें और लंबी अवधि के लिए निवेश करें, तो अच्छे फंड बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। पिछले 10 वर्षों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो कई ऐसी म्यूचुअल फंड योजनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने निवेशकों के 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 लाख रुपये से अधिक में बदल दिया। खास बात यह है कि इन सभी योजनाओं का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम रहा, जिससे निवेशकों पर फंड प्रबंधन की लागत भी कम पड़ी। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी फंड का चयन केवल पिछले रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, बल्कि निवेशक को अपने वित्तीय लक्ष्य, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि को भी ध्यान में रखना चाहिए।

किस फंड का कैसा रिटर्न

- पिछले 10 वर्षों के आंकड़ों के अनुसार निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप डायरेक्ट फंड ने करीब 21.27 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया। इस प्रदर्शन के आधार पर 1 लाख का निवेश बढ़कर लगभग 6.87 लाख रुपये हो गया। यह फंड लंबे समय से स्मॉल कैप श्रेणी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले फंडों में गिना जाता है।
- इनवेस्को इंडिया मिड कैप डायरेक्ट फंड दूसरे स्थान पर रहा। इसने लगभग 20.03 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया और 1 लाख का निवेश करीब 6.20 लाख तक पहुंच गया।
- एक्सिस स्मॉल कैप फंड ने 19.51 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न के साथ निवेश को लगभग 5.94 लाख, जबकि एडेलवाइस मिड कैप फंड ने 19.47 प्रतिशत रिटर्न देकर इसे 5.92 लाख रुपये तक पहुंचाया।

एसआईपी निवेशकों को लाभ

सिर्फ एकमुश्त निवेश ही नहीं, बल्कि नियमित निवेश यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) करने वाले निवेशकों को भी इन योजनाओं से अच्छा लाभ मिला। यदि किसी निवेशक ने पिछले 10 वर्षों तक हर माह 10,000 की एसआईपी की होती, तो कई योजनाओं में उसका निवेश 35 लाख से 38 लाख रुपये के बीच पहुंच जाता।

- एसआईपी प्रदर्शन में क्वांट मल्टी एसेट एलोकेशन फंड सबसे आगे रहा। इसके बाद बैंक ऑफ इंडिया मैन्युफैक्चरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड, इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड, एडेलवाइस मिड कैप फंड, डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड, एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड और एक्सिस स्मॉल कैप फंड का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा।

एक्सपेंस रेशियो क्यों है महत्वपूर्ण

म्यूचुअल फंड में एक्सपेंस रेशियो वह शुल्क होता है, जो फंड हाउस निवेशकों के पैसे के प्रबंधन के लिए वसूलता है। यदि यह शुल्क कम होता है, तो निवेश का बड़ा हिस्सा बाजार में लगा रहता है और लंबे समय में निवेशक को बेहतर नेट रिटर्न मिल सकता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ निवेशकों को रिटर्न के साथ-साथ एक्सपेंस रेशियो पर भी ध्यान देने की सलाह देते हैं। इस सूची में शामिल सभी फंडों का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है।

स्माल और मिडकैप फंडों का रहा दबदबा

टॉप 10 की सूची में सबसे अधिक फंड स्मॉल कैप और मिड कैप श्रेणी के हैं। इसका कारण यह है कि पिछले एक दशक में इन श्रेणियों की कई कंपनियों ने तेज विकास दर्ज किया, जिसका लाभ इन फंडों को मिला। हालांकि स्मॉल और मिडकैप फंडों में जोखिम भी अधिक होता है। बाजार में गिरावट आने पर इनमें उतार-चढ़ाव बड़े कैप फंडों की तुलना में ज्यादा देखा जाता है। इसलिए इनमें निवेश करने वालों को लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से घबराना नहीं चाहिए।

निवेश से पहले रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले केवल पिछले रिटर्न पर भरोसा नहीं करना चाहिए। निवेशकों को फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर का अनुभव, जोखिम स्तर, एक्सपेंस रेशियो और अपने वित्तीय लक्ष्य का आकलन करना चाहिए। इसके अलावा, निवेश को विभिन्न श्रेणियों में बांटकर जोखिम कम किया जा सकता है। नियमित अंतराल पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करना भी जरूरी है ताकि बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार निवेश रणनीति में आवश्यक बदलाव किए जा सकें।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

वित्तीय सलाहकारों के अनुसार, पिछले 10 वर्षों का शानदार प्रदर्शन भविष्य में भी उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। बाजार की स्थिति, ब्याज दरों, आर्थिक विकास और वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। इसलिए निवेशकों को किसी एक फंड या एक ही श्रेणी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाना चाहिए। लंबी अवधि, अनुशासित निवेश और नियमित एसआईपी जैसी रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मदद कर सकती हैं।

हाल ही में राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए युवा आंदोलन ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर हम व्यापक दृष्टिकोण से देखें तो पुरानी पीढ़ी, जेन-जी और जेन-अल्फा के बीच यह अंतर किसी एक के पूरी तरह सही और दूसरे के गलत होने का नहीं है। यह केवल समय के साथ बहने वाली नदी की तरह है, जिसने समय की मांग के अनुसार हर मोड़ पर अपना स्वरूप बदला है। इन तीनों पीढ़ियों के बीच जो वैचारिक और व्यावहारिक खाई है, उसे किसी अंतहीन बहस, आरोप-प्रत्यारोप या आलोचना से नहीं भरा जा सकता। इसके लिए जरूरत है एक गहरी समझ और सहानुभूति की। जब ये पीढ़ियां एक-दूसरे के अंतर का सम्मान करना सीख जाएंगी, तभी हमारा समाज एक संतुलित, परिपक्व और समग्र विकास की दिशा में सही मायने में आगे बढ़ सकेगा। दूसरी ओर, इस आंदोलन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के अस्तित्व को भी नकारा नहीं जा सकता। चूंकि विचार के नाम पर यह पार्टी रीढ़विहीन है, इसलिए राजनीतिक रूप से हाशिए पर आ चुके दल कॉकरोच जनता पार्टी को न सिर्फ सहारा दे रहे हैं बल्कि अपने लिए भी एक छतरी तलाश कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को नीति-निर्माण में युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है। मंत्रालयों में युवा सलाहकार बोर्ड बदलते वक्त की जरूरत है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

पुरानी पीढ़ी से अलग है जेन-जी और अल्फा

विश्लेषण
डॉ. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

'सीजेपी' के बैनर तले यह अवश्य पहला ऐसा आंदोलन था जिसने युवा-संकल्प शक्ति के सामर्थ्य का परिचय दिया, लेकिन अब नए सवाल एवं नई चुनौतियां इस आंदोलन के प्रणेताओं के भी समक्ष उठने लगी हैं। ऐसी ढेरों अन्य चुनौतियां हैं जिन पर इस युवा संगठन को अन्य ऐसे ही मंचों से अपने अस्तित्व के बारे में सोचना होगा। समय का पहिया जब अपनी धुरी पर घूमता है तो वह केवल कैलेंडर के पन्ने नहीं पलटता बल्कि इंसानी सोच, समाज की संरचना और जीवन जीने के नजरिए को भी पूरी तरह से बदल देता है। आज हम जिस दौर में खड़े हैं, वह एक ऐसा ऐतिहासिक मुकाम है, जहां तीन अलग-अलग पीढ़ियां एक साथ, लेकिन बिल्कुल अलग-अलग दुनिया में जी रही हैं।

यह स्वातंत्र्योत्तर भारत के इतिहास का पहला युवा-आंदोलन नहीं था। अतीत में भी जेन-जी हमारे देश के राजनीतिक पटल पर अनूठी इबारतें दर्ज करती रही है। 'सीजेपी' के बैनर तले यह अवश्य पहला ऐसा आंदोलन था जिसने युवा-संकल्प शक्ति के सामर्थ्य का परिचय दिया, लेकिन अब नए सवाल एवं नई चुनौतियां इस आंदोलन के प्रणेताओं के भी समक्ष उठने लगी हैं। पहली चुनौती इसके नाम की है। क्या 'सीजेपी' इसी नाम के साथ सक्रिय राजनीति में प्रवेश करेगी? दूसरी चुनौती, उन राजनीतिक शक्तियों की है जो आने वाली किसी भी चुनावी कवायद में 'सीजेपी' को भुनाने का प्रयास करेंगी। ऐसी शक्तियों में भी कहीं किसी भी स्तर पर मतैक्य नहीं है। ऐसी ढेरों अन्य चुनौतियां हैं जिन पर इस युवा संगठन को अन्य ऐसे ही मंचों से अपने अस्तित्व के बारे में सोचना होगा। समय का पहिया जब अपनी धुरी पर घूमता है तो वह केवल कैलेंडर के पन्ने नहीं पलटता बल्कि इंसानी सोच, समाज की संरचना और जीवन जीने के नजरिए को भी पूरी तरह से बदल देता है। आज हम जिस दौर में खड़े हैं, वह एक ऐसा ऐतिहासिक मुकाम है, जहां तीन अलग-अलग पीढ़ियां एक साथ, लेकिन बिल्कुल अलग-अलग दुनिया में जी रही हैं। एक तरफ हमारी पुरानी पीढ़ी है जिसने अभावों से शुरुआत करके स्थिरता को अपना लक्ष्य बनाया। दूसरी तरफ जेन-जी है जिसने तकनीक को अपने हाथों में खिलौने की तरह पलता हुआ देखा है। अब, सबसे नई पीढ़ी यानी जेन-अल्फा दस्तक दे चुकी है, जिसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आभासी दुनिया कोई अजूबा नहीं बल्कि उनकी सामान्य दिनचर्या का हिस्सा है। इन पीढ़ियों के बीच का अंतर केवल उम्र का नहीं है बल्कि यह अंतर उस पूरे परिवेश का है जिसने इनके दिमाग, इनकी भावनाओं और इनके जीवन मूल्यों को गढ़ा है। यह समझना बेहद दिलचस्प है कि पुरानी पीढ़ी से यह नई जेन-जी और जेन-अल्फा की पीढ़ी किन मायनों में और कितनी अलग है। तकनीक के साथ रिश्ते को ही लें तो पुरानी पीढ़ी के लिए तकनीक एक सुविधा थी जिसे उन्होंने अपनी आधी उम्र गुजारने के बाद बहुत हिचकिचाहट के साथ सीखा।

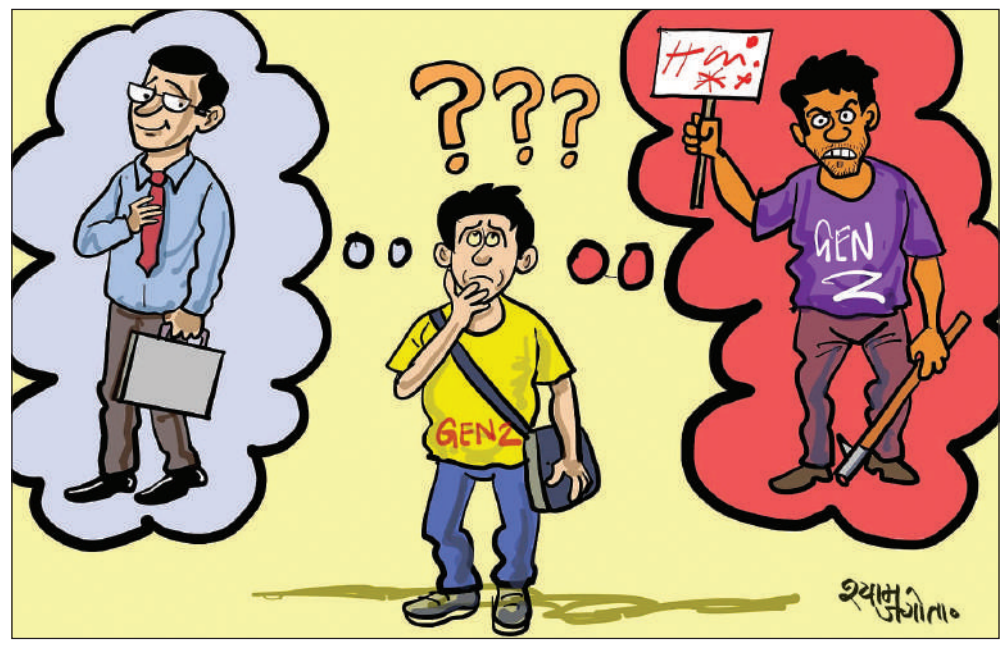

तीनों पीढ़ियां एक-दूसरे का सम्मान करें

अगर हम एक व्यापक दृष्टिकोण से देखें तो पुरानी पीढ़ी, जेन-जी और जेन-अल्फा के बीच यह अंतर किसी एक के पूरी तरह सही और दूसरे के गलत होने का नहीं है। यह केवल समय के साथ बहने वाली नदी की तरह है, जिसने समय की मांग के अनुसार हर मोड़ पर अपना स्वरूप बदला है।

पुरानी पीढ़ी के पास अनुभव, स्थिरता, धैर्य और रिश्तों की वह गहरी गर्माहट है जिसकी आज के इस अत्यधिक तेज और आभासी दौर को सख्त जरूरत है। जेन-जी के पास रूढ़ियों से लड़ने का अदम्य साहस, वैश्विक मुद्दों के प्रति गहरी चिंता और दुनिया को एक समान नजरिए से देखने की प्रगतिशील दृष्टि है। वहीं, जेन-अल्फा भविष्य की वह असीम और अज्ञात संभावना है जो तकनीक की चरम सीमा और मानवता के मूल स्वभाव के बीच एक नया संतुलन स्थापित करने की जिम्मेदारी उठाएगी। इन तीनों पीढ़ियों के बीच जो वैचारिक और व्यावहारिक खाई है, उसे किसी अंतहीन बहस, आरोप-प्रत्यारोप या आलोचना से नहीं भरा जा सकता। इसके लिए जरूरत है एक गहरी समझ और सहानुभूति की। पुरानी पीढ़ी को यह खुले मन से स्वीकार करना होगा कि दुनिया अब उनके बनाए गए पुराने नियमों से नहीं चल सकती और नई पीढ़ियों को भी यह समझना ही होगा कि कोई भी उन्नत तकनीक जीवन के उस जमीनी अनुभव की जगह नहीं ले सकती जो पुरानी पीढ़ी ने दशकों के संघर्ष में कमाया है। जब ये पीढ़ियां एक-दूसरे के अंतर का सम्मान करना सीख जाएंगी, तभी हमारा समाज एक संतुलित, परिपक्व और समग्र विकास की दिशा में सही मायने में आगे बढ़ सकेगा।

तकनीकी बदलाव व आपसी संवाद

पुरानी पीढ़ी ने चिट्ठियों के दौर से लेकर लैंडलाइन और फिर बहुत बाद में स्मार्टफोन का सफर तय किया। इसके ठीक विपरीत, जेन-जी वह पीढ़ी है जिसे डिजिटल नेटिव कहा जाता है। उन्होंने इंटरनेट के साथ ही आंखें खोली हैं। उनके लिए दुनिया की हर जानकारी उनकी उंगलियों पर रही है। जेन-अल्फा इन सबसे भी एक कदम आगे है। यह वह पीढ़ी है जो साल दो हजार दस के बाद पैदा हुई है और जिसे एआई नेटिव कहा जा सकता है। जेन-अल्फा के बच्चे जब बोलना भी नहीं सीखे थे, तब वे स्मार्टफोन और टैबलेट की स्क्रीन को स्वाइप करना जानते थे। उनके लिए एलेक्सा, सिरी और चैटजीपीटी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले टूल किसी इंसान की तरह ही उनके दोस्त और शिक्षक बन चुके हैं। तकनीक ने पुरानी पीढ़ी को दुनिया से जोड़ा था, जेन-जी ने तकनीक के जरिए अपनी एक अलग दुनिया बनाई, लेकिन जेन-अल्फा तकनीक के भीतर ही सांस ले रही है। इस तकनीकी बदलाव ने आपसी संवाद और भाषा के स्वरूप को भी पूरी तरह बदल कर रख दिया है। पुरानी पीढ़ी के लिए संवाद का अर्थ आमने-सामने बैठकर लंबी बातचीत करना था।

इंटरनेट स्लैंग और इमोजी

जेन-जी की भाषा इंटरनेट की गति से चलती है। उनके लिए एक लंबी फोन कॉल भी कई बार असुविधाजनक होती है क्योंकि वे टेक्स्ट मैसेज, वॉयस नोट्स और मीम्स के जरिए अपनी बात कहना ज्यादा पसंद करते हैं। उनकी भाषा में इंटरनेट स्लैंग और इमोजी का गहरा प्रभाव है, जहां एक छोटा सा चित्र पूरी भावना को व्यक्त कर देता है। जेन-अल्फा की संवाद शैली इससे भी अधिक दृश्य और त्वरित होने वाली है। वे ऐसी पीढ़ी हैं जो टेक्स्ट से ज्यादा वीडियो और इंटरैक्टिव माध्यमों पर निर्भर है। उनके लिए स्क्रीन पर चल रहे विजुअल्स ही उनके संवाद की प्राथमिक भाषा बन चुके हैं। इन पीढ़ियों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों में भी जमीन-आसमान का अंतर आ चुका है। पुरानी पीढ़ी के लिए समाज का मतलब उनका पड़ोस, उनका गांव या उनका शहर होता था। वे एक ऐसे ढांचे में पले-बढ़े जहां व्यक्ति से ज्यादा परिवार और समाज का महत्व था। लेकिन जेन-जी ने इस ढांचे को चुनौती दी है। उनके लिए समाज की कोई भौगोलिक सीमा नहीं है। वे दक्षिण कोरिया के पॉप संगीत को सुनते हैं, अमेरिकी मीम्स पर हंसते हैं और यूरोप के जलवायु अभियानों का हिस्सा बनते हैं।

एक-दूसरे से विपरीत रवैया

भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर इन पीढ़ियों का रवैया एक-दूसरे से बिल्कुल विपरीत है। पुरानी पीढ़ी ने कई युद्ध, अकाल और आर्थिक मंदी के दौर देखे हैं जिसने उन्हें भीतर से बेहद कठोर और सहनशील बनाया। दुख या तनाव को चुपचाप सह लेना ही उनके लिए जीवन जीने का एकमात्र तरीका था। इसके विपरीत, जेन-जी शायद इतिहास की पहली ऐसी पीढ़ी है जो अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सबसे ज्यादा मुखर है। वे थेरेपी पर खुलकर बात करते हैं, अपनी कमजोरियों को छिपाने के बजाय दुनिया के साथ साझा करते हैं और अपने लिए भावनात्मक सीमाएं तय करते हैं। हालांकि, हर समय स्क्रीन से चिपके रहने और सोशल मीडिया पर एक परफेक्ट जीवन दिखाने के भारी दबाव ने जेन-जी को एंग्जायटी का शिकार भी बनाया है। जेन-अल्फा की स्थिति इस मामले में और भी जटिल है। यह वह पीढ़ी है जिसने अपने जीवन के शुरुआती और सबसे महत्वपूर्ण साल महामारी के कारण घर की चारदीवारी में बिताए हैं। उनका स्क्रीन टाइम बहुत अधिक है और असली इंसानी रिश्तों से उनका जुड़ाव कम होता जा रहा है जो उनके मनोवैज्ञानिक विकास के लिए भविष्य की बड़ी चुनौती बनने वाला है।

प्रेशर ग्रुप की भांति कार्य करे कॉकरोच जनता पार्टी

उम्मीद
चरण जीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

भारत में संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू होने के बाद देश के लोगों को यह अधिकार मिला कि वे अपना प्रतिनिधि चुन सकें। इस व्यवस्था को साधने के लिए एक तरफ जहाँ कुछ सामाजिक कार्यकर्ता देश सेवा की भावना से राजनीति में आए तो वहीं कुछ सत्ता लोलुप भी इस प्रक्रिया का फायदा उठाने के लिए राजनीति में आए। कुछ पहले से बने हुए दलों में शामिल हुए, जबकि कुछ ने जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा,और विचार के आधार पर राजनीतिक पार्टियां बना लीं। उस वक्त चूंकि देश गुलामी के दलदल से निकला था इसलिए भारतीय मतदाता इतना परिपक्व नहीं था कि राष्ट्र के मुद्दों को सर्वोपरि रखकर अपना मत व्यक्त कर सके। भारतीय मतदाता की इसी कमजोरी का फायदा उठाते हुए भारत में हजारों की संख्या में राजनीतिक दलों का उदय हुआ। इनमें से अधिकतर विचारधारा के अभाव में नष्ट हो गए। कुछ ने क्षेत्रीय पार्टी का रूप ले लिया। कुछ ने राज्यों की सत्ता हथिया ली। कुछ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे। पिछले दो दशकों में जबसे सोशल मीडिया का प्रादुर्भाव हुआ है, तब से ही कई दल बने और नष्ट हुए हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी का उदय

कॉकरोच जनता पार्टी सोशल मीडिया की सीलन भरी उस आभासी दुनिया की उपज है, जहां मात्र कुछ सेकंड की एक रील वायरल होने पर किसी व्यक्ति को रातों-रात स्टार बना सकती है। किसी को रातों-रात बदनाम करके उसकी जिंदगी तबाह कर सकती है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश की एक साधारण टिप्पणी में निहित एक शब्द को लेकर बनाया गया एक सोशल मीडिया अकाउंट इतना वायरल हुआ कि उस पर फ्रॉलोअर्स की बाढ़ आ गई और रातों-रात मिलियन्स लोग एक इंस्टाग्राम अकाउंट से जुड़ गए। इस तरह से एक ऐसे प्लेटफॉर्म का जन्म हो गया, जहां देश के जेन-जी को अपनी बात रखने का मौका मिला। चूंकि विचार के नाम पर यह पार्टी रीढ़विहीन है इसलिए राजनीतिक रूप से हाशिए पर आ चुके दल कॉकरोच जनता पार्टी को न सिर्फ सहारा दे रहे हैं बल्कि अपने लिए भी एक छतरी तलाश कर रहे हैं। जेन-जी के नाम पर देश की युवा पीढ़ी को हथियार बनाकर पहले से स्थापित राजनीतिक दल अपनी रोटियां सेक रहे हैं। फिलहाल सरकार से एक मुद्दे पर अपनी मांगें मनवाने में सफल हो जाने वाली सीजेपी के सामने अब सबसे बड़ा संकट अपने अस्तित्व को बचाना और अपने उद्देश्य को स्थापित करना है

कॉकरोच जनता पार्टी स्वयं को जेन-जी के प्रतिनिधि के रूप में पेश करती है इसलिए उसके मुद्दे भी छात्रों से जुड़े हुए हैं। ऐसे मुद्दों से सरकार पर दबाव तो बनाया जा सकता है, लेकिन एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी पहचान बनाना बहुत मुश्किल है।

सीजेपी की विचारधारा

भारतीय राजनीति में केवल दो ही पार्टियां ऐसी हैं जो एक निश्चित विचारधारा से जुडी हुई हैं। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवाद को अपना प्रमुख एजेंडा मानती है। कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता को अपनी प्रमुख विचारधारा मानती है। बाकी सभी पार्टियां जाति, धर्म, क्षेत्र, या भाषा के नाम पर अपना पोषण करती हैं। कॉकरोच जनता पार्टी स्वयं को जेन-जी के प्रतिनिधि के रूप में पेश करती है इसलिए उसके मुद्दे भी छात्रों से जुड़े हुए हैं। इनमें शिक्षा में सुधार, पेपर लीक, रोजगार के बेहतर विकल्प जैसे मुद्दे शामिल है। ऐसे मुद्दों से सरकार पर दबाव तो बनाया जा सकता है लेकिन एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी पहचान बनाना बहुत मुश्किल है।

क्या है पार्टी का भविष्य एवं विकल्प

कॉकरोच जनता पार्टी का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह आने वाले समय में किन मुद्दों पर राजनीति करती हैं। अगर कॉकरोच जनता पार्टी भी अन्य दलों की भांति चुनावी राजनीति में कदम रखती है तो उसे अपने मुद्दे,उद्देश्य और विचार देश की जनता के सामने स्पष्ट करने होंगे। वर्ना बहुत सारे अन्य दलों की तरह वह भी चुनाव चिन्हों की भीड़ में एक सिम्बल मात्र बनकर रह जाएगी। सीजेपी के पास सबसे बेहतर विकल्प तो यही है कि वह एक प्रेशर ग्रुप की भांति कार्य करे। देश में समस्याओं और मुद्दों की कमी नहीं है। जिस तरह से पेपर लीक के मामले को राष्ट्रीय मुद्दा बनाकर मंत्री का इस्तीफ़ा कराना और एक बेहतर कानून बनाने के लिए सरकार को मजबूर करना ये किसी अन्य राजनीतिक दल के बस का काम नहीं था। देश की युवा शक्ति ने यह कर दिखाया है। एक और बड़ी चुनौती सीजेपी के सामने किसी भी राजनीतिक दल के द्वारा इस्तेमाल होने की है। आज जो पार्टियां अपनी प्रासंगिकता खोती जा रही हैं, वे किसी भी तरह के समझौते के लिए तैयार हो जाती हैं, उनसे बचने की जरूरत है। कॉकरोच की सबसे बड़ी खूबी ये है कि वह सबसे विपरीत परिस्थितियों में सर्वाइव कर सकता है। वहीं, उसका सबसे बड़ा दुर्गुण ये है कि वह खाता कम है खराब अधिक करता है। पहला गुण अच्छा है, लेकिन दूसरे से बचना होगा। मतलब सीधा सा है कि युवा पीढ़ी के वास्तविक मुद्दों को उठाना, उनके लिए संघर्ष करना, सरकारों को बेहतर विकल्प देने के लिए मजबूर करना, देश की युवा पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कार्य करना। इस सोच के साथ जब तक कॉकरोच जनता पार्टी आगे बढ़ती रहेगी उसे जनता और युवाओं का समर्थन मिलता रहेगा, वर्ना एक बार विश्वास उठने के बाद फिर से खड़ा होना बहुत मुश्किल है।

असहमति की भाषा संवाद के रास्ते खुले रखे

मंथन
विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली का जंतर-मंतर लंबे समय से लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहां समय-समय पर विभिन्न वर्गों ने अपनी मांगों, असहमतियों और अपेक्षाओं को सामने रखा है। हाल के एक आंदोलन के दौरान भी जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में युवाओं की उपस्थिति देखने को मिली। इस आंदोलन की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि इसमें शामिल जेन जी ने अपने व्यक्तित्व के अनेक रंग प्रस्तुत किए। एक ओर ऐसे युवा थे जो अपने तर्कों और मांगों को पूरी गंभीरता के साथ रख रहे थे, वहीं दूसरी ओर कुछ युवाओं की भाषा, नारे और प्रस्तुति शैली ने अलग कारणों से ध्यान आकर्षित किया। उनकी भाषा कई लोगों को अटपटी, अनगढ़ या असामान्य लगी।

यह स्थिति केवल किसी एक आंदोलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बदलते सामाजिक और डिजिटल परिवेश का भी संकेत देती है। आज की पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया और रील्स के बीच बड़ा हुआ है। उसकी भाषा में मीम, इंटरनेट स्लैंग, व्यंग्य और लोकप्रिय सांस्कृतिक संदर्भ सहज रूप से शामिल हो गए हैं। इसलिए जब यह पीढ़ी सड़कों पर उतरती है, तो उसकी अभिव्यक्ति भी पारंपरिक आंदोलनों से अलग दिखाई देती है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि जेन जी को केवल उसकी भाषा से नहीं समझा जा सकता। हाल के आंदोलन में अनेक युवा ऐसे भी थे जो तथ्यों के साथ अपने अधिकारों, भविष्य और नीतिगत प्रश्नों पर गंभीर चर्चा कर रहे थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस पीढ़ी के भीतर संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना का भी एक मजबूत पक्ष मौजूद है। इसके विपरीत, कुछ सोशल मीडिया क्लिप्स में ऐसे नारे, टिप्पणियां और संवाद भी सामने आए जिनमें अत्यधिक अनौपचारिक भाषा, कटाक्ष या वायरल होने की प्रवृत्ति दिखाई दी। कई बार ऐसा लगा कि कुछ प्रतिभागी आंदोलन के मूल उद्देश्य से अधिक कैमरे की उपस्थिति के प्रति सजग हैं। यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है। किसी पोस्टर की रचनात्मकता, किसी नारे की चुटीली पंक्ति या किसी छोटे वीडियो का वायरल होना कई बार आंदोलन के मूल मुद्दे से भी अधिक चर्चा का विषय बन जाता है। उदाहरण के लिए 2019 के हांगकांग आंदोलन में युवाओं ने डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन मंचों और रचनात्मक पोस्टरों का व्यापक उपयोग किया।

वहीं, अमेरिका के ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन में जेन जी ने सोशल मीडिया द्वारा जनसमर्थन जुटाने में बड़ी भूमिका निभाई। हर बार यह सवाल भी उठा कि क्या आंदोलन का संदेश अधिक महत्वपूर्ण है या उसकी सोशल मीडिया प्रस्तुति? जेन जी की भाषा को समझने के लिए यह भी ध्यान रखना होगा कि भाषा हमेशा समाज के साथ बदलती है। जिस भाषा को एक पीढ़ी सहज मानती है, दूसरी पीढ़ी उसे असामान्य या असभ्य समझ सकती है। यह पीढ़ियों के बीच का स्वाभाविक अंतर है। लेकिन लोकतांत्रिक आंदोलनों में भाषा का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि वही आंदोलन की नैतिक शक्ति और विश्वसनीयता का आधार बनती है। यदि भाषा अत्यधिक आक्रामक, अपमानजनक या असंगत हो जाए, तो आंदोलन के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट सकते हैं और चर्चा केवल शैली तक सीमित रह जाती है। सोशल मीडिया ने युवाओं को अभिव्यक्ति का अभूतपूर्व मंच दिया है। इसके सकारात्मक परिणाम भी हैं।

आज कोई भी युवा अपनी बात लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है, तथ्यों को साझा कर सकता है और जनसमर्थन जुटा सकता है। इसी माध्यम ने त्वरित लोकप्रियता की चाह भी बढ़ाई है। कई बार कुछ लोग गंभीर विषयों को भी मनोरंजन या वायरल सामग्री में बदल देते हैं। आंदोलन जैसे गंभीर लोकतांत्रिक माध्यम में यह प्रवृत्ति सावधानी की मांग करती है। लोकतंत्र में विरोध और असहमति दोनों आवश्यक हैं, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि असहमति की भाषा ऐसी हो जो संवाद के रास्ते खुले रखे।

प्रभावशाली आंदोलन केवल भीड़ से नहीं, बल्कि विचार, अनुशासन और विश्वसनीय संवाद से मजबूत बनते हैं। हर पीढ़ी अपनी भाषा लेकर आती है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा अंततः वही होती है जिसमें मतभेद के साथ मर्यादा, विरोध के साथ विवेक और उत्साह के साथ उत्तरदायित्व भी शामिल हो।

जंतर-मंतर पर हाल के आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया कि जेन-जी एकरूप नहीं है। इस पीढ़ी में गंभीर चिंतन करने वाले युवा भी हैं, तकनीक का रचनात्मक उपयोग करने वाले भी हैं और ऐसे लोग भी हैं जो अपनी अभिव्यक्ति में अत्यधिक अनौपचारिक या सनसनीखेज शैली अपनाते हैं।

सह-भागीदारी का मार्ग अपनाए सरकार

व्यवस्था
डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

डिजिटल युग में पले-बढ़े युवाओं की पीढ़ी 'जेन-जी' आज केवल सोशल मीडिया की प्रवृत्ति तय नहीं कर रही बल्कि वैश्विक स्तर पर सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विमर्श को भी आकार दे रही है। भारत से लेकर नेपाल, बांग्लादेश और कई अन्य देशों तक, जेन-जी के नेतृत्व में हो रहे जन-आंदोलन और उनकी मांगों ने सत्ता संरचनाओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सवाल यह उठता है कि आखिर यह पीढ़ी सरकार और उसकी व्यवस्था से असहज या नाराज क्यों है? और ऐसा क्या किया जाना चाहिए जिससे युवा स्वयं को शासन प्रक्रिया का हिस्सा महसूस कर सकें?

जेन-जी की नाराजगी का प्रमुख कारण 'शिक्षित बेरोजगारी' और गिग इकोनॉमी की असुरक्षा है। पारंपरिक नौकरियों के अवसर सीमित हो रहे हैं और जो नए रोजगार जैसे गिग इकोनॉमी या डिलीवरी, राइड-शेयरिंग जॉब्स पैदा हो रहे हैं; उनमें सामाजिक सुरक्षा, पेंशन या दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है। कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं नीट, यूपीएसी, एसएससी, सीयूईटी की तैयारी में जीवन के कई वर्ष बिताने के बावजूद पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और अदालती मुकदमों के कारण भर्तियों में देरी युवाओं के धैर्य को तोड़ रही है। पारंपरिक राजनीति और संवादहीनता भी इस नाराजगी का बड़ा कारण है। जब सरकारें युवाओं के मुद्दों पर सीधे संवाद करने के बजाय सोशल मीडिया ट्रोलिंग और प्रतिबंधों का सहारा लेती हैं तो युवाओं को लगता है कि उनकी आवाज को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य, प्रतिस्पर्धा और भविष्य की अनिश्चितता भी एक बड़ी वजह है। कोचिंग संस्कृति के बढ़ते दबाव, आर्थिक असमानता और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों को लेकर इस पीढ़ी में चिंता और अनिश्चितता का माहौल है। नीतियां बनाते समय युवाओं के भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी वास्तविक चिंताओं की अनदेखी हो रही है। प्रशासनिक पारदर्शिता का अभाव भी जेन-जी की नाराजगी बढ़ाता है। यह पीढ़ी 'इंस्टेंट फीडबैक' और 'रीयल-टाइम ट्रांसपेरेंसी' के दौर में बढ़ी हुई है। जब उन्हें सरकारी दफ्तरों में लालफीताशाही, भ्रष्टाचार और अपारदर्शी निर्णय प्रक्रिया दिखती है तो उनका तंत्र से भरोसा उठने लगता है। आज के युवा का भरोसा जीतने के लिए सरकारों को नीति व कामकाज में आवश्यक बदलाव लाना होगा और सह-भागीदारी का मार्ग अपनाना होगा। यदि सरकारें युवाओं को केवल 'वोट बैंक' या नीतिगत निर्णयों का 'लाभार्थी' मानने के बजाय 'सह-निर्माता' के रूप में देखना चाहती है तो उसे ढांचागत बदलाव करने होंगे। परीक्षा और रोजगार प्रणाली में आमूलचूल सुधार लाना होगा। एक पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती ढांचे की सख्त जरूरत है। भर्ती प्रक्रियाओं के लिए एक राष्ट्रीय कैलेंडर और भ्रष्टाचार-मुक्त डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली अनिवार्य की जानी चाहिए। पेपर लीक जैसे अपराधों पर कठोर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई दिखती नजर आनी चाहिए। भविष्य-उन्मुख कौशल और नौकरियों के लिए युवाओं को सक्षम बनाने की जरूरत है। केवल सरकारी नौकरियों के भरोसे रहने की बजाय एआई, डेटा साइंस, ग्रीन एनर्जी और क्रिएटर इकोनॉमी जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं को तैयार किया जाए और गिग-वर्कर्स के लिए न्यूनतम वेतन व सामाजिक सुरक्षा कानून बनाए जाएं। जेन-जी की विचारशैली को डिकोड करने के लिए 'डिजिटल लोकतंत्र' और प्रत्यक्ष संवाद की जरूरत है। युवा संसद और ओपन डेटा पोर्टल इस दिशा में कारगर उपाय हैं। सरकार को नीति निर्माण से पहले युवाओं से सीधे सुझाव लेने के लिए आधुनिक प्लेटफॉर्म युवा-समीक्षा पोर्टल एवं एप्स बनाए जाएं। युवाओं के साथ सीधा और सच्चा संवाद जरूरी है। सरकार के नीति-निर्माताओं, और नौकरशाहों को विश्वविद्यालयों और स्टार्ट-अप हब्स में जाकर युवाओं के सवालों का जवाब देना चाहिए। नीति-निर्माण में युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है। मंत्रालयों में युवा सलाहकार बोर्ड बदलते वक्त की जरूरत हैं। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल और छात्र आत्महत्याओं जैसी त्रासदियों से निपटने के लिए काउंसलिंग के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाना आवश्यक है और कोचिंग संस्थानों के अनियंत्रित व्यावसायीकरण पर नकेल कसना जरूरी है।

जेन-जी की नाराजगी का प्रमुख कारण 'शिक्षित बेरोजगारी' और गिग इकोनॉमी की असुरक्षा है। पारंपरिक नौकरियों के अवसर सीमित हो रहे हैं और जो नए रोजगार जैसे गिग इकोनॉमी या डिलीवरी, राइड-शेयरिंग जॉब्स पैदा हो रहे हैं; उनमें सामाजिक सुरक्षा, पेंशन या दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है।

गृहमंत्री शाह ने डोभाल को लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड से किया सम्मानित

देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को मिला सम्मान, सभी अतिथियों ने भी उनकी अहम भूमिका को सराहा

एजेंसी ▶▶ पुणे

महाराष्ट्र के पुणे में शनिवार को आयोजित समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अजीत को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में उनकी अहम भूमिका की प्रशंसा की। समारोह में सीएम देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे, सुनेत्रा पवार, ट्रस्टी रोहित तिलक भी थे।

उल्लेखनीय योगदान दिया

पुणे में तिलक के राष्ट्रसेवा के विचारों को एक बार फिर स्मरण कराया

सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले एनएसए बने

एनएसए डोभाल का सम्मान करते गृहमंत्री शाह और फडणवीस

81 वर्षीय डोभाल भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले एनएसए हैं और अभी इस पद पर बने हुए हैं। अपने लंबे करियर में उन्होंने मिजोरम, सिक्किम, पंजाब और जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील इलाकों में काम किया है। इस्लामाबाद और लंदन में भारतीय मिशनों में भी उनकी अहम भूमिका रही। डोभाल भारत-चीन सीमा वार्ता के लिए भारत के 2017 में डोकलाम गतिरोध को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने में उनकी भूमिका को विशेष रूप से सराहा गया था।

1983 में हुई पुरस्कार की शुरुआत

लोकमान्य तिलक पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1983 में पुणे द्वारा की गई थी। यह पुरस्कार हर साल 1 अगस्त को स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर उन्हें दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्र की प्रगति, विकास और सामाजिक उत्थान में उल्लेखनीय योगदान दिया हो। सबसे पहले यह पुरस्कार समाजवादी नेता एसएम जोशी को प्रदान किया गया था।

एनएसए डोभाल का युवाओं को संदेश

सिर्फ अपने मन की करना ही आजादी नहीं, निजी हितों को त्यागना भी जरूरी

डोभाल ने युवाओं को संदेश दिया है कि सिर्फ अपने मन की करना ही आजादी का उद्देश्य नहीं है। हमें अपने व्यक्तिगत हितों की बजाय देश के हितों को प्राथमिकता देनी चाहिए। आज युवा यह सोच सकते हैं कि वह जो चाहें वैसा करने की आजादी है, लेकिन ऐसा नहीं है। निजी हित त्यागने होंगे।

राष्ट्र निर्माण पहली प्राथमिकता होनी चाहिए

डोभाल ने कहा कि भारत अपने इतिहास के अम पड़ाव से गुजर रहा है। हमारे देश के इतिहास में यह अहम मौका आया है, इसे हमें फिसलने नहीं देना चाहिए। हमारी प्राथमिकता फिलहाल यही है कि राष्ट्र निर्माण किया जाए।

तिलक से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए

उन्होंने कहा कि सौभाग्य है कि हमारे पास पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह जैसे नेता हैं। तिलक से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

खबर संक्षेप

पेपर लीक संशोधन कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 को अपनी मंजूरी दे दी है। संसद के दोनों सदनों से पास होने के बाद राष्ट्रपति की मुहर लगते ही अब यह देश में लागू हो गया है। इस नए कानून के तहत पेपर लीक के मामलों में तीन महीने के अंदर कोर्ट का फैसला आ जाएगा।

ईवी चार्जिंग स्टेशन में आग, बस,बाइकें जली

नई दिल्ली। शास्त्री पार्क इलाके में शनिवार को इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन में आग से अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने पूरे चार्जिंग स्टेशन को चपेट में ले लिया, जिससे वहां खड़ी एक इलेक्ट्रिक बस, 11 बाइकें, दो हाई-कैपेसिटी चार्जिंग यूनिट, दो पावर डिस्ट्रीब्यूशन बोर्ड और एक सब-स्टेशन जलकर खाक हो गए।

पीड़ितों से मिलने पहुंचीं सायोनी, गद्दार के नारे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में 12 साल की बच्ची के साथ गैंगरेप और हत्या का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। इस मामले में पीड़ित परिवार से टीएमसी की बागी सांसद सायोनी घोष भी पहुंचीं। घोष जब बारुईपुर पहुंचीं, तब भीड़ में शामिल लोग गद्दार और बेईमान के नारे लगाते नजर आए।

चढ़ावा में हेराफेरी नौटियाल को जेल

गोपेश्वर। कस्टडी रिमांड पूरी होने के बाद एसआईटी ने बदरीनाथ धाम में चढ़ावा चोरी मामले के मुख्य आरोपित वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल को जेल भेज दिया। ठिकानों पर ले जाकर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। पूछताछ व तलाशी में आरोपित से ठोस सबूत हाथ लगे हैं।

प्रधानमंत्री ने भोगपुरम में अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का किया उद्घाटन

'इन्वेस्टमेंट से रोजगार' को बताया केंद्र सरकार का मूल मंत्र इससे मैन्युफैक्चरिंग बढ़ेगी, लोगों की जिंदगी बेहतर बनेगी

एजेंसी ▶▶ भोगपुरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आंध्रप्रदेश के भोगपुरम में अल्लूरी सिताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जीवंत धिमसा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति की गई। विजयनगरम जिले के भोगपुरम स्थित अल्लूरी सिताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के अंतर्गत 5,640 करोड़ से अधिक की लागत से विकसित इस ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे को प्रति वर्ष 60 लाख यात्रियों को संभालने के लिए तैयार किया गया है। यात्री टर्मिनल भवन को भी आधुनिक, सुगम और कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हवाई अड्डे में उन्नत बुनियादी ढांचा, अत्याधुनिक तकनीकें और दीर्घकालिक विशेषताएं शामिल हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार का मंत्र है- इन्वेस्टमेंट से रोजगार। इसलिए सरकार ने इन्वेस्टमेंट बढ़ाया और प्राइवेट सेक्टर को भी इन्वेस्टमेंट के लिए प्रेरित कर रहे हैं। जब इन्वेस्टमेंट बढ़ता है तो मैन्युफैक्चरिंग बढ़ती है। मैन्युफैक्चरिंग बढ़ती है तो एक्सपोर्ट बढ़ता है और फिर रोजगार के नए अवसर बनते हैं। लोगों की आमदनी बढ़ती है, परिवारों की जिंदगी बेहतर होती है।

आधुनिक, सुगम यात्रा के अनुभव के साथ किया गया डिजाइन

धीमसा नृत्य ने सभी का मन मोहा

पीएम मोदी ने विशाल जनसभा को किया संबोधित

हवाई अड्डे का अवलोकन करते पीएम मोदी। साथ में हैं नायडू और पवन कल्याण

रोड कनेक्टिविटी से जुड़ी योजनाओं को भी किया समर्पित

प्रधानमंत्री ने के भोगपुरम में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उनका उद्घाटन किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां करीब 18 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। हवाई अड्डे के साथ ये परियोजनाएं रोड कनेक्टिविटी से जुड़े हैं।

चंद्रबाबू ने 2 क्षितिजों को छू लिया बहनों और बेटियों का अभिनंदन

पीएम मोदी ने कहा कि आयोजन नया इतिहास और नए रिकॉर्ड रचने का भी है। एक ओर विकास के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, साथ ही धीमसा नृत्य का सांस्कृतिक रिकॉर्ड भी रचा गया है। चंद्रबाबू ने दो क्षितिजों को छुआ है। एक तरफ एयरपोर्ट का निर्माण और दूसरी तरफ आदिवासी बहनों के द्वारा धीमसा नृत्य का विश्व रिकॉर्ड बनाना। इसे सराहना करता हूं। 13 हजार से ज्यादा आदिवासी बहनों और बेटियों की प्रस्तुति, उनका उत्साह, उनका अनुशासन और आदिवासी संस्कृति का गौरव, यह दृश्य अद्भुत था।

ये अल्लूरी सीताराम राजू की धरती बनी

पीएम ने कहा कि ये अल्लूरी सीताराम राजू की धरती है। उन्होंने जिस धरती पर आदिवासी हितों के लिए अपना जीवन समर्पित किया, आज उसी धरती पर आंध्र प्रदेश के नए एयरपोर्ट की शुरुआत हो रही है। यह हवाई अड्डा आंध्र और उत्तर आंध्र की ग्रोथ का रनवे है। ये यहां के युवाओं के बेहतर भविष्य का लॉन्च पैड है। मैं देश के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

हमने परंपरा को तोड़ा और महान नायकों का नाम 'जोड़ा'

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले जब एयरपोर्ट बनते थे, तो उनके नाम एक ही परिवार के नाम पर चढ़ जाते थे। हमने इस परंपरा को बदला है। अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम वाल्मिकी के नाम से जोड़ा, पंजाब में संत रविदास के नाम से एयरपोर्ट का नाम जोड़ा। एनडीए सरकार ने निर्णय किया है कि इस नए एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर होगा।

2014 तक 74 तो आज 166 एयरपोर्ट बने

पीएम ने कहा कि बीते 12 वर्षों में देश के एविएशन सेक्टर की असाधारण प्रगति हुई है। 2014 तक देश में केवल 74 एयरपोर्ट ऑपरेशनल थे, आज यह संख्या 166 हो गई है। एक समय था जब हवाई उड़ाने सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित थी। एनडीए सरकार में आज छोटे शहर के साधारण लोग भी फ्लाइट से यात्रा कर रहे हैं। इन 12 वर्षों में सिर्फ एयरपोर्ट्स की संख्या में ही बढ़ोत्तरी नहीं हुई है, बल्कि हमारी उड़ान योजना के कारण आज गरीब परिवार के लोगों को भी जहाज में बैठने का अवसर मिल रहा है। कुछ दिन पहले ही सरकार की ओर से उड़ान योजना के दूसरे चरण की शुरुआत की गई है।

एविएशन सेक्टर में देश ने माइलस्टोन हासिल किया

उन्होंने आगे कहा कि एविएशन सेक्टर में देश ने एक और बड़ा माइलस्टोन हासिल किया है। कुछ ही दिन पहले काशी में स्पोक एयरपोर्ट का शुभारंभ किया गया। आज वही मॉडल पंजाब के अमृतसर तक पहुंच गया है। अमृतसर से 25 से ज्यादा इंटरनेशनल डेस्टिनेशन जुड़ जाएंगे।

'जंगल का नायक' ने पूरा जीवन जनजातीय लोगों के कल्याण के लिए समर्पित किया

7मई 1924 को दक्षिण भारत के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की अंग्रेजों ने बेरहमी से हत्या कर दी। राजू ने अपना पूरा जीवन जनजातीय लोगों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। लोग उन्हें 'जंगल का नायक' कहते हैं। हर साल आंध्र प्रदेश सरकार उनकी जन्म तिथि चार जुलाई को राज्य उत्सव के रूप में मनाती है। राजू एक संन्यासी और स्वतंत्रता सेनानी थे। उनका जन्म चार जुलाई 1897 में आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में हुआ था। उनके पिता का नाम वेंकटराम राजू था। उनका बचपन अंग्रेजों का अत्याचार सहते हुए बीता। बड़े होने पर उन्होंने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने 1922 से लेकर 1924 तक चले राम्पा विद्रोह का नेतृत्व किया।

18 साल की उम्र में बने संन्यासी

राजू 18 साल की उम्र में संन्यासी बन गए। उन्हें जंगली जानवरों को वश में करने की क्षमता हासिल थी। इसके अलावा, उन्हें ज्योतिष और चिकित्सा का भी ज्ञान था। यही वजह है कि पहाड़ी और आदिवासी लोगों के बीच वे काफी लोकप्रिय हुए।

संसद भवन परिसर में चढ़ावा चोरी के विरोध में स्वांग रचने की शिकायत दी

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने की प्रतिनिधिमंडल के साथ शिकायत कर एफआईआर कायम करने की मांग

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विपक्षी सांसदों द्वारा संसद भवन परिसर में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के विरोध में स्वांग रचने की शिकायत पुलिस में दी गई है। सांसद बांसुरी स्वराज के नेतृत्व में भाजपा नेताओं का प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली के डीसीपी से शिकायत कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में विधायक अनिल शर्मा व करनैल सिंह और अधिवक्ता संकेत गुप्ता भी शामिल थे। स्वराज ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करने का सबको अधिकार है। लेकिन किसी की आस्था के साथ खिलवाड़ की अनुमति नहीं है। विपक्ष ने सनातन संस्कृति का मजाक बनाया है जिसको बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

विरोध प्रदर्शन के नाम पर हिंदुओं की आस्था और सनातन संस्कृति का उपहास उड़ाया गया, संत समाज का परिहास किया गया। पप्पू यादव. अवधेश प्रसाद के साथ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूरी घटना की संरचना की थी।

पर्याप्त आधार भी उपलब्ध

उन्होंने कहा कि शिकायत सुनी-सुनाई बात पर नहीं बल्कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आडियो-वीडियो साक्ष्यों पर आधारित है, इसलिएप्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू करने के पर्याप्त आधार मौजूद हैं। घटना से जुड़े सभी सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकार्डिंग, मीडिया कवरेज और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को तत्काल सुरक्षित करने की मांग की है। शर्मा ने जोर देकर कहा कि ऐसी नौटंकी की कोई आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने जान-बूझकर यह कृत्य किया। सिंह ने भी इस मामले पर बयान दिया। उन्होंने मांग की कि विपक्षी सांसदों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। करनैल सिंह ने कहा कि उन्होंने सनातन धर्म को बदनाम करने का प्रयास किया है।

राष्ट्रीय गीत को ही रखा गया इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस समारोह की थीम

8 से 15 अगस्त तक हर राज्य में होगा आयोजन

जश्न-ए-आजादी पर लालकिले से पहली बार किया जाएगा वंदे मातरम का पूर्ण गायन

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

इस बार 15 अगस्त को लालकिले पर आयोजित की जाने वाली देश की आजादी की 80वीं वर्षगांठ का जश्न हर मायने में पहले से काफी जुदा नजर आएगा। कारण, मुख्य समारोह की रखी गई थीम, 'राष्ट्रीय गीत' यानी 'वंदे मातरम' है। जिसे वर्ष 1947 में अंग्रेजों से भारत को मिली स्वतंत्रता के बाद पहली बार लालकिले पर संपूर्ण 6 छंदों (स्टेंजा) के साथ गाया जाएगा। यह प्रत्येक देशवासी के लिए किसी ऐतिहासिक क्षण से कम नहीं होगा। पूर्व में कानूनी रूप से इसके केवल शुरुआती 2 छंदों को ही गाने की सरकारी अनुमति थी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि संसद ने हाल ही में वंदे मातरम विधेयक को अपनी मंजूरी प्रदान की है। जिसके बाद देश के इतिहास में यह पहला ऐसा सुनहरा मौका होगा। जब स्वतंत्रता दिवस जैसे बड़े और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व के दौरान इसका पहली बार लालकिले से पूर्ण रूप से गायन किया जाएगा। जो प्रत्येक देशवासी को न केवल गौरवान्वित करेगा। बल्कि उनमें राष्ट्रप्रेम की भावना को भी बढ़ाएगा। बताते चलें कि भारत वर्तमान समय में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है।

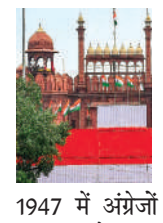

एनसीसी कैडेट गाएंगे वंदे मातरम

सूत्रों ने बताया कि लालकिले पर वंदे मातरम का पूर्ण गायन करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से देश की युवा ब्रिगेड के हाथ में होगी। जिसमें राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के युवा कैडेट, राष्ट्रीय सेवा योजना और मॉय भारत के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

अतिथियों की संख्या 6,500

लालकिले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का प्रत्यक्ष रूप से गवाह बनने वाले अतिथियों की कुल आंकड़ा 6 हजार 500 के करीब होगा। जिसमें केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी जैसे आशा, आंगनबाड़ी, लखपती-ड्रोन दीदी, किसान, सरपंच और असंगठित क्षेत्र के गरीब मजदूर शामिल हो सकते हैं।

बरेली से होते हुए राजस्थान तक जा पहुंचे इस गोरखधंधे के तार

सेना ने किया नकली सैन्य वर्दी बनाने वाले एक बड़े 'नेटवर्क' का पर्दाफाश

श्रीगंगानगर की कई दुकानों से जब्त किया 1 हजार मीटर कॉम्बैट कपड़ा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना और राजस्थान पुलिस के हाथ एक बड़ी कामयाबी लगी है। 30 जुलाई को प्रदेश की पाकिस्तान से लगे श्रीगंगानगर जिले की कई दुकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। जिसमें न्यू डिजिटल पैटर्न कॉम्बैट यूनिफार्म का नकली कपड़ा बेचने के गोरखधंधे का भंडाफोड़ कर 1 हजार मीटर से ज्यादा अनधिकृत सैन्य पैटर्न कपड़ा जब्त किया गया है। संयुक्त अभियान में सेना की खुफिया इकाइयों और राज्य की पुलिस ने अहम भूमिका निभाई है।

बरेली की जांच से मिली लीड

सेना ने कहा कि श्रीगंगानगर में की गई उसकी इस कार्रवाई का आधार जून में बरेली में की गई इसी तरह के नकली कॉम्बैट कपड़े की बरामदगी रही। जांच में कपड़े के निर्माण का स्रोत राजस्थान के श्रीगंगानगर से जुड़ा पाया गया। यह एक अहम सुराग बना, जिसकी बिनाह पर खुफिया अधिकारियों ने गोपनीय जांच शुरू किया। फिर आपूर्ति श्रृंखला की एक अहम कड़ी के रूप में एक स्थानीय फर्म की जानकारी हाथ लगी। इसी फर्म पर आरोप है कि यह गंगानगर के अलावा लालगढ़ जाटान, सूरतगढ़ सहित आसपास के बाजारों की दुकानों को भी नकली कॉम्बैट कपड़ा उपलब्ध करा रही थी।

ई-20 पेट्रोल के खिलाफ आम आदमी पार्टी का टाउनहॉल

पेट्रोल चुनने में लोगों को विकल्प दें, कीमतें घटाएं

केजरीवाल बोले- पीएम आवास तक निकालेंगे मार्च

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से शनिवार को नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में ई-20 पेट्रोल के खिलाफ नेशनल टाउन हॉल कार्यक्रम किया गया।इसमें आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, मशहूर कॉमेडियन श्याम रंगीला, पॉपुलर यू-ट्यूबर मनीष कश्यप के अलावा कार-बाइक की मरम्मत करने वाले मैकेनिक भी शामिल हुए। केजरीवाल ने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर लोगों को एथनॉल मिला हुआ ई-20 और नियमित पेट्रोल में से चुनने का विकल्प दें। उन्होंने ई-20 पेट्रोल की कीमतों को कम करने और पेट्रोल की दरों में कटौती करने की भी मांग की।

हस्ताक्षर अभियान के तहत ज्ञापन भी देंगे

केजरीवाल ने कहा कि वे मंगलवार को हस्ताक्षर अभियान के तहत ज्ञापन एकत्र करेंगे और लगभग 100 लोगों के साथ लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास की ओर मार्च निकालेंगे। केजरीवाल ने केंद्र सरकार से उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करने को कहा जिसके हवाले से यह दावा किया जा रहा है कि ई 20 पेट्रोल से वाहनों को नुकसान नहीं होता है। मैं चाहता हूं कि वे उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करें।

तहसीन ने ई-20 ईंधन के खिलाफ खोला मोर्चा

भूख हड़ताल से पहले हाउस अरेस्ट का दावा

सामाजिक कार्यकर्ता तहसीन पूनावाला ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें ग्रेटर कैलाश में हाउस अरेस्ट किया। यह कार्रवाई ई-20 ईंधन नीति के खिलाफ उनके अकेले प्रदर्शन और भूख हड़ताल से पहले हुई। उन्होंने दावा किया कि पुलिस उनके घर पहुंची। निकलने से रोका।

ई-20 ईंधन नीति पर पूनावाला की मांग

पूनावाला ई-20 ईंधन नीति के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और हाईवे मंत्री नितिन गडकरी की आलोचना की है। उनकी मांग है कि उपभोक्ताओं को ई-20 ईंधन के बजाए ई-5 और ई-10 ईंधन मिश्रण के साथ पारंपरिक पेट्रोल खरीदने का विकल्प मिले।

खबर संक्षेप

पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल शर्मा का निधन

शिमला। भारतीय सेना के 14वें पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल विश्वनाथ शर्मा का शुक्रवार को 96 वर्ष की आयु में दिल्ली में निधन हो गया। कांगड़ा जिले की पालमपुर तहसील के डाढ़ गांव से संबंध रखने वाले जनरल शर्मा ने मेजर के रूप में 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में लाहौर सेक्टर में मोर्चा संभाला। उनका जन्म वर्ष 1930 में हुआ था। उन्हें वर्ष 1950 में भारतीय सेना की 16वीं लाइट कैवेलरी में कमीशन मिला। उन्होंने 1 मई 1988 से 30 जून 1990 तक भारतीय सेना के 14वें थल सेनाध्यक्ष के रूप में सेवाएं दीं।

एएन प्रमोद डिप्टी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ बने

नई दिल्ली। वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने शनिवार को भारतीय नौसेना के डिप्टी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ के तौर पर पदभार संभाल लिया है। उन्होंने वाइस एडमिरल तरुण सोबती की जगह जिम्मेदारी संभाली है, जो 31 जुलाई को 38 वर्षों से अधिक की सेवा के बाद रिटायर हुए। एएन प्रमोद ने ऑपरेशन सिंदूर, गलवान झड़प के बाद नौसेना के ऑपरेशन स्ने लेपर्ड और 1999 के ऑपरेशन विजय में अहम जिम्मेदारी निभाई थी। वाइस एडमिरल एएन प्रमोद भारतीय नौसेना अकादमी, गोवा के 38वें इंटीग्रेटेड कैडेट कोर्स के पूर्व छात्र हैं।

एयर मार्शल तेजपाल सिंह ने ग्रहण किया पदभार

नई दिल्ली। एयर मार्शल तेजपाल सिंह ने 1 अगस्त को नए उप-वायुसेनाप्रमुख के रूप में अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। जिसमें सबसे पहले उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर देश की सीमाओं की सुरक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्हें यह जिम्मेदारी 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हुए एयर मार्शल ए.के. भारती की जगह पर सौंपी गई है। एयर मार्शल भारती ने ही ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वायुसेना के तमाम हवाई अभियानों के संचालन का महत्वपूर्ण दायित्व संभाला था।

स्पेन-मोरक्को सीमा संकट

67 प्रवासियों की मौत, हजारों लोग लौटे, कई समुद्र में डूबे

एजेंसी ▶▶ मैड्रिड

स्पेन और मोरक्को के बीच चल रहे स्यूटा सीमा संकट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है। स्पेनिश सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। मारे गए लोगों में से कुछ की मौत समुद्र में डूबने से हुई, जबकि कुछ समुद्री दीवार यानी ब्रेकवाटर बैरियर पार करते समय मची भगदड़ का शिकार हो गए। गुरुवार और शुक्रवार के बीच लगभग 60,000 प्रवासियों ने स्पेन के इस छोटे से क्षेत्र की सीमा में घुसपैठ की। इस भारी घुसपैठ के बाद, स्पेन ने घोषणा की है कि वह समुद्र में ब्रेकवाटर बाड़ के साथ-साथ 500 मीटर लंबा एक नया कंटेनमेंट बैरियर स्थापित कर रहा है।

इस भारी घुसपैठ के बाद, स्पेन ने घोषणा की है कि वह समुद्र में ब्रेकवाटर बाड़ के साथ-साथ 500 मीटर लंबा एक नया कंटेनमेंट बैरियर स्थापित कर रहा है

स्यूटा के सैनिक प्रवासियों को खदेड़ते हुए

▶▶ मोरक्को पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी

मोरक्को की पुलिस ने सीमा पर जुटी भीड़ को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठियों का इस्तेमाल किया। भीड़ को काबू करने के लिए वाटर कैनन की गाड़ियां भी तैनात की गईं। झड़पों के दौरान एक बस और सात कारों को आग के हवाले कर दिया गया।

प्रवासियों पर सेना की कार्रवाई

शनिवार की सुबह जो कुछ थके-हारे प्रवासी तैरकर स्यूटा के शहरी ताराजल समुद्र तट पर पहुंचे, उनका सामना वहां तैनात सैनिकों से हुआ। सैनिकों ने उन्हें तुरंत वापस सीमा पार खदेड़ दिया।

अच्छे भविष्य के लिए यूरोप जाना चाहते लोग

अफ्रीका और एशिया के कई देशों में गरीबी, बेरोजगारी, युद्ध और भुखमरी जैसी समस्याएं हैं। लोग अपने और अपने परिवार के अच्छे भविष्य के लिए यूरोप जाना चाहते हैं। मोरक्को के रास्ते स्यूटा पहुंचना प्रवासियों के लिए सबसे आसान और छोटा रास्ता लगता है। जैसे ही कोई प्रवासी स्यूटा की सीमा में दाखिल होता है, उस पर स्पेन और यूरोपीय संघ के कानून लागू हो जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय नियमों के मुताबिक, स्पेन सरकार उन्हें बिना सुनवाई के सीधे वापस नहीं भेज सकती।

मोरक्को के रास्ते स्यूटा पहुंचना सबसे आसान रास्ता

यूरोप में घुसपैठ के 7 प्रमुख रूट

यूरोपियन बॉर्डर एंड कोस्ट गार्ड एजेंसी फ्रोंटेक्स के अनुसार, यूरोप में घुसपैठ के 7 प्रमुख रास्ते हैं। सेंट्रल मेडिटेरेनियन रूट, ईस्टर्न मेडिटेरेनियन रूट, वेस्टर्न अफ्रीकन (अटलांटिक) रूट, वेस्टर्न बाल्कन रूट, वेस्टर्न मेडिटेरेनियन रूट, ईस्टर्न बॉर्डर्स रूट और इंग्लिश चैनल रूट हैं।

स्यूटा से ही यूरोप में घुसने की सबसे ज्यादा कोशिश

स्यूटा में अफ्रीका और यूरोप की सीधी जमीनी सीमा मिलती है। यह भौगोलिक तौर पर अफ्रीका में है, लेकिन यह स्पेन और यूरोपीय संघ का हिस्सा है। किसी भी इंसान के स्यूटा में घुसते ही वह यूरोप की सीमा में पहुंच जाता है। इसलिए बेहतर जिंदगी की तलाश में लोग सबसे ज्यादा इस रास्ते को चुनते हैं। स्यूटा और मोरक्को के बीच लगभग 8 किमी लंबी ऊंची बाड़ लगी है।

स्यूटा और मेलिला को लेकर स्पेन-मोरक्को में विवाद

मोरक्को पिछले 80 साल से स्यूटा और मेलिला पर अपना दावा करता रहा है, जबकि स्पेन इन दोनों शहरों को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है और इस मुद्दे पर किसी तरह की बातचीत से इनकार करता है। मोरक्को को 1956 में स्पेन से आजादी मिली थी। हालांकि, स्पेन ने स्यूटा और मेलिला को आजाद नहीं किया। मोरक्को का कहना है कि स्यूटा और मेलिला भी उसे वापस मिलने चाहिए।

पहलगाम जैसा कुलगाम आतंकी हमला, धर्म पूछकर मारी थी गोली

दूसरे श्रमिक ने भी तोड़ा दम, पेट में लगी थी गोली, एलजी ने कड़ी सुरक्षा के दिए निर्देश

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

कुलगाम जिले में शुक्रवार शाम हुए आतंकी हमले में गंभीर रूप से घायल गैर-स्थानीय श्रमिक ने शनिवार तड़के श्रीनगर के अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इसके साथ ही इस हमले में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक, कुलगाम जिले के दक्षिण कश्मीर स्थित केलम इलाके में शुक्रवार देर शाम ईंट भट्ठे पर हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के रहने वाले दीपक रात्रे और भूपेंद्र, दोनों की उम्र करीब 20 वर्ष, को निशाना बनाया गया था। हमले में दीपक रात्रे ने अस्पताल ले जाने से पहले ही दम तोड़ दिया, जबकि भूपेंद्र को पहले जीएमसी अनंतनाग ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर के एसकेआईएमएस सौरा रेफर किया गया जहां इलाज के दौरान शनिवार तड़के उनकी मौत हो गई। दीपक के सीने में गोली लगी थी।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को आतंकियों के खिलाफ सटीक और प्रभावी आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने के निर्देश दिए

छग सीएम साय ने 20-20 लाख की सहायता का किया ऐलान

श्रीनगर का एसकेआईएमएस अस्पताल जहां गंभीर हालात में भूपेंद्र को लाया गया था

निर्दोषों की हत्या अमानवीय

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए मृतकों के परिजनों के लिए सीएम राहत कोष (सीएमआरएफ) से 10-10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। यह सहायता जिला प्रशासन की ओर से दी जा रही 6-6 लाख रुपए की तत्काल राहत के अतिरिक्त होगी। सीएम ने कहा कि निर्दोष लोगों की हत्या अत्यंत निंदनीय और अमानवीय है। उन्होंने कहा कि सरकार इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

सरकार पीड़ित परिवार के साथ: साय

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने दोनों मृतकों के परिजनों को 20-20 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। सीएम ने कहा कि इस तरह आतंकियों द्वारा हत्या बेहद दुखद और अमानवीय घटना है। राज्य सरकार इस कठिन समय में दोनों परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

मानवता शर्मसार हुई: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि आतंकियों ने दोनों मजदूरों की पहचान करने के बाद उन्हें निशाना बनाया। मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुआ कायराना आतंकी हमला अत्यंत निंदनीय और मानवता को शर्मसार करने वाला है। दो निर्दोष मजदूरों की पहचान पूछकर उनकी निर्मम हत्या करना आतंक की क्रूर मानसिकता का घिनौना उदाहरण है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है।

कड़ी सजा मिले: राहुल

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए दुस्साहसी आतंकी हमले में देश के दो श्रमिकों की हत्या अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिवारों को अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। आतंकियों के ऊपर इस कायराना हमले के लिए सख्त कार्रवाई हो और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले। आतंकवाद के खिलाफ देश हमेशा एकजुट है।

आतंकी लतीफ पर शक

सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। ईंट-भट्ठों और उन इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है जहां बड़ी संख्या में बाहरी मजदूर रहते थे। पुलिस ने बाहरी मजदूरों को अंधेरा होने के बाद अपने घरों में ही रहने की सलाह दी है। पुलिस का कहना है कि अगर कोई भी गतिविधि संदिग्ध लगती है तो फौरन पुलिस को सूचित करें। शक है कि कुलगाम आतंकी हमले को स्थानीय लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी लतीफ ने अंजाम दिया है।

एलजी सिन्हा ने की बैठक

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को बाहरी राज्यों से आए मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में काम कर रहे बाहरी मजदूरों की सुरक्षा के लिए एसओपी की व्यापक समीक्षा की जाए।

आतंकी विरोधी अभियान में लाएं तेजी

उपराज्यपाल ने सुरक्षा एजेंसियों को आतंकियों के खिलाफ सटीक और प्रभावी आतंकवाद विरोधी अभियान तेज करने के निर्देश देते हुए कहा कि आतंकियों का जल्द से जल्द सफाया किया जाना चाहिए। उन्होंने कुलगाम हमले में मारे गए मजदूरों के अंतिम संस्कार को सम्मानजनक ढंग से संपन्न कराने और शोक संतप्त परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में जारी अमरनाथ यात्रा मार्ग की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए।

पीओके हिंसा की आग लाहौर पहुंची

प्रदर्शनकारियों पर पाक पुलिस का एक्शन, कई लोग हिरासत में

एजेंसी ▶▶ लाहौर

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अशांति लगातार बढ़ रही है। पिछले चार दिनों में पाकिस्तानी सेना की कब्जे वाले क्षेत्र में की गई क्रूर कार्रवाई में 4 दिनों में 50 से अधिक लोग मारे गए हैं। वहीं, सैकड़ों घायल हुए हैं। पीओके में हिंसा की आग लाहौर तक पहुंची। लाहौर प्रेस क्लब के बाहर पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कई लोगों को हिरासत में लिया है। ये लोग पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हुई हिंसा के खिलाफ एकजुटता जताने के लिए इकट्ठा हुए थे।

प्रदर्शनकारियों के हाथों में प्लेकार्ड और पीओके के झंडे थे और वे नारे लगा रहे थे। जैसे ही रैली शुरू हुई, पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कार्रवाई की और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों ने हिरासत में लिए गए लोगों को अपनी गाड़ियों में बिठाया और प्रदर्शन को खत्म करा दिया।

एचआरएफ ने हमले की निंदा की

इस बीच, अमेरिका स्थित मानवाधिकार संस्था ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन (एचआरएफ) ने शनिवार को पीओके में निहत्थे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी सेना द्वारा कथित तौर पर बल प्रयोग की कड़ी निंदा की। संगठन ने पाकिस्तानी अधिकारियों से हिंसक कार्रवाई समाप्त करने, मोबाइल संचार बहाल करने और बल के सभी गैरकानूनी उपयोग के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने का आह्वान किया। एचआरएफ ने कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने पीओके में प्रदर्शनों के दौरान हजारों शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं। विरोध प्रदर्शन के आयोजकों ने दावा किया कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने सबूतों को छिपाने की कोशिश की है। पाकिस्तान ने अस्पतालों से शवों को हटा दिया और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

यूएन के अधिकारियों के साथ बैठक

इसके अलावा, यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) के अध्यक्ष सरदार शौकत अली कश्मीरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कई बैठकें कीं, ताकि संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों को पीओके में पाकिस्तानी सेना द्वारा की गई क्रूरताओं के बारे में जानकारी दी जा सके। इन बैठकों के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पीओके में बिगड़ती मानवाधिकार स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। इसने संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय समुदाय, सरकारों, मानवाधिकार संगठनों और लोकतांत्रिक संस्थानों से क्षेत्र में और अधिक जानमाल के नुकसान को रोकने और मौलिक मानवाधिकारों की रक्षा के लिए त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने का आग्रह किया।

जहाज की कुल विस्थापन क्षमता 400 टन है

गोताखोरी सहायक जहाज डीएससी ए-24 का बंगाल में हुआ जलावतरण

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

गोताखोरी सहायक जहाज (डीएससी) ए-24 का शनिवार को पश्चिम-बंगाल में जलावतरण समारोह आयोजित किया गया। यह डीएससी परियोजना के तहत तैयार किया गया पांचवां जहाज है। जिसका निर्माण कोलकाता स्थित मेसर्स टीआरएसएल द्वारा किया जा रहा है। पोत का कुल वजन यानी विस्थापन क्षमता करीब 400 टन है।

यह द्वि-पतवार डिजाइन पर आधारित है। जिसकी मदद से जहाज को समुद्र में तैनाती के वक्त अच्छी स्थिरता, ज्यादा डेक क्षेत्र और जटिल समुद्री परिस्थितियों में बेहतर संचालन क्षमता हासिल होती है।

70% स्वदेशी उपकरण घरेलू निर्माताओं से लिए

इस श्रेणी के जहाजों के नौसेना के बेड़े में शामिल होने से गोताखोरी सहायता, पानी के अंदर जांच, बचाव कार्य में सहायता और तटीय इलाकों में तैनाती को मजबूती मलेगी। जहाज के लिए लगभग 70% स्वदेशी उपकरण घरेलू निर्माताओं से लिए गए हैं। जिससे यह सरकार के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान को बढ़ावा देने में मददगार साबित होगा। जलावतरण समारोह में नौसेना के कार्मिक प्रमुख वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह की पत्नी श्रीमती कमल सिंह की उपस्थिति में हुआ।

कनाडा की भारतीय कामगारों को चेतावनी

वर्क परमिट की शर्तों पर काम करो, नहीं तो देश से निकालेंगे

एजेंसी ▶▶ ओटावा

कनाडा में इमिग्रेशन से जुड़े नियम लगातार सख्त किए जा रहे हैं। इसका असर सीधे तौर पर यहां काम कर रहे भारतीय कामगारों पर भी पड़ रहा है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) की तरफ से कहा गया है कि अगर कोई देश में बिना ऑथराइजेशन के जॉब करता है, तो इसके गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं। उसे देश से बाहर निकाला जा सकता है और कनाडा में एंट्री से 5 साल के लिए बैन किया जा सकता है। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि आईआरसीसी के पास उनका एक फ्रॉड रिकॉर्ड भी बन सकता है। बिना इजाजत के काम करने से भविष्य में वीजा और परमानेंट रेजिडेंसी (पीआर) के आवेदनों पर भी असर डालता है और साथ ही, इससे काम करने वालों के शोषण का खतरा भी बढ़ जाता है।

पीएम मोदी ने ब्रिटेन के नवनियुक्त पीएम बर्नहैम को दी बधाई

भारत-ब्रिटेन रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने पर हुए सहमत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के नवनिर्वाचित पीएम एंडी बर्नहैम ने टेलीफोन पर बातचीत कर भारत-ब्रिटेन

व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों नेताओं ने प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। पीएम नरेंद्र मोदी ने एंडी बर्नहैम को ब्रिटेन का पीएम बनने पर बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

व्यापार और निवेश के नए अवसरों पर जोर

पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया है। हाल ही में लागू हुए भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते से व्यापार और निवेश के नए अवसर पैदा होंगे, जिनका उपयोग दोनों देश साझा समृद्धि और नागरिकों के कल्याण के लिए करेंगे। एंडी बर्नहैम ने भारत-ब्रिटेन संबंधों को रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि विजन-2035 के माध्यम से दोनों देशों के बीच सहयोग को नई गति दी जाएगी। उन्होंने दोनों देशों के बीच मजबूत जनसंपर्क और सांस्कृतिक संबंधों की भी सराहना की।

पर्चे पर लिखा मिला बम बनाने का तरीका!

अयोध्या के कॉलेज में मचा हड़कंप हिरासत में लिए 3 छात्र, जांच शुरू

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

यूपी के अयोध्या जिले में स्थित राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में शनिवार सुबह कॉलेज के एक्स-रे विभाग की एक दराज से बम बनाने की कथित विधि से जुड़ा एक संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुआ। मामला सामने आते ही कॉलेज प्रशासन ने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस तुरंत जांच में जुट गई हैं। शुरुआती जांच और पूछताछ में यह बात सामने आई है कि शुक्रवार की पूरी रात एक्स-रे रूम में फर्स्ट ईयर के एक छात्र की ड्यूटी थी। इस छात्र का नाम सरफराज बताया जा रहा है। वह यूपी के ही बलरामपुर जिले का रहने वाला है। पुलिस को आशंका है कि रात की ड्यूटी के दौरान यह लेआउट इसी छात्र ने तैयार किया था या वह इसमें शामिल हो सकता है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मुख्य संदिग्ध छात्र सरफराज को हिरासत में ले लिया है। उससे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है।

शौर्य चक्र विजेताओं सहित पदोन्नति में पिछड़े कैडर अफसर पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

सीएपीएफ अधिनियम को दी मिलकर चुनौती, अगले सप्ताह होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने नियमित कैडर समीक्षा और आईपीएस प्रतिनियुक्ति कम करने के आदेश दिए थे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के लगभग तीन हजार कैडर अफसरों ने सीएपीएफ (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) अधिनियम, 2026 को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी है। इन कैडर अफसरों में शौर्य चक्र विजेताओं के अलावा महिला अधिकारी भी शामिल हैं। सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी के कैडर अधिकारियों द्वारा याचिका लगाने की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सर्वोच्च अदालत में इन सभी याचिकाओं पर अगस्त के पहले सप्ताह में सुनवाई होने की संभावना है।

■ कई बलों में 10 सालों से कैडर रिव्यू नहीं हुआ

सभी केंद्रीय बलों से लग रहीं याचिकाएं

संसद में कुछ समय पहले पारित हुए सीएपीएफ (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) अधिनियम, 2026 को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने वाले प्रमुख याचिकाकर्ताओं में बिभोर कुमार सिंह (शौर्य चक्र विजेता) एवं अन्य बनाम भारत सरकार के अलावा 21 महिला अधिकारी भी याचिकाकर्ता हैं। फिलहाल सीआरपीएफ के लगभग 1400 याचिकाकर्ता, बीएसएफ के 500 से अधिक, आईटीबीपी के 432, सीआईएसएफ के 34 और एसएसबी के 110 कैडर अफसरों की तरफ से याचिकाएं लगाई जा चुकी हैं।

सुको के निर्णय को सरकार ने पलटा

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मई 2025 में सीएपीएफ के ग्रुप 'ए' कार्यपालक संवर्ग को संगठित ग्रुप 'ए' सेवा (ओजीएएस) घोषित करते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिए थे। उनमें आईजी लेवल तक आईपीएस प्रतिनियुक्ति में चरणबद्ध तरीके से कमी लाना, नियमित कैडर समीक्षा हो, नए सेवा नियमों का निर्माण तथा दीर्घकालीन पदोन्नति ठहराव को दूर करना शामिल था। केंद्र सरकार ने इस फैसले के खिलाफ संसद में 'सीएपीएफ (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) अधिनियम, 2026' पारित करा दिया। अफसरों, मौजूदा अधिकारियों को सुको में उक्त विधेयक को चुनौती देने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं बचा है।

कैडर अफसरों को 15 साल में पहली पदोन्नति नहीं

बीएसएफ के पूर्व एडीजी एसके सूद ने कहा, सीआरपीएफ और बीएसएफ के अलावा दूसरे केंद्रीय बलों में पदोन्नति को लेकर हालात खराब होते जा रहे हैं। यूपीएससी की परीक्षा पास कर सेवा में आए ग्राउंड कमांडर यानी सहायक कमांडेंट को 15 साल में पहली पदोन्नति नहीं मिल पा रही। इस रफ्तार से तो वे कमांडेंट के पद से ही रिटायर हो जाएंगे। दो तीन सौ अफसरों में से एक आध ही एडीजी तक पहुंच सकेगा। बीएसएफ और सीआरपीएफ की बात करें तो 2016 से इन बलों में कैडर रिव्यू ही नहीं हुआ है। डीओपीटी का नियम है कि हर पांच वर्ष में कैडर रिव्यू हो। कैडर अफसरों के पास कार्य करने की क्षमता और लंबा अनुभव है, लेकिन पॉलिसी लेवल पर निर्णय लेने में इनका इस्तेमाल बहुत कम है, जबकि बॉर्डर या इंटरनल सिक्योरिटी में इनका बड़ा योगदान है।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों ने ली नशा मुक्ति की शपथ

भोपाल। प्रदेश सरकार व मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतिम दिवस पर गुरुवार को थाना गोविंदपुरा क्षेत्र अंतर्गत एमकेएन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोविंदपुरा में जागरूकता एवं नशा मुक्ति शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर यातायात पुलिस की ओर जहां छात्रों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी। इस दौरान गोविंदपुरा थाना उप निरीक्षक संजय कुमार शुक्ला ने विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, स्टाफ तथा छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों, सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन पर उसके गंभीर प्रभाव तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर उप निरीक्षक प्रेम सिंह ठाकुर, प्रधान आरक्षक लक्ष्मी नारायण, आरक्षक शुभम, दीपक, जितेंद्र मौर्य, रोहित मिश्रा, सूचना आरक्षक सुनील कुमार डांगे तथा महिला आरक्षक कविता महोबे आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि प्रतिनिधि संदीप का मनाया जन्मदिन

औबेदुल्लागंज। हरिभूमि प्रतिनिधि संदीप श्रीवास्तव का जन्मदिन मनाया गया। उनको जन्मदिन की बधाई दी गई। प्रेस क्लब अध्यक्ष भारत निहाल, सुरेश केवट, अंकित जैन, रामकिशोर चौहान, अमित श्रीवास्तव, कपिल राय, आयुष कटारे, रुपेश जैन, आदित्य भावसार, दीपक राजपूत, सुनील मालवीय, अंशुल जैन, दीपक यादव, विक्की लोधी, शुभम, अजय आदि ने बधाई दी।

खुले में मांस बेचने वालों के खिलाफ 85 प्रकरण

भोपाल। नगर निगम के स्वास्थ्य अमले ने शनिवार को खुले में मांस विक्रय करने वाले व्यवसायियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए जोन-17 में पांच दुकानदारों पर स्पॉट फाइन किया। निरीक्षण के दौरान बिना ढंके मांस बेचने और दुकानों पर साफ-सफाई नहीं मिलने पर पांच प्रकरणों में 5 हजार रुपए की राशि वसूली गई। अमले ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में 85 मामले बनाए और 15,700 रुपए जुर्माने के रूप में वसूल किए।

निगम ने हटाए मेट्रो निर्माण में बाधक कब्जे

भोपाल। नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अमले ने शनिवार को करोद स्थित भोपाल मेमोरियल हास्पिटल के सामने मेट्रो प्रोजेक्ट में बाधक 4 मकानों के सामने लगे अवैध जीने हटाने की कार्रवाई की। इसी तरह विश्वकर्मा नगर व कोलार सर्वधर्म बी सेक्टर में नाली पर अवैध रूप से बने चबूतरे, सेफिया कालेज बड़ा बाग छुट्टन बी मस्जिद के पास नाली पर अवैध रूप से बना 1 चादर शेड को हटवाया।

शुभांक

कल्याणः	8350		
दिनः	256	32	129
रातः	---	--	---
तारा:			
दिनः	126	97	368
रातः	---	--	---

दस साल की बच्ची से ऑटो चालक ने की अश्लील हरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र में दस साल की बच्ची से ऑटो चालक द्वारा अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। बच्ची ने घटना की जानकारी अपने मकान मालिक की मां को दी। इसके बाद परिजन तक बात पहुंची और परिजन उसे लेकर थाने गए।

थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 10 साल की बच्ची इलाके में रहती है और कक्षा तीसरी में पढ़ती है। एक महीने से उसे ऑटो चालक शिवराज मेहरा स्कूल छोड़ने और लाने ले जाता है। ऑटो में अन्य बच्चे भी स्कूल जाते हैं।

बैड टच से डरी मासूम

बच्ची ने बताया कि तीन दिन से शिवराज उसे अपने पास वाली सीट पर बैठाकर स्कूल लेकर जा रहा था और दोपहर दो बजे स्कूल से छूटने के बाद सामने वाली सीट पर बैठा लेता था। इस दौरान उसे बैड टच करता था। डरी सहमी बच्ची ने शिवराज की हरकत की जानकारी अपने मकान मालिक की मां को दी। उन्होंने बच्ची की मां को बताया। बच्ची की मां थाने पहुंची और ऑटो चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

13 साल की किशोरी से मनचले ने घर में घुसकर की छेड़छाड़

शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र में 13 साल की किशोरी से घर में घुसकर छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने पड़ोस में दुकान चलाने वाले युवक पर छेड़छाड़ और घर में घुसने की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 13 साल की किशोरी कक्षा पांचवीं में पढ़ती है। उसके घर के पास पंकज नामक युवक दुकान का संचालन करता है। किशोरी का दुकान पर आने9जाने के कारण उसकी दुकानदार पंकज से पहचान है। किशोरी का कहना है कि शुक्रवार को वह घर पर अकेली थी। मां और बहन काम पर गई हुई थी। इसी दौरान दोपहर के समय पंकज उसके घर में घुस आया और बुरी नियत से उसका हाथ पकड़कर छेड़छाड़ करने लगा। उसने शोर मचाया तो आरोपी घर से भाग निकला। पीड़िता ने घटना की जानकारी शाम को अपनी मां को दी। मां ने थाने में इस घटना की शिकायत दर्ज कराई है।

परवलिया में इंस्टाग्राम फ्रेंड ने स्कूल पहुंचकर छात्र से की छेड़छाड़

परवलिया पुलिस ने बताया कि 16 साल की किशोरी थाना क्षेत्र में रहती है और ग्यारहवीं कक्षा में पढ़ती है। करीब छह महीने पहले उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम पर राज उर्फ अक्कू मेहर निवासी बंगरसिया, मिसरोद से हुई थी। राज उसे मिलने का दबाव बना रहा था। वह उससे मिलना नहीं चाहती थी। आरोपी 29 जुलाई को जबरन मिलने के लिए उसके स्कूल परवलिया सड़क पहुंच गया। वहां से छात्रा को लेकर पास ही एक कॉलोनी में पहुंचा और बुरी नियत से उसका हाथ पकड़कर छेड़छाड़ करने लगा। स्थानीय लोगों की नजर पड़ी और उन्होंने छात्रा से पूछताछ की। इस दौरान पता चला कि राज उसे स्कूल से लेकर आया है और उसके साथ छेड़छाड़ कर रहा है। लोगों ने परिजन को घटना की जानकारी दी। परिजन छात्रा को लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

न ओटीपी शेयर किया, न ही लिंक आई, मोबाइल भी हैक नहीं हुआ फिर भी हो गई ठगी

व्यापारी से 2.29 लाख की साइबर ठगी अकाउंट से अचानक कटने लगे रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोतवाली थाना क्षेत्र में कॉस्मेटिक्स के थोक व्यापारी से साइबर ठगी का मामला सामने आया है। व्यापारी ने न किसी से ओटीपी शेयर किया, न ही कोई लिंक ओपन की और न ही उनका मोबाइल हैक हुआ फिर छह दिन पहले अचानक उनके मोबाइल पर अलग-अलग बैंक खातों से पैसे कटने के मैसेज पहुंच गए। उन्होंने बैलेंस चेक किए तो दो लाख 29 हजार रुपए दूसरे खातों में ट्रांसफर हो चुके थे।

व्यापारी ने घटना की शिकायत साइबर सेल में की गई थी। बाद में कोतवाली पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर

दी। पुलिस के अनुसार कोतवाली रोड निवासी मंगल सिंह (53) कॉस्मेटिक्स के थोक व्यापारी हैं। विगत 26 जुलाई की रात अचानक उनके मोबाइल पर पैसे कटने के चार-पांच मैसेज आए। उन्होंने चेक किया तो पता चला कि उनके अलग-अलग बैंक खातों से दो लाख दो हजार 99 रुपए कट गए हैं। उन्होंने फौरन संबंधित बैंक के कस्टम केयर पर सूचना दी। बैंक से उक्त रकम किसी अन्य खातों में ट्रांसफर होने की पुष्टि हुई। फरियादी मंगल सिंह ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पास न किसी का कोई मैसेज आया और न ही किसी व्यक्ति ने कॉल किया था। काई लिंक अथवा एपीके फाइल भी नहीं भेजी गई। उनका मोबाइल भी बराबर चलता रहा, जिससे मोबाइल हैंग होने अथवा हैक होने की गुंजाइश भी नहीं हुई। पुलिस का कहना है कि प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। व्यापारी के मोबाइल की सीडीआर निकलवाई जा रही है। साथ ही उन बैंक खातों की जांच भी शुरू कर दी गई है। जिनमें रकम ट्रांसफर हुई है।

बिल अपडेट करने के नाम पर फैक्ट्री कर्मचारी से 62 हजार रुपए की ठगी

बागसेवनिया पुलिस ने बताया कि छोटी पुलिया नई बस्ती पिपलिया पेंदे खां निवासी बद्री प्रसाद रजक (30) की पत्नी ट्विंकल मालवीय के मोबाइल पर 29 जुलाई को वाट्सएप नंबर के माध्यम से मैसेज आया। उसमें लिखा था कि आपने बिजली बिल का भुगतान नहीं किया है। महिला ने अपने पति को यह बात बताई। पति बद्री प्रसाद ने कहा कि बिजली का बिल तो जमा कर दिया है। ट्विंकल मालवीय ने मोबाइल पर बात कर बिल जमा होने की जानकारी दी। इस पर आरोपी जालसाज ने कहा कि आपका बिजली का बिल अपडेट नहीं हुआ है। उसने एक एपीके फाइल भेजी और कहा कि इस पर क्रेडिट कार्ड अथवा डेबिट कार्ड के माध्यम से 12 रुपए का भुगतान कर दो। बिल अपडेट हो जाएगा। बद्री प्रसाद की पत्नी ने एपीके फाइल खोलकर खुद के डेबिट कार्ड की सारी जानकारी भर दी और 12 रुपए का भुगतान करने की कोशिश की। लेकिन भुगतान नहीं हुआ। तब बद्री प्रसाद रजक अपने मोबाइल पर एपीके फाइल खोलकर उसमें क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड की डिटेल भरकर 12 रुपए का भुगतान करने का प्रयास किया लेकिन भुगतान नहीं हुआ। तब बद्री प्रसाद ने मैसेज में दिए नंबर पर कॉल किया। उनकी भाषा सुनकर बद्री प्रसाद को समझ में आया कि यह तो फ्रॉड कॉल है। उन्होंने फौरन कॉल कट की और अपने मोबाइल से सारे ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के एप्लीकेशन में ट्रांजेक्शन की परमीशन बंद कर दी। वह दौलत राम कम्पनी मण्डीदीप में मोबाइल जमा करके काम करने चला गया। शाम को मोबाइल वापस लिया तो उसके मोबाइल पर बहुत सारे ओटीपी दिखे। फरियादी ने घर आकर अपना मोबाइल रीसेट किया और देर रात एसबीआई के कस्टमर केयर के टोल फ्री नंबर पर कॉल किया। वहां से पता चला कि आपके क्रेडिट कार्ड नंबर से 29 जुलाई को 62 हजार 474 रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है।

मंदिर में चोरी करने वाले चोर को दबोचा, अन्य चोरियों का खुलासा

शाहपुरा पुलिस ने सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर लक्ष्मण नगर में चोरी करने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार कर चोरी का मशरूका बरामद किया है। आरोपी ने हबीबगंज, एमपी नगर व श्यामला हिल्स क्षेत्र में भी चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकारा है।

पुलिस के अनुसार अमित मिश्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर लक्ष्मण नगर भोपाल के मंदिर में 29 जुलाई को किसी अज्ञात चोर ने चांदी के गिलास, चांदी के चम्मच और अन्य पूजा सामग्री चोरी कर ली है। लिहाजा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल और आसपास के मकानों व रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। फुटेज में मिले आरोपी के हुलिए के आधार पर मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। शुक्रवार 31 जुलाई को सूचना मिली कि बाइकसवार एक संदिग्ध शैतान सिंह चौराहे पर खड़ा है। उसका हुलिया उक्त मंदिर में चोरी करने वाले आरोपी के हुलिए से मिलता-जुलता है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी प्रमोद राजपूत (42) निवासी कस्तूरबा नगर चेतक ब्रिज के पास गोविंदपुरा, ने मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम देना कुबूल कर लिया। आरोपी ने हबीबगंज, एमपी नगर व श्यामला हिल्स थाना क्षेत्रों में भी चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी का मशरूका बरामद किया है।

आयकर कॉलोनी गुलमोहर में महिला ने लगा ली फांसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित आयकर कॉलोनी गुलमोहर में जरनल स्टोर्स संचालक की पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्हें खिड़की की ग्रिल पर दुपट्टे के सहारे फांसी के फंदे पर लटके देख अस्पताल ले जाया गया था। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि करीब तीन चार महीने से उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया था। परिजन उनका इलाज करा रहे थे।

पुलिस के अनुसार सपना चंदवानी पति राकेश चंदवानी (46) आयकर कॉलोनी गुलमोहर में रहती थीं। वह गृहणी थी, जबकि पति का 12 नंबर मार्केट में जनरल स्टोर्स है। राकेश के परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे हैं। छोटा बेटा कॉलेज में पढ़ता है, जबकि बड़ा बेटा जॉब करता है।

शाहपुरा थाने के पास नहर में मिली बुजुर्ग की लाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शाहपुरा थाने के पास शनिवार सुबह एक बुजुर्ग की लाश नहर में मिलने से सनसनी फैल गई। बुजुर्ग के पास मिले आधार कार्ड और मोबाइल नंबर की पर्ची से परिजन से संपर्क किया। बुजुर्ग शराब पीने के आदी थे। अनुमान है कि वह शराब के नशे में पुलिया से नीचे नहर में गिर गए और उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह सूचना मिली थी कि थाने के करीब से निकली नहर की पुलिया के नीचे किसी बुजुर्ग का शव पड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतक की तलाशी लेने पर उसके पास से दो आधार कार्ड और मोबाइल नंबर की पर्ची मिली थी। पर्ची में मिले नंबर पर कॉल किया गया। कॉल उनके बेटे ने रिसीव किया और बताया कि मृतक उसके पिता हैं। बेटे ने मौके पर पहुंचकर उनकी पहचान श्यामलाल हिरवे (63) निवासी वाजपेयी नगर मल्टी, ईदगाह हिल्स शाहजहांनाबाद के रूप में कर ली।

विधायक शर्मा ने आयोजन की रूपरेखा पर की चर्चा

इस बार तिरंगा यात्रा और अधिक ऐतिहासिक होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस वर्ष भी हर घर तिरंगा अभियान के तारतम्य में अखंड भारत स्मृति दिवस के अवसर पर कर्मश्री संस्था के अध्यक्ष विधायक रामेश्वर शर्मा के नेतृत्व में आगामी 14 अगस्त को आयोजित होने वाली भारतवर्ष की विराट तिरंगा यात्रा की तैयारियां तेज हो गई हैं।

इसी क्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा ने शनिवार को संत हिरदाराम नगर मंडल एवं गांधीनगर मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित कर यात्रा की रूपरेखा, जनसहभागिता और व्यापक जनसंपर्क अभियान को लेकर चर्चा की। हुजूर विधायक शर्मा ने कार्यकर्ताओं से तिरंगा यात्रा को जन-जन का राष्ट्रोत्सव बनाने का आह्वान किया तथा यात्रा की तैयारियों को लेकर निर्देश दिए। बैठक में तिरंगा यात्रा को अधिकाधिक भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए तैयारियों, सामाजिक सहभागिता पर विशेष जोर दिया गया।

सीएम डॉ. मोहन यादव आज करेंगे सांदीपनी स्कूल भवन का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बैरसिया

बैरसिया को शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार दोपहर 2 बजे बैरसिया पहुंचकर नवनिर्मित सांदीपनी ठाकुर लाल सिंह स्कूल भवन का लोकार्पण करेंगे। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह भवन प्रदेश के मॉडल संदीपनी स्कूल के रूप में विकसित किया गया है, जिससे क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बेहतर वातावरण मिलेगा।

स्कूल भवन को आधुनिक शैक्षणिक जरूरतों के अनुरूप तैयार किया गया है। इसमें बेहतर अधोसंरचना, उन्नत तकनीकी संसाधन और विद्यार्थियों के लिए अनुकूल शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराया गया है। इसका उद्देश्य ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों के बच्चों को शहरों जैसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। शिक्षा विभाग के अनुसार यह विद्यालय भविष्य में प्रदेश के अन्य संदीपनी स्कूलों के लिए भी मॉडल साबित होगा।

विधायक ने लिया जायजा

मुख्यमंत्री के लोकार्पण कार्यक्रम में बैरसिया विधायक विष्णु खत्री, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रहेगी। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन और भाजपा संगठन ने सुरक्षा, यातायात एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया है।विधायक विष्णु खत्री ने क्षेत्र के नागरिकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनने की अपील की है। मुख्यमंत्री के आगमन और स्कूल भवन के लोकार्पण को लेकर पूरे बैरसिया क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

भगवान झूलेलाल अखंड ज्योति की स्थापना

राखी पहनने से होता है कष्टों का निराकरणः साईं मनीषलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

भगवान झूलेलाल के 26वें वंशज परम ठाकुर साईं मनीष लाल साहिब के सानिध्य में अखंड ज्योति साहिब जी की स्थापना शाम 7 बजे न्यू बी 10 स्थित झूलेलाल चालीहा साहब मंदिर में उनके हाथों द्वारा की गई। उसके बाद भजन कीर्तन, पल्लव अरदास हुई।

झूलेलाल चालीहा साहब मंदिर समिति के सभी पदाधिकारी चंद्रभान रीझवानी, शेरू रीझवानी, मोहन मनवानी, किरण वाधवानी, हितेश वाधवानी व कन्हैया मुलानी आदि ने साईं का आशीर्वाद लिया। अपने मुख से लाल साईं की जल ज्योति ओर बहराने और 40 व्रत रखने की विस्तृत जानकारी और महिमा बताई। साईं ने सभी श्रद्धालुओं को अपने हाथों से आशीर्वाद स्वरूप जल

प्रसाद और राखी दी और राखी की महिमा भी बताई कि इस राखी को पहनने से कष्टों का निवारण होता है। प्रोग्राम में देर रात तक भजनों का संचालन हुआ। श्रद्धालु मस्त होकर देर रात तक नाचे ओर झूमे। प्रोग्राम में प्राची कशिश गौरव रिजवानी, मधु लालवानी, हीरो वतनानी, हितेश मुलानी आदि उपस्थित थे। अंत में भंडारे का आयोजन किया गया।

तामोट पंचायत में अव्यवस्थाओं पर उठे सवाल, सफाई व्यवस्था बेहाल

तामोट में सड़क उखड़ी, नालियों का पानी रोड पर बह रहा

भाजपा नेता ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप जनपद सदस्य ने सीईओ से मौके पर निरीक्षण की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तामोट

तामोट ग्राम पंचायत में विकास कार्यों और साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों एवं जनप्रतिनिधियों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। गांव में कई स्थानों पर सड़कें उखड़ी हुई हैं और नालियों का सीवेज का पानी सड़कों पर बह रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में साफ-सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ी है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा नेता बाबूलाल चौहान ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा पंचायत में स्वच्छता के लिए लाखों रुपए भेजे गए, लेकिन स्वच्छता मद का बजट भी कथित रूप से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया।

उन्होंने कहा कि पंचायत कार्यालय में जनप्रतिनिधि अक्सर अनुपस्थित रहते हैं, जबकि सचिव का मुख्यालय गौहरगंज होने के कारण पंचायत का संचालन प्रभावित हो रहा है। उनके अनुसार कुछ लोग पंचायत की कार्यप्रणाली पर नियंत्रण रखकर ठेकेदारी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गांव में सड़क के ऊपर सड़क और नाली के ऊपर नाली बना दी गई है, जिनमें अब दरारें भी पड़ने लगी हैं।जनपद सदस्य सुलेखा चौहान ने फोन पर बताया कि जनपद पंचायत के सीईओ को तामोट पहुंचकर स्वयं निरीक्षण करना चाहिए, ताकि पंचायत की वास्तविक स्थिति सामने आ सके। वहीं तामोट निवासी संजीव चौहान ने कहा कि वर्तमान में पंचायत में जो कुछ हो रहा है, वह गांव के हित में नहीं है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।प 'चायत सचिव विनोद ने फोन पर बताया कि उनके पास गौहरगंज और तामोट दोनों पंचायतों का प्रभार है। उन्होंने कहा कि तामोट पंचायत की मौजूदा स्थिति से वे स्वयं भी परेशान हैं।

वार्ड-2 में डीपी खुली होने से हो सकता है बड़ा हादसा

कांग्रेस सेवादल महासचिव पंकज शर्मा ने उठाया जनहित का मुद्दा

औबेदुल्लागंज। औबेदुल्लागंज वार्ड नंबर 2 महावीर कॉलोनी मां ज्वाला मैदान में डीपी खुली पड़ी हुई है। बरसात का मौसम चल रहा है। डीपी के आसपास बड़े-बड़े पेड़ पौधे तथा झाड़ियां और घास है। घास के कारण मवेशी घास चरने के लिए जाते है। छोटे-छोटे बच्चे मैदान में खेलते भी है। कांग्रेस सेवादल महासचिव पंकज शर्मा ने कहा कि डीपी खुली होने के करण मवेशी तथा बच्चों की जान का खतरा का डर बना रहता है। आए दिन यहां से लोगों का निकलना रहता है, लेकिन जिम्मेदारों का इस और ध्यान नहीं है। जल्द से जल्द इसका समाधान किया जाना चाहिए, नहीं तो किसी दिन कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

विचारों पर ही सब कुछ आधारित क्षमा करना बड़प्पन की निशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल के नंदवानी ऑडिटोरियम में शनिवार को क्षमा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के महासचिव कन्यहैयालाल रामनानी ने क्षमा दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप जिस विद्यालय में पढ़ रहे हैं, वहा संतों की विषेष कृपा है। इस विद्यालय का नाम भी दादा वासवानी के नाम से रखा गया है। दादा कहते थे विचारों पर ही सब कुछ आधारित है, क्षमा करना बड़प्पन की निशानी होती है।

इस अवसर पर रमेश रायसिंघानी ने बताया कि हम सब ईश्वर की कृपा से आए है। सदैव शुक्रिया का भाव मन में रख कर चले। मैं को भूल हम को अपनाए।

30×30 फीट की पेंटिंग से दिया प्रेम, सेवा, करुणा और मानवता का संदेश

नीब करोली महाराज जी की विशाल पेंटिंग का लोकार्पण करते सीएम डॉ. मोहन यादव(

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रवींद्र भवन में शनिवार को यश विजन एंटरटेनमेंट द्वारा आयोजित 'रंगमंच 2026' थिएटर एंड डांस फेस्टिवल कार्यक्रम 'रिश्ते, मूल्य और सामाजिक सरोकार' थीम पर आधारित था। महोत्सव का सबसे आकर्षक केंद्र 'आर्ट ऑफ सेवा' रहा, जिसके अंतर्गत नीब करोली महाराज जी को समर्पित 30×30 फीट की विशाल लाइव पेंटिंग का निर्माण किया गया।

चित्रकार इंद्रनील मजूमदार ने इस चित्र को तैयार किया। प्रेम, सेवा, करुणा और मानवता के संदेश को अभिव्यक्त करती इस कलाकृति का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और डॉ. धनंजय शर्मा ने किया। कार्यक्रम के संयोजक सुमंत सोनी ने किया।

रवींद्र भवन में सम्पन्न हुआ रंगमंच 2026 कार्यक्रम

सांस्कृतिक कार्यक्रम में 35 मिनट की नाट्य प्रस्तुति ने रिश्तों की आत्मीयता को प्रस्तुत किया।

70 वर्ष की पीढ़ी से लेकर जेन-ज़ी तक के रिश्तों को दर्शाती नाटिका

सांस्कृतिक कार्यक्रम में विशेष आकर्षण रही 35 मिनट की नाट्य प्रस्तुति, जिसमें बदलते सामाजिक परिवेश के बीच परिवार की बदलती संरचना और 70 वर्ष की पीढ़ी से लेकर जेन-ज़ी तक के रिश्तों की आत्मीयता, संवाद और भावनात्मक जुड़ाव को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया गया। निर्देशक नीलेश और मिस्काद उस्मानी के निर्देशन में कलाकारों ने पीढ़ियों के बीच संवाद, संस्कार और पारिवारिक मूल्यों को संवेदनशील अभिनय के माध्यम से जीवंत कर दिया।

फ्रेंडशिप-डे पर हरिभूमि ने तलाशे कुछ ऐसे ग्रुप्स, जिनकी दोस्ती बरसों नहीं, बल्कि सदियों पुरानी है...

उम्र या दूरी से नहीं, बल्कि विश्वास, सम्मान और दिलों के जुड़ाव से बरकरार रहती है 'सच्ची दोस्ती'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वक्त के साथ शहर बदलते हैं, जिम्मेदारियां बढ़ती हैं और जिंदगी की रफ्तार रिश्तों की परीक्षा लेने लगती है। ऐसे दौर में भी भोपाल में कुछ दोस्तियों ने समय को मात दी है। बचपन में साथ शुरू हुआ यह सफर आज चार-पांच नहीं, बल्कि चार दशकों बाद भी उसी अपनापन, भरोसे और मुस्कान के साथ जारी है।

फ्रेंडशिप डे पर ऐसी ही दोस्तियों की कुछ कहानियों को हरिभूमि ने तलाशा, ये कहानी बताती है कि सच्चे रिश्ते न दूरी से फीके पड़ते हैं, न समय के साथ पुराने होते हैं वे हर मुलाकात में फिर जी उठते हैं।

15 साल पुरानी दोस्ती, लेकिन हर बार कुछ नयापन दे जाती है

फ्रेंडशिप-डे के अवसर पर वूमन ऑफ एक्सप्रेशन की को-फाउंडर मनीषा आनंद ने वर्षों पुरानी दोस्ती के बारे में बताया कि हमारा ग्रुप 'वूमन ऑफ एक्सप्रेशन' हर महीने एक विशेष गैदरिंग करता है। 10 से 15 वर्षों से एक-दूसरे को जानने वाली मित्रों के इस ग्रुप में हम लोग हर माह मिलकर एक-दूसरे के साथ हंसी-मजाक करते हैं, साथ ही इसमें डांस और म्यूजिक का तड़का भी लगाया जाता है। ताकि हम अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ की व्यस्तताओं को भूलकर कुछ पल साथ बिता सकें।

40 साल की दोस्ती, आज भी उतनी ही मजबूत

शहर का ऐसा ही एक ग्रुप है एमसीसी ग्रुप, जिसमें कई मित्र तो 40 साल पुराने हैं और 40 सालों से इस दोस्ती को बरकरार रखा जा रहा है। ग्रुप के फाउंडर मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि बचपन में क्रिकेट के मैदान से शुरू हुआ यह साथ आज भी उसी अपनत्व और विश्वास के साथ जारी है। उन्होंने बताया कि हमारे ग्रुप के कई सदस्य देश के अलग-अलग शहरों में रहते हैं, लेकिन हर माह आयोजित होने वाले री-यूनियन में मिलकर पुरानी यादें ताजा करते हैं। उनकी बैठकों में न राजनीति होती है, न धर्म और न ही मतभेदों की चर्चा। सिर्फ दोस्ती, हंसी, अपनापन और एक-दूसरे के सुख-दुख की साझेदारी होती है। उन्होंने कहा कि इस रिश्ते को मजबूत बनाए रखने में सभी मित्रों के परिवारों, विशेषकर उनकी जीवनसंगिनियों का भी अहम योगदान रहा है। ग्रुप समय-समय पर फैमिली पिकनिक और सामूहिक आयोजनों से नई पीढ़ी को भी सच्ची दोस्ती और पारिवारिक संस्कार दे रहा है।

गंगा-जमुनी तहजीब से महकती दोस्ती दशकों से कायम है अपनापन

बेगम्स ऑफ भोपाल की संस्थापक रखशां शमीम जाहिद बताती हैं कि भले ही इस ग्रुप की स्थापना वर्ष 2019 में हुई हो और आज इसमें करीब 60 महिलाएं जुड़ी हों, लेकिन इसकी नींव दशकों पुरानी दोस्ती पर टिकी है। उन्होंने बताया कि पहले हमारा 5 से 10 सहेलियों का एक छोटा-सा ग्रुप था, जो हर माह 'महफिल' नाम से किटी करता। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसमें धर्म और मजहब का कोई बंधन नहीं होता था। हम गंगा-जमुनी तहजीब को अपनाते और इसी भावना को व्यापक स्वरूप देने के उद्देश्य से 'बेगम्स ऑफ भोपाल' की शुरूआत हमनें की, जो आज दोस्ती, आपसी सौहार्द और सामाजिक सरोकारों का सशक्त मंच बन चुका है।

कॉर्निवल में प्रस्तुति देते कलाकार।

रॉडनी एंड द बैंड के स्पिरिचुअल जैमिंग सेशन के साथ वेलनेस महोत्सव का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य भारत के अग्रणी लक्जरी वेलनेस सेंटर फिटब्लिस बाय डॉ. श्रुति कपूर द्वारा आयोजित 'फिटब्लिस फिटनेस कॉर्निवल-2026' का शुभारंभ शनिवार को आध्यात्मिक वातावरण के बीच हुआ। जिसमें प्रसिद्ध संगीत समूह रॉडनी एंड द बैंड ने स्पिरिचुअल जैमिंग सेशन प्रस्तुत किया। आध्यात्मिक संगीत और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर इस प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को आत्मिक शांति एवं सामूहिक ऊर्जा का विशेष अनुभव कराया तथा पूरे महोत्सव के लिए प्रेरणादायी वातावरण तैयार किया। कॉर्निवल के पहले दिन ने फिटब्लिस की उस अवधारणा को साकार किया, जिसमें शारीरिक फिटनेस के साथ मानसिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को समान महत्व दिया जाता है।

आध्यात्मिक संगीत और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण प्रस्तुतियों ने मोहा मन

फिटब्लिस की संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक डॉ. श्रुति कपूर ने कहा कि फिटब्लिस फिटनेस कॉर्निवल केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने का एक जन-जागरूकता अभियान है।

भोपाल की डॉ. वीणा कुर्रे बनीं 'मिसेज एशिया वर्ल्ड ग्लोबल थाईलैंड 2026'

भोपाल। राजधानी की प्रसिद्ध समाजसेविका, शिक्षाविद् एवं प्रेरणास्रोत डॉ. वीणा कुर्रे को थाईलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 'मिसेज एशिया वर्ल्ड ग्लोबल थाईलैंड 2026' के खिताब से सम्मानित किया गया है।

डॉ. कुर्रे ने इस वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को पूरी दुनिया तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि यह ताज सिर्फ मेरा नहीं है, यह हर उस महिला का है, जो मानती है कि सेवा ही सच्ची सुंदरता है। मैं यह उपलब्धि अपने देश और सभी माताओं को समर्पित करती हूं।

राष्ट्रीय वनमाली विशिष्ट कथा सम्मान 2026 की घोषणा

वरिष्ठ साहित्यकार कृष्णा, डॉ. दवे और नागर होंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सुप्रसिद्ध कथाकार, शिक्षाविद् एवं विचारक जगन्नाथ प्रसाद चौबे वनमाली की 114वीं जयंती पर आयोजित वनमाली सृजन केंद्रों के छठवें राष्ट्रीय सम्मेलन के अंतर्गत वर्ष 2026 के राष्ट्रीय वनमाली विशिष्ट कथा सम्मान की घोषणा कर दी गई है। इस वर्ष हिंदी साहित्य के तीन वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित रचनाकार डॉ. कृष्णा अग्निहोत्री, डॉ. रमेश दवे तथा सूर्यकांत नागर को उनके उत्कृष्ट साहित्यिक अवदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। सम्मान समारोह 7 अगस्त 2026 (शुक्रवार) को मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इंदौर में आयोजित होगा। इसका आयोजन राष्ट्रीय वनमाली सृजन पीठ, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी एवं डॉ. सीवी रामन विश्वविद्यालय, खंडवा द्वारा किया जाएगा। समारोह में सम्मानित साहित्यकारों को शॉल, श्रीफल, प्रशस्ति-पत्र तथा 51,000 की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी।

किशोर कुमार की जयंती पर 'छूकर मेरे मन को...' संगीतमय संध्या आज

भोपाल। महान पार्श्वगायक किशोर कुमार की जयंती के उपलक्ष्य में केकेएफसी म्यूजिक इंडिया एवं किशोर कुमार फैंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को संगीतमय कार्यक्रम 'छूकर मेरे मन को...' का आयोजन किया जाएगा। संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम शाम 6 बजे रवींद्र भवन के अंजनी सभागार में होगा। कार्यक्रम में वरिष्ठ गायक डॉ. कुमार राजेश अपनी सुमधुर आवाज में किशोर कुमार के सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को आनंदित करेंगे।

'गमक' श्रृंखला का आगाज, आमिर खान ने सरोद वादन से बांधा समां

सरोद के सुरों में गूंजी गुरु वंदना रफी को दी संगीतमय श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सुरों की साधना, गुरु के प्रति श्रद्धा और संगीत के अमर स्वर, इन तीनों का सुंदर संगम शनिवार को ब्रीथ एंड बैलेंस स्टूडियो में देखने को मिला।

योग, मूवमेंट एवं लाइव परफॉर्मेंस स्टूडियो द्वारा शुरू की गई भारतीय शास्त्रीय संगीत श्रृंखला 'गमक' का शुभारंभ गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर सरोद वादन से हुआ। यह संध्या महान पार्श्वगायक मोहम्मद रफी की पुण्यतिथि को भी समर्पित रही।

राग देश, राग मल्हार, राग कामोद की बंदिशें की प्रस्तुत

सरोद वादक आमिर खान ने अपनी प्रस्तुति में राग देश, राग मल्हार और राग कामोद की मनमोहक बंदिशों से श्रोताओं को भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहराइयों से परिचित कराया। इसके बाद उन्होंने शिव कैलाशों के वासी की धुन प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

आलियांस फ्रांसेज द भोपाल का इंटरैक्टिव कार्यक्रम, भाषा व संस्कृति से रूबरू हुए शहरवासी

भोपाल में बसी फ्रांस की झलक, वीएफएक्स के जरिए बच्चों को कराई पेरिस की सैर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बिना पासपोर्ट और वीजा के भोपालवासियों ने शनिवार को फ्रांस की भाषा, संस्कृति और साहित्य की अनोखी यात्रा की। 'फ्रेंच लैंग्वेज डिस्कवरी वर्कशॉप' का आयोजन एलायंस फ्रांसेज द भोपाल द्वारा स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय में आयोजित किया गया।

इस इंटरैक्टिव रूप से बच्चों, विद्यार्थियों और भाषा प्रेमियों को फ्रेंच भाषी दुनिया से परिचित कराया गया। कार्यक्रम में फ्रेंच शिक्षिका प्रशस्ति ने रोचक गतिविधियों और खेलों के जरिए प्रतिभागियों को फ्रेंच भाषा की शुरुआती जानकारी दी।

फ्रेंच शिक्षिका ने रोचक गतिविधियों और खेलों के जरिए फ्रेंच भाषा की जानकारी दी

प्रतिभागियों को फ्रांस के बारे में जानकारी देती वक्ता।

शालोंट और कियारा ने प्रश्न स्पर्धा से प्रतिभागियों के ज्ञान को परखा

मूल फ्रांसीसी वक्ता शालोंट और कियारा ने फ्रांस एवं फ्रैंकोफोनी क्विज के माध्यम से प्रतिभागियों के ज्ञान को परखा। क्विज में फ्रांस के पर्यटन, खान-पान, संस्कृति और परंपराओं से जुड़े सवालों ने सभी की उत्सुकता बढ़ाई। कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण वर्चुअल रियलिटी (वीएफएक्स) के जरिए पेरिस की सैर रहा। फ्रेंच शिक्षक यथार्थ के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने एफिल टॉवर सहित पेरिस के प्रसिद्ध स्थलों का आभासी अनुभव लिया।

मित्रता दिवस विशेष

दुनिया भर के वैज्ञानिक शोधों और व्यावहारिक अध्ययनों से यह स्पष्ट है कि दोस्ती केवल मौज-मस्ती करने के लिए नहीं या केवल समय बिताने का माध्यम नहीं है। यह इंसानी जीवन की एक बुनियादी जैविक के साथ ही मनोवैज्ञानिक आवश्यकता भी है। यह हमें सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है, मानसिक सुकून प्रदान करती है। यही नहीं खुशहाल जीवन का आधार भी होती है दोस्ती। तो आइए, आज मित्रता दिवस पर हम खुद से वादा करें कि अपने दोस्तों का साथ कभी नहीं छोड़ेंगे।

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

सफलता-सुकून-समृद्धि खुशहाल जीवन का आधार दोस्ती

इस दुनिया में हमारी पहचान विभिन्न प्रकार के आपसी संबंधों के ताने-बाने से बुनी होती है। इन संबंधों में दोस्ती यानी मित्रता को सबसे पवित्र, निःस्वार्थ और सहज माना जाता है। आधुनिक भाग-दौड़ भरी जिंदगी, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव के इस दौर में दोस्ती केवल एक सामाजिक रिश्ता भर नहीं है, बल्कि हमारे ओवरऑल डेवलपमेंट और वेलबीइंग का एक जरिया भी है। अतीत गवाह है कि श्रीकृष्ण-सुदामा की सहज मित्रता से लेकर आधुनिक कॉर्पोरेट जगत के सह-संस्थापकों की पार्टनरशिप तक, दोस्ती ने हर युग में जीवन को एक नई दिशा दी है। वैश्विक स्तर पर हुए विभिन्न शोधों, मनोवैज्ञानिक अध्ययनों और न्यूरोसाइंस के निष्कर्षों से भी यह सिद्ध हुआ है कि एक सच्चा दोस्त हमारे जीवन में सफलता का वाहक, मानसिक सुकून का ढाल, समृद्धि का मार्गदर्शक और जीवन को सरल बनाने वाला सबसे बड़ा कारक होता है।

तनाव में होती है कमी: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक दीर्घकालिक अध्ययन के अनुसार, जो व्यक्ति अच्छे सामाजिक संबंधों और गहरे दोस्तों के बीच रहते हैं, वे अधिक खुश और तनावमुक्त रहते हैं। जब हम किसी विश्वसनीय मित्र से अपनी बातें साझा करते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में 'ऑक्सीटोसिन' और 'डोपामाइन' जैसे हैप्पी हार्मोन का स्राव होता है। यह प्रक्रिया कोर्टिसोल नामक तनाव उत्पन्न करने वाले हार्मोन के स्तर को तेजी से कम करती है, जिससे मानसिक सुकून मिलता है।

करियर सक्सेस में सहायक: अमेरिकी समाजशास्त्री मार्क ग्रेनोवेटर के 'द स्ट्रेंथ ऑफ वीक टाइज' सिद्धांत और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए शोध बताते हैं कि प्रोफेशनल लाइफ में सफलता का सीधा संबंध आपके मित्रों के दायरे और नेटवर्किंग से है। दोस्त न केवल आपको नए अवसरों की जानकारी देते हैं, बल्कि आपके कौशल को निखारने में रचनात्मक आलोचना भी करते हैं। कार्यस्थल पर एक अच्छा मित्र होने से कर्मचारी की उत्पादकता में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है।

शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार: 'प्लॉस मेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित 148 अध्ययनों के एक मेटा एनालाइसिस के अनुसार, जिन लोगों का सामाजिक जीवन और मित्रों का दायरा मजबूत होता है, उनके समय से पूर्व डेथ की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अकेलेपन का स्वास्थ्य पर डेली 15 सिगरेट पीने जैसा असर होता है। दोस्त हमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और बीमारियों से लड़ने की इच्छाशक्ति देते हैं।

खुले आर्थिक समृद्धि का मार्ग: दुनिया के कई बड़े व्यापारिक साम्राज्य जैसे गूगल (लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन) या एप्पल (स्टीव जॉब्स और स्टीव वोज्नियाक) गहरी दोस्ती की नींव पर बने हैं। बर्कले यूनिवर्सिटी के एक आर्थिक अध्ययन के अनुसार, मित्रों के बीच आपसी विश्वास के कारण जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है। जब मित्र मिलकर किसी विचार पर काम करते हैं, तो वित्तीय समृद्धि के रास्ते अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाते हैं।

संघर्ष करने की क्षमता में इजाफा: मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब व्यक्ति किसी कठिन समस्या का सामना अकेले करता है, तो उसे वह समस्या बहुत बड़ी लगती है। वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के एक प्रसिद्ध प्रयोग (हिल विजुअलाइजेशन स्टडी) में पाया गया कि दोस्तों की उपस्थिति जीवन की मुश्किलों को सरल बना देती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास: कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार, बचपन और किशोरावस्था में बने गहरे दोस्त व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाते हैं। दोस्तों के साथ रहकर हम सहानुभूति, साझा करना और दूसरों के दृष्टिकोण को समझना सीखते हैं।

अवसाद-अकेलेपन से सुरक्षा: शिकागो विश्वविद्यालय के कॉग्निटिव एंड सोशल न्यूरोसाइंस केंद्र के अध्ययनों के अनुसार, अकेलापन मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है, जो शारीरिक दर्द के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके विपरीत, मजबूत दोस्ती एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। अवसाद या किसी बड़े व्यक्तिगत नुकसान (जैसे नौकरी जाना या प्रियजन की मृत्यु) के समय दोस्तों का भावनात्मक समर्थन मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

बढ़े निर्णय लेने की क्षमता: येल यूनिवर्सिटी के एक न्यूरोइकोनॉमिक्स अध्ययन के अनुसार, संकट के समय मित्र हमारे लिए एक 'बाहरी पर्यवेक्षक' की भूमिका निभाते हैं। जब हमारा मस्तिष्क तनाव के कारण सही निर्णय नहीं ले पाता, तब सच्चे दोस्त हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर सोचने में मदद करते हैं। उनकी सलाह से हमारी निर्णय प्रक्रिया सरल और सटीक हो जाती है, जो अंततः हमारी समृद्धि का प्रमुख कारण बनती है।

रचनात्मकता-नवाचार को बढ़ावा: मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार, मित्रों के समूह में होने वाली ब्रेन स्टॉर्मिंग से मस्तिष्क में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। दोस्तों के साथ बिना किसी डर या झिझक के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता रचनात्मकता और नए आविष्कारों को जन्म देती है, जो आधुनिक संदर्भों में अर्थव्यवस्था में सफलता का मुख्य आधार हैं। *

वृद्धावस्था में संज्ञानात्मक स्वास्थ्य की रक्षा

ओल्ड एज में होने वाली डिमेंशिया की समस्या पर द लैंसेट में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती उम्र में मानसिक सक्रियता और याददाश्त बनाए रखने के लिए दोस्तों के साथ सामाजिक रूप से जुड़े रहना बेहद जरूरी है। जो बुजुर्ग नियमित रूप से अपने दोस्तों से मिलते हैं और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते हैं, उनमें अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा भी 60 प्रतिशत तक कम पाया गया है।

तकनीक ने हमारी जीवनशैली को ही नहीं, दोस्त बनाने के तरीके को भी बदल दिया है। आज सोशल मीडिया के जरिए हम एक क्लिक पर दुनिया में किसी से भी दोस्ती कर सकते हैं। सबसे खूबसूरत इंसानी रिश्तों में से एक दोस्ती को तकनीक कैसे नए ढंग से परिभाषित कर रही है, इस बारे में आप भी जानिए।

फ्रेंड रिक्वेस्ट ने बदल दी दोस्त बनाने की परिभाषा

न्यू ट्रेंड
शैलेंद्र सिंह

इस बात में संदेह नहीं कि सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद दोस्ती करना आसान हो गया है। इसके पहले दुनिया में कहीं भी किसी से दोस्ती करना इतना आसान न था कि किसी को दो लाइन की एक लिखित रिक्वेस्ट भेजो और अमूमन 90 फीसदी से ज्यादा मौकों पर दोस्ती हो जाती है। ये है दोस्ती का नया तरीका यानी फ्रेंड रिक्वेस्ट। यह तरीका सोशल मीडिया के पहले दुनिया के पास नहीं था।

बन सकते हैं हजारों दोस्त: आज अपने देश में कम से कम 60 फीसदी ऐसे वयस्क हैं, जिनके सोशल मीडिया पर एक हजार या इससे ज्यादा दोस्त हैं। 10 फीसदी तो ऐसे लोग हैं, जिनके दोस्तों की इस अभासी दुनिया में संख्या पांच हजार के आस-पास है और एक से डेढ़ फीसदी ऐसे लोग भी हैं, जिनके दोस्तों की संख्या हजारों नहीं दसियों हजार से ऊपर है। दरअसल, ये दोस्त नहीं फॉलोवर्स कहलाते हैं।

दुनिया भर में कर सकते हैं दोस्ती: दुनिया में एक और बड़ा धमाका सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद हुआ। चाहे आप देश या दुनिया के कितने ही पिछड़े इलाके में रह रहे हों, लेकिन सोशल मीडिया के चलते आप देश-विदेश कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। ऐसे लोगों के साथ जिन्हें न कभी देखा हो, न कभी उनसे मुलाकात हुई हो, न उनके बारे में कुछ ज्यादा जानते हों और न ही उनके आपके विचार, रुचियां और सपने एक जैसे हों। इसके बाद भी चाहें तो आप सोशल मीडिया के जरिए ऐसे विपरीत रुचियों के लोगों के साथ भी सहजता से देश-विदेश में दोस्ती कर सकते हैं। अब दोस्ती के लिए न बहुत हैसियत की जरूरत है, न बहुत पैसे की, न सामाजिक प्रभुत्व या न ही किसी क्षेत्र विशेष में उल्लेखनीय होने की जरूरत है। दोस्ती के लिए अब सिर्फ एक ही चीज की जरूरत है- आपके पास मोबाइल या कंप्यूटर हो, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन हो। बस इतने भर से आप देश-विदेश में कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। दोस्ती की दुनिया में ये असाधारण परिवर्तन है, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया के आने के पहले कभी नहीं हुआ था।

हर सीमा, सरहद से परे: दोस्ती हमेशा से इंसानी रिश्तों की सबसे खूबसूरत कड़ी रही है। कभी ये स्कूल, कॉलेज, पड़ोस या कार्यस्थल तक सीमित रहती थी, लेकिन जब से संपर्क करने का सबसे तीव्र माध्यम इंटरनेट अस्तित्व में आया और फिर सोशल मीडिया जैसे आभासी प्लेटफॉर्म बने। उसके बाद से दोस्ती की परिभाषा, उसकी अवधारणा हमेशा-हमेशा के लिए बदल गई। अब दोस्ती का दायरा स्थानीय नहीं है बल्कि वैश्विक हो चुका है। इंस्टाग्राम, फेसबुक, लिंक्डइन, एक्स, डिस्कॉर्ड, रेडिट और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने दुनिया भर के करोड़ों लोगों को दोस्ती के एक ऐसे साझा मंच से जोड़ा है, जिसकी पहले कल्पना भी नहीं कर सकते थे।

अपनी रुचि के लोगों से दोस्ती: सोशल मीडिया की सुविधा ने तरह-तरह के समूहों को जन्म दिया है। मान लीजिए, आप लेखक हैं और आपको दूसरे लेखकों के साथ बातचीत करना, उठना-बैठना अच्छा लगता है, तो चाहें तो आप देश-विदेश के हजारों लेखकों से ही अपनी दोस्ती बना लें और दिन-रात उनके साथ ही मस्त रहें। मतलब यह कि सोशल मीडिया ने दोस्ती को एक ऐसा उपभोक्ता उत्पाद बना दिया है, जिसे आप अपनी चाहत और सुविधा के हिसाब से किसी भी रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर वर्ग को हो रहा फायदा: इंटरनेट और सोशल मीडिया ने इस दूरस्थ दोस्ती में कुछ इस तरह का रंग भरा है कि आज युवा ही नहीं तमाम वरिष्ठ नागरिक भी इस ऑनलाइन दोस्ती का खूब आनंद ले रहे हैं। यह ऑनलाइन दोस्ती सिर्फ मनोरंजन या जिज्ञासा तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसने कारोबार की दुनिया में भी बड़ी जबर्दस्त भूमिका निभाई है। यानी ऑनलाइन दोस्ती हर वर्ग को फायदा पहुंचा रही है। *

गजल
ओम निश्चल

दोस्त के हंसते ही...

मुस्कराने से अमलतास भी खिल उठता था
दोस्त के हंसते ही आकाश भी खिल उठता था
उसके आने से आ जाती थी घर में रौनक
उसके होने से मधुमास भी खिल उठता था
ऐसे मिलता था वो जन्मों से हो रिश्ता जैसे
पास बैठा हुआ उल्लास भी खिल उठता था
उसकी यादों में मुकम्मल-सा जहां है अपना
उसके होने का अहसास भी खिल उठता था
छेनी से उसकी तराशी थी कुछ ऐसी मूरत
उसकी जुंबिश से नक्काश भी खिल उठता था
हाथ रखता था वो यूं कांधे पे करीने से
उसके छूने से विश्वास भी खिल उठता था

लघुकथाएं

पुरानी बेंच

एक लंबे समय बाद अरुण का गांव लौटना हुआ। गांव में बहुत कुछ बदल गया था। पगडंडियों ने सड़क का रूप धारण कर लिया था। उसका अपना स्कूल नए भवन में शिफ्ट हो चुका था, नए फर्नीचर से सजा नया विद्यालय भवन देख मन कुछ प्रसन्न था तो कहीं मन में अवसाद भी था। स्कूल का पुराना सामान नीलाम किया जा रहा था। भारी कदमों से अरुण भी इस नीलामी में जा पहुंचा। कबाड़ के ढेर में पड़ी एक टूटी-फूटी लकड़ी की बेंच देखकर अरुण ठिठक कर रुक गया। 'इसे भी बेचेंगे?' उसने प्रधानाचार्य से पूछा। 'हां, अब इसका कोई उपयोग नहीं।' अरुण ने उस बेंच पर बड़े प्यार से हाथ फेरा। उस पर परकार (कंपास) से उकेरे गए दो अक्षर अब भी सुस्पष्ट रूप से अंकित थे। 'अ' और 'स'। उसके चेहरे पर एकाएक कई भाव, कई रंग आए और चले गए। वह और समीर हमेशा इसी बेंच पर बैठा करते थे। अंगूठे के साथ पूरा हाथ घुमाते हुए दोनों ने एकदम पक्की दोस्ती का दम भरते हुए कहा था, 'चाहे जहां रहें, अपनी यह दोस्ती कभी नहीं टूटेगी।' समय के साथ, अपनी-अपनी नौकरी के चलते, दोनों दूर तो हुए पर उनकी दोस्ती का धागा पूरी मजबूती से बंधा रहा। अरुण बेंच पर बैठ गया और अपने पास की खाली जगह पर प्यार से हाथ फेरते हुए भर्राए स्वर में बोला, 'समीर! तू चल न मेरे साथ, आज भी मैं अकेला नहीं बैठूंगा।' अरुण ने वह बेंच खरीद ली। लोग हैरानी से उसे देख रहे थे। बेंच को सीने से लगाते हुए वह बोला, 'समीर दोस्त था मेरा। युद्ध में दुश्मन से लोहा लेते हुए शहीद हो गया। पर हमारी दोस्ती आज भी इसी बेंच पर बैठी मेरा इंतजार कर रही है।' *

एआई इमेज

– डॉ. यशोधरा भटनागर

अपनों से दोस्ती

हंसती-खिलखिलाती उसकी फ्रेंड ठीक उसी अल्हड़ अंदाज में अपने घर के भीतर दाखिल हुई, जैसे कॉलेज कैंपस, बाजार या सिनेमा हॉल में सहेलियों के साथ रहती है। अपनों के साथ भी खुलकर बातें, सीधे-सच्चे सवाल और खुशनुमा व्यवहार का खुलापन। मां, दादी और छोटे भाई से दिनभर की बातें और शिकायतें। न कुछ पूछने में उलझन ना ही कुछ कहने में अटकाव। सब कुछ तरल-सा, बहता-सा, संबंधों में साथ-स्नेह के सही मायने समझाता-सा। उसके लिए यह हैरान-परेशान करने वाले दृश्य थे। वे दोनों बहनें तो घर के भीतर आते ही एक ठहरा ठिठका-सा रंग-ढंग ओढ़ लेती हैं। चाहे कहीं से भी लौटें घर के आंगन में पांव धरते ही कुछ अलग-सी ही हो जाती हैं। हर बात में बड़ों की प्रतिक्रिया के प्रति सजग। आज सहेली के साथ उसके घर आकर अपनों का यह मैत्री भाव देखा तो लगा जैसे बहुत कुछ छूट रहा है, उनके जीवन से, मन से, रिश्तों से। मित्रता जो नहीं है, उनकी एक-दूसरे से। रिश्तों की औपचारिक सजगता और कभी सम्मान तो कभी सधापन रखने के नाम पर, सखा भाव को पनपने का अवसर ही ना मिला। उस घर के बड़े-छोटे सदस्यों की दोस्ती देख यही सोचते हुए विदा हुई कि 'घर के बाहर दोस्तों के साथ खिलखिलाने, मन की कहने का परिवेश अगर घर में ही हो तो, यह दुनिया की सबसे प्यारी दोस्ती होगी।' उसने मन ही मन तय कर लिया कि अपने घर में भी मित्रता का माहौल बनाने की कोशिश करेगी। *

एआई इमेज

– डॉ. मोनिका शर्मा

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

संगीत के अनछुए सुर

पत्रकार, लेखक और चित्रकार देव प्रकाश चौधरी की हालिया प्रकाशित किताब 'शब्द उठान सुर तिहाई' ऐसी संगीतमय किताब है, जिसके हर पन्ने पर सुर हैं, संगीत की राग-रागिनियां हैं। इन रागिनियों से निकले हैं संगीत साधकों के जीवन साधना से जुड़े अनेक किस्से। पुस्तक उस्ताद फैयाज खान की संगीत साधना के एक किस्से से शुरू होती है। एक बार जब फैयाज खान, ट्रेन के डिब्बे में बैठे सुरों की साधना में लीन होते हैं। अंग्रेज गार्ड खिड़की के बाहर खड़ा होकर सुरों के सागर में गोते लगाने लगता है। गाड़ी के चलने का वक्त निकलने लगता है और स्टेशन मास्टर बेचैन हो उठता है, मगर गार्ड हरी झंडी नहीं दिखाता। वह कहता है, 'भीतर फरिश्ता गा रहा है।' यह पुस्तक भारतीय संगीत और नृत्य की समृद्ध परंपरा का जीवंत दस्तावेज है। इसमें पंडित बिरजू महाराज के नृत्य में समाहित अभिनय, कथा और संगीत का अद्भुत समन्वय है। बनारस के घाटों पर मंदिरों की गूंजती घंटियों के बीच बिस्मिल्लाह खां की शहनाई की सुर-लहरियां हैं। उस्ताद अमीर खां की रूहानी गायिकी की गहराई है, तो मेवाती घराने के दैदीप्यमान सितारे पंडित जसराज का वह प्रेरक प्रसंग भी है, जिसमें वे तबला वादन से गायन की ओर अग्रसर होते हैं। ये किस्से सुर और संगीत की जादुई शक्ति से हमारा परिचय कराते हैं। लेखक की संवेदना से भरी भाषा ने इसे और आत्मीय, और कलात्मक बना दिया है। *

पुस्तक: शब्द उठान सुर तिहाई, **लेखक:** देव प्रकाश चौधरी
मूल्य: 225 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

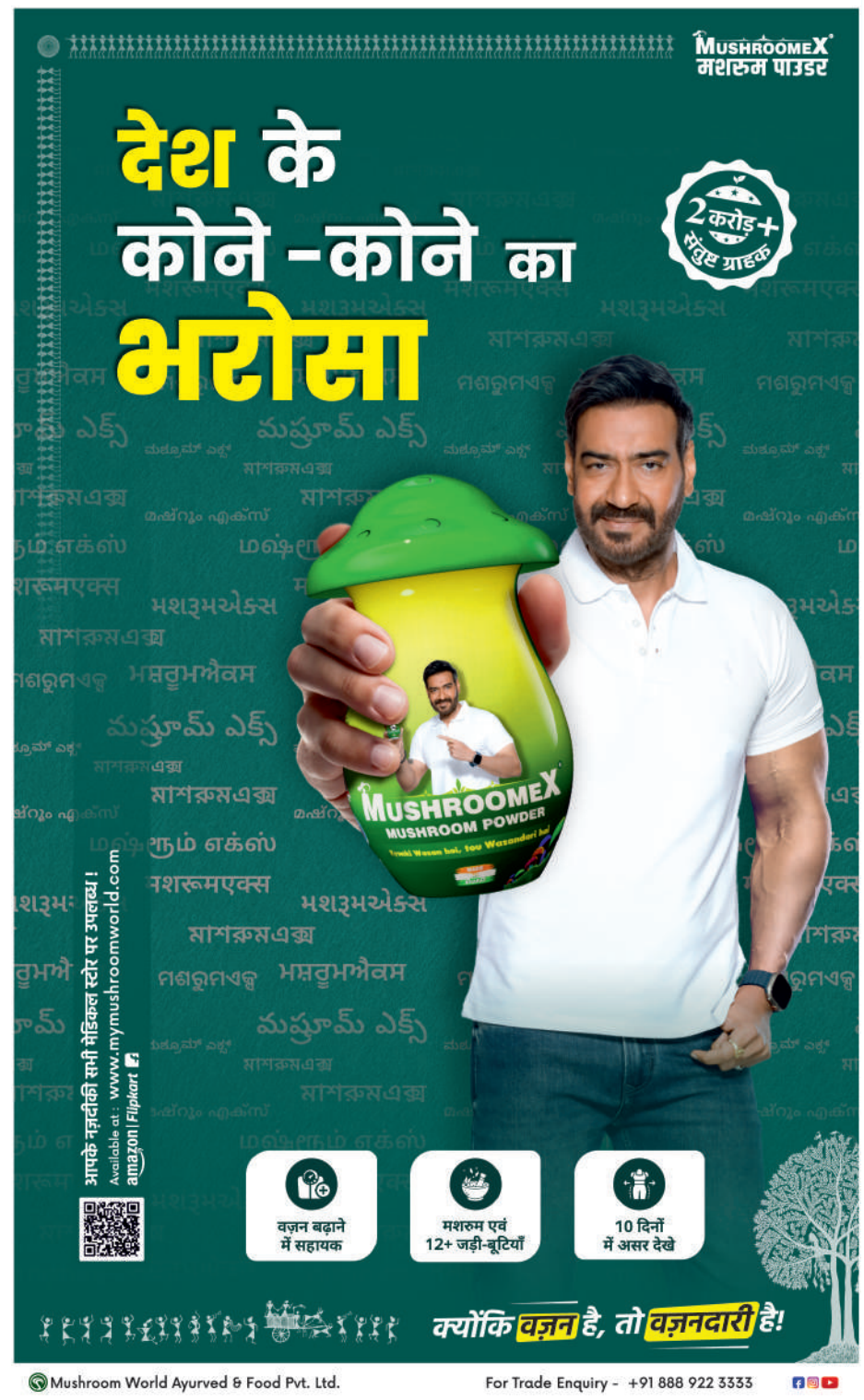

नेटफ्लिक्स की सीरीज 'चुंबक' देने आ रही हंसी की डोज...

मुंबई। नेटफ्लिक्स ने साल की शुरुआत में अपने पारिवारिक कॉमेडी ड्रामा 'चुंबक' का ऐलान किया था। आतिश कपाड़िया द्वारा लिखित और निर्देशित इस सीरीज का निर्माण जमनादास मजीठिया और आतिश कपाड़िया ने अपने बैनर हैट्स ऑफ प्रोडक्शंस के तहत किया है। इसमें दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, अमायरा दस्तूर, अर्जुन बिजलानी, अनंत वी जोशी और हेली शाह समेत कई कलाकार मौजूद हैं। 'चुंबक' की कहानी मुंबई के एक पुराने रो-हाउस में रहने वाले 5 अलग-अलग परिवारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अप्रत्याशित हालातों में फंसकर एक परिवार बन जाते हैं।

लाइफ Style

रश्मिका

हुईं चोटिल, 6 हफ्ते के लिए बेड रेस्ट पर गईं

फिल्म इंडस्ट्री में शूटिंग के दौरान कलाकारों के चोटिल होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। हाल ही में जूनियर एनटीआर, राम चरण और बालकृष्ण के घायल होने के बाद अब रश्मिका मंदाना के चोटिल होने की खबर सामने आ रही है।

एजेंसी ▶▶| मुंबई

अपनी आगामी फिल्म के सेट पर वो एक गंभीर हादसे का शिकार हो गईं, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें काम से ब्रेक लेकर पूरी तरह आराम करने की सलाह दी है। इस खबर से फैंस काफी चिंतित हैं। रश्मिका फिल्म 'मैसा' के सबसे खास और मुख्य डांस सीक्वेंस के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रही थीं। हैदराबाद में पिछले कुछ दिनों से एक मशहूर कोरियोग्राफर की देखरेख में इस गाने का रिहर्सल चल रहा था। हालांकि, 31 जुलाई को डांस प्रैक्टिस के दौरान पैर फिसलने की वजह से उनके कूल्हे में गंभीर चोट लग गई। कूल्हे की हड्डी फ्रैक्चर होने के कारण वो मौके पर ही हिलने-डुलने में असमर्थ हो गईं। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में एक्स-रे और स्कैन के बाद डॉक्टरों ने रश्मिका की चोट को काफी गंभीर बताया है। उनकी पीआर टीम के मुताबिक, जांघ की मांसपेशी को हड्डी से जोड़ने वाली नस (टेंडन) खिंचकर पूरी तरह अलग हो गई है। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसी चोटें आमतौर पर खिलाड़ियों को ही लगती हैं। इसे ठीक करने के लिए रश्मिका को कम से कम 6 हफ्ते का बेड रेस्ट, फिजियोथेरेपी और थेरेपी की सख्त जरूरत है।

हॉलीवुड मसाला

हॉलीवुड में खुद को दी सबसे बड़ी चुनौती

लॉस एंजिल्स। दिशा पटानी ने 'हॉलिगार्ड्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स' से अपना हॉलीवुड सफर शुरू किया है। उन्होंने बताया कि यह अनुभव उन्हें उनके कंफर्ट जोन से बाहर ले गया और उन्हें एक अभिनेता के रूप में बढ़ने का मौका मिला। कई ऑडिशन के बाद, उन्हें यह भूमिका पाकर बहुत खुशी हुई और उन्होंने अपना पूरा ध्यान इस पर लगाया। अंतर्राष्ट्रीय कास्ट के साथ काम करके खुश हैं दिशा पटानी- अंतर्राष्ट्रीय कास्ट और क्रू के साथ काम करना दिशा के लिए एक बिल्कुल नया अहसास था।

'स्पाइडर-मैन' को अलविदा कहेंगे टॉम हॉलैंड...

लॉस एंजिल्स। मार्वल की फिल्म 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे' के जरिए टॉम हॉलैंड ने 'पीटर पार्कर' के रूप में वापसी की है। हाल ही में, उन्होंने बताया कि 'स्पाइडर-मैन' के भविष्य के लिए मार्वल स्टूडियोज और सोनी पिक्चर्स के पास उनके किरदार की विदाई को लेकर पहले से योजना तैयार है। अभिनेता ने खुशी जताई कि उनकी जगह भविष्य में कोई और 'स्पाइडर-मैन' के किरदार को आगे लेकर जाएगा। टॉम ने यह भी बताया कि वह किसे इस किरदार में देखना चाहेंगे। हैप्पी सैड कन्फ्यूज्ड पॉडकास्ट से बातचीत में, टॉम ने कहा, स्पाइडर-मैनः नो वे होम की शूटिंग खत्म होने के बाद से ही हम एक पूरी योजना पर काम कर रहे हैं। यह योजना तैयार है। इसमें कुछ बदलाव जरूर होंगे, लेकिन कमान सौंपने को लेकर मेरा नजरिया बिल्कुल स्पष्ट है।

सीता के रूप में नजर आईं कंगना...

मुंबई। नमित मल्होत्रा की पौराणिक फिल्म 'रामायण' का ट्रेलर 30 जुलाई को रिलीज किया गया था। फिल्म में साई पल्लवी 'माता सीता' के किरदार में हैं। उनके लुक को सोशल मीडिया पर खूब प्यार मिल रहा है। इस बीच, अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने अपने बचपन की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह स्कूल के दौरान 'सीता' के किरदार में दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर के साथ-साथ उनका कैप्शन लोगों का ध्यान खींच रहा है।

तस्वीर में सीता के रूप में नजर आईं कंगना

कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 2 तस्वीरें साझा की हैं। एक तस्वीर में उन्हें लाल रंग की साड़ी पहने 'माता सीता' के अवतार में देखा जा सकता है। वह एक हाथ से आशीर्वाद वाली मुद्रा बनाए हुए हैं।

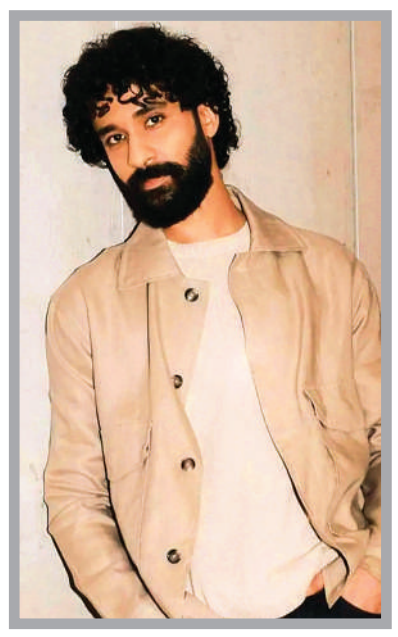

किंग में विलेन बनकर टक्कर देंगे राघव

मुंबई। शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' इस साल क्रिसमस पर तहलका मचाने आ रही है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी रही इस एक्शन थ्रिलर में राघव जुयाल भी मौजूद हैं, जिन्हें लेकर कहा जा रहा था कि वह इसमें युवा विलेन के किरदार में नजर आएंगे। हालांकि, अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के प्रमोशन के दौरान राघव ने इन चर्चाओं पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने बताया कि फिल्म को अनोखे तरीके से फिल्माया जा रहा है। 'किंग' में सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, जयदीप अहलावत, अनिल कपूर, अरशद वारसी और अभय वर्मा जैसे कलाकार भी शामिल हैं। ये 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जब राघव से 'किंग' में विलेन का किरदार निभाने की अफवाहों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, ये बिल्कुल, सारा झूठ बोल रहे हैं।

फिल्मी मसाला

रामानंद सागर की 'रामायण' में जुगाड़ से बनाई ज्वैलरी

मुंबई। नितेश तिवारी और नमित मल्होत्रा की रामायण को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त बज बना हुआ है। चार हजार करोड़ के भारी-भरकम बजट में बनी इस फिल्म की रामानंद सागर की 'रामायण' से तुलना हो रही है जिसकी मेकर्स को शायद उम्मीद भी रही होगी। रामानंद सागर ने अपनी 'रामायण' से इस महाकाव्य को टीवी पर कुछ ऐसे पेश किया जिसकी आज तक कोई बराबरी नहीं कर पाया है। अब भले ही नितेश तिवारी की रामायण 4000 करोड़ के बजट में बनी है, लेकिन रामानंद सागर ने महज 8-9 करोड़ की लागत से 78 एपिसोड्स शूट किए थे। अरुण गोविल, दीपिका चिखलिया, सुनील लहरी स्टारर रामानंद सागर की 'रामायण' का बजट भले ही सीमित था, लेकिन डायरेक्टर ने इफेक्ट्स, कॉस्ट्यूम और आभूषणों में कोई कमी नहीं छोड़ी थी। उन्होंने जुगाड़ लगा-लगाकर इस सीरियल को भारतीय टेलीविजन के इतिहास में दर्ज कराया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन दिनों पैसे काफी सीमित होते थे जिसके चलते डायरेक्टर ने 8-9 करोड़ की लागत से पूरा सीरियल बनाया था जिसमें पूरी स्टारकास्ट की फीस भी शामिल है।

जुगाड़ से शूट हुई थी 'रामायण' : डायरेक्टर ने इस महाकाव्य के लिए खुद ही कास्टिंग की थी। उन्होंने ज्वैलरी और कॉस्ट्यूम बनाने के लिए भी हर मुमकिन जुगाड़ किया। उस दौर में वीएफएक्स वगैरह तो होते नहीं थे, ऐसे में रामानंद सागर ने अगरबत्ती की मदद से कोहरे का सीन शूट किया था। वो अगरबत्ती के धुएं से कोहरे वाला इफेक्ट क्रिएट करते थे।

डायरेक्टर ने खुद डिजाइन करवाई थी ड्रेस

रामानंद सागर ने अपने इस ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए हर जिम्मा खुद उठाया था। वो कॉस्ट्यूम से लेकर ज्वैलरी तक सबकुछ खुद ही डिजाइन करवाते थे। सीरियल में दीपिका चिखलिया के सीता कॉस्ट्यूम से लेकर अरुण गोविल के राम किरदार के लिए 'मगनलाल ड्रेसवाला' ने कपड़े डिजाइन किए थे। पूरी स्टारकास्ट के कॉस्ट्यूम इन्होंने ही बनवाए थे। इस कंपनी को अब 100 साल से ज्यादा समय हो चुका है।

ज्वैलरी हीराभाई पटेल से कराई थी डिजाइन

रामानंद सागर ने पूरी कास्ट की ज्वैलरी मशहूर आर्ट डायरेक्टर हीराभाई पटेल से डिजाइन करवाई थी। उन्होंने ही 'रामायण' के सारे सेट डिजाइन किए थे, जिनमें रावण के महल से लेकर लंका और अशोक वाटिका तक शामिल है। वो हर कास्ट की ज्वैलरी अपने हाथों से कागज पर बनाकर उसे पेंट करते थे। इस पूरे प्रोसेस में डायरेक्टर उनके सामने बैठे रहते थे।

'टॉक्सिक' में अपनी भूमिका पर की बात, किया बड़ा खुलासा...

मुंबई। कियारा अडवाणी ने बताया है कि आने वाली फिल्म 'टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में नदिया का उनका किरदार अब तक का सबसे ज्यादा संतुष्टि देने वाला रहा है। इस फिल्म को गीतू मोहंदास ने निर्देशित किया है और इसमें यश दौहरी भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी और गीतू के नरेशन ने कियारा को तुरंत अपनी ओर खींच लिया। दरअसल, उनके किरदार (नदिया) में जो गहराई थी, उसी ने कियारा को सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कियारा बताती हैं कि गीतू के नरेशन ने उन्हें सचमुच मंत्रमुग्ध कर दिया था।

'टॉक्सिक' में नदिया की जटिलताओं को समझाया : कियारा ने नदिया के किरदार को ताकत, कमजोरी, पागलपन और अलगाव का मिला-जुला रूप बताया। उनके मुताबिक, 'यह ऐसा किरदार था जिसके लिए कोई भी अभिनेता तरसता है'। इस किरदार की तैयारी के लिए कियारा ने सबसे पहले नदिया के जज्बातों को समझा, उसके बाद उन्होंने अपने हाव-भाव और आवाज पर काम किया। कियारा ने अपनी सह-कलाकारों नयनतारा,

हुमा कुरैशी, तारा सूतारिया और रुक्मिणी वासंथ की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि इन सभी ने फिल्म के सिनेमैटिक यूनिवर्स में कुछ अनोखा योगदान दिया है। फिल्म 'टॉक्सिक' को वैसे तो कन्नड़ और इंग्लिश में शूट किया गया है, लेकिन यह हिंदी, तमिल, तेलुगू और मलयालम भाषाओं में भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक बार फिर साथ दिखेंगी ये सुपरहिट जोड़ियां

मुंबई। मोहित सूरी की अगली फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। वहीं, इम्तियाज अली की आगामी फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी भी दोबारा स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगे। इन लोकप्रिय जोड़ियों की वापसी ने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। ऐसे में आइए जानते हैं बॉलीवुड की उन चर्चित ऑन-स्क्रीन जोड़ियों के बारे में, जो जल्द ही फिर एक साथ नजर आएंगी।

अहान पांडे-अनीत पड्डा

अहान और अनीत ने मोहित की रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म 'सैयारा' से एक साथ बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया था। फिल्म के भावनात्मक अंदाज और लोकप्रिय गानों ने इसे बड़ी रोमांटिक हिट बना दिया। अब खबर है कि यह लोकप्रिय जोड़ी एक बार फिर मोहित की अगली रोमांटिक फिल्म में साथ नजर आएगी, जिसकी शूटिंग अक्टूबर-नवंबर 2026 में शुरू होने की संभावना है।

शरवरी-वेदांग रैना

इम्तियाज के पीरियड ड्रामा 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आए शरवरी और वेदांग ने अपने शानदार अभिनय के लिए खूब तारीफें बटोरी थीं। अब फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की सफलता के बाद, यह ऑन-स्क्रीन जोड़ी कथित तौर पर इम्तियाज की एक और फिल्म

के लिए फिर से साथ नजर आने वाली है, जिसकी शूटिंग इसी साल नवंबर में शुरू होगी। हालांकि, इसकी रिलीज की तारीख का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

शाहरुख खान-दीपिका पादुकोण

2007 में आई फिल्म 'ओम शांति ओम' में शाहरुख खान के साथ डेब्यू करने के बाद से ही दीपिका पादुकोण ने उनके साथ कई रिकॉर्ड तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर फिल्में में काम किया, जैसे 'चेन्नई एक्सप्रेस', 'हैप्पी न्यू ईयर', 'पठान' और 'जवान'। अब वो दोनों जल्द ही फिल्म 'किंग' में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए शाहरुख की बेटी सुहाना बॉलीवुड डेब्यू करेगी।

सनी देओल-प्रीति जिंटा

सनी देओल और प्रीति जिंटा फिल्म 'द हीरोः लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई' और 'फर्ज' में साथ नजर आए थे। वहीं अब यह लोकप्रिय जोड़ी एक बार फिर 'बटवारा 1947' में एक साथ नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं और इसे आमिर खान निर्मित कर रहे हैं। यह फिल्म लंबे समय बाद सनी और प्रीति की बड़े पर्दे पर वापसी को लेकर चर्चा में है।

फिल्मों व सीरीज में रोमांटिक कॉमेडी से लेकर साइकोलॉजिकल थ्रिलर और सुपरहीरो

सावन के महीने में ओटीटी-थिएटर्स में लगेगा मनोरंजन का मेला

नई दिल्ली। शुक्रवार मतलब वीकेंड वाली फीलिंग और काम करने का मन करना। सिने लवर्स तो आज ही से प्लान बनाने में लग जाते हैं कि छुट्टी वाले दिन उन्हें क्या देखना है। अगर आप भी वीकेंड पर कहीं न जाने का प्लान कर रहे तो हम आपके लिए सिनेमाघरों से लेकर ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्में और सीरीज लेकर आए हैं जिन्हें आप घर बैठकर मजे से बिंज वॉच कर सकते हैं। इस बार सिनेमा के पिटारे में क्या-क्या है चलिए जानते हैं।

द डेविल वेयर्स प्राडा 2

पहली फिल्म के लगभग दो दशक बाद, 'द डेविल वेयर्स प्राडा 2' दर्शकों को मिरांडा प्रीस्टली से फिर से मिलाती है, जो तेजी से बदलती फैशन इंडस्ट्री में अपना रास्ता बना रही हैं। यह सीक्वल बदलती फैशन इंडस्ट्री, कॉर्पोरेट कॉम्पटीशन और बदलते रिश्तों की कहानी है। साथ ही इसमें वही तीखा मजाक, ग्लैमर और वर्कप्लेस ड्रामा भी है जिसने पहली फिल्म को दुनिया भर में इतना लोकप्रिय बनाया था।

रोमांसः माय लाइफ विद द वॉल्टर बॉयज

आने वाले तीसरे सीजन में, जैकी सिल्वर फॉल्स लौटती है। वह अपने रिश्तों को फिर से बनाने और एलेक्स और कोल के लिए अपनी उलझी हुई भावनाओं के बीच साफ सोच पाने के लिए पक्का इरादा कर चुकी है। जब वॉल्टर परिवार नई चुनौतियों का सामना करता है, तो जैकी प्यार, अपनी तरक्की और मुश्किल फैसलों के बीच अपना रास्ता बनाती है और यह भी पता लगाती है कि असल में उसकी जगह कहां है। आप इसे 6 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

बालनः द ब्वॉय

बालन अपनी मां के साथ एक महिला जेल में बड़ा होता है। उसका बचपन अपनी पहचान बदलते हुए और छिपते-छिपाते बीतता है। जब वह अपने अतीत का सच जानने की कोशिश करता है, तो वह दबे हुए राज, खतरनाक खुलासों और भावनात्मक खोजों के ऐसे जाल में फंस जाता है जो उसकी जिंदगी के बारे में उसकी सारी सोच को ही बदल देता है। आप इसे जी5 पर देख सकते हैं।

नूरु स्वामी

असल जिंदगी की घटनाओं पर आधारित यह इमोशनल तमिल ड्रामा, मुश्किलों, त्याग और हिम्मत के बीच मां और बेटे के मजबूत रिश्ते को दिखाती है। 'नूरु स्वामी' 31 जुलाई से जी5 पर रिलीज हो चुकी है।

राव बहादुर

यह तेलुगु साइकोलॉजिकल ड्रामा एक ऐसे रईस परिवार की कहानी है जिसका रुतबा अब कम हो रहा है। इसमें शक, अविश्वास और छिपे हुए सच को दिखाया गया है, साथ ही मुख्य किरदार अपनी अंदरूनी उलझनों से जूझता है। आप इसे 31 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर रिलीज कर दिया गया है।

है जवानी तो इश्क होना है

वरुण धवन, मृणाल ठाकुर, पूजा हेगड़े और मनीष पॉल स्टारर यह रोमांटिक कॉमेडी 'जस' की कहानी है। उसकी शादी टूट जाती है, लेकिन विदेश में शुरू हुई एक नई लव स्टोरी उसे प्यार, वफादारी और कमिटमेंट के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर देती है। आप इसे 31 जुलाई, 2026 से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ गई है।

बॉक्सिंग में रिकॉर्ड, पैरा और एथलेटिक्स में चमके सितारे

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

नरेंदर ने पुरुषों की 90 प्लस किलो स्पर्धा में रजत पदक जीता और भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी स्पर्धा में शनिवार को अपने अभियान का समापन रिकॉर्ड सात स्वर्ण पदकों के साथ किया। नरेंदर को पुरुषों के 90 प्लस किलो में इंग्लैंड के डामार थॉमस ने 5-0 से हराया। वहीं पैरा एथलेटिक्स में सोमन राणा (स्वर्ण) और शुभम जुयाल (रजत) ने पुरुष शॉटपुट एफ57 में भारत को डबल सफलता दिलाई। एथलेटिक्स में ट्रिपल जंप में प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु ने सफलता हासिल की।

मुक्केबाजी में शीर्ष स्थान पर भारत

भारत ने मुक्केबाजी में सात स्वर्ण और तीन रजत के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। राष्ट्रमंडल खेलों में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले अंकुश पंघाल ने पुरुषों के 80 किग्रा वजन वर्ग के फाइनल में इंग्लैंड के दिमेजी शिट्टू को हराकर भारत को सातवां स्वर्ण पदक दिलाया।

100 मीटर टी47 दौड़ में भारत को गोल्ड के साथ सिल्वर

इसके बाद 'पुरुषों की 100 मीटर टी47 दौड़' में भारत ने गोल्ड के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। दिलीप महादु गावित ने 10.71 सेकंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनाकथ ने 10.83 सेकंड के साथ सिल्वर अपने नाम किया।

लवलीना को रजत पदक से करना पड़ा संतोष

सचिन सिवाच ने इससे पहले पुरुषों के 60 किग्रा वजन वर्ग के रोमांचक फाइनल में नामीबिया के ट्रायागेन मॉर्निंग एनडेवेलो को हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह भारत का छठा स्वर्ण पदक रहा। हालांकि ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को महिलाओं के 70 किलोवर्ग के फाइनल में आस्ट्रेलिया की एम्मा सू ग्रीनट्री से खंडित फैसले में 4-1 से मिली हार से रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इससे पहले भारतीय मुक्केबाज जैसमीन लंबोरिया, प्रीति पवार, साक्षी चौधरी, अरूंधति चौधरी और प्रिया घंघास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने वजन वर्गों में स्वर्ण पदक जीते जबकि पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में जादूमणि सिंह को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अरुंधति ने इंग्लैंड की शेंटेले रीड को महिलाओं के 70 किलोवर्ग के फाइनल में 5-0 से हराया।

पदक तालिका

क्रम	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1	ऑस्ट्रेलिया	61	37	50	148
2	इंग्लैंड	24	40	34	98
3	कनाडा	18	18	21	57
4	भारत	13	17	09	39
5	स्कॉटलैंड	11	08	17	36
6	नाइजीरिया	10	06	05	21
7	वेल्स	08	10	12	30
8	न्यूजीलैंड	08	10	09	27
9	मलेशिया	08	03	03	14
10	दक्षिण अफ्रीका	07	10	10	27

भारत 13 स्वर्ण, 16 रजत और 8 कांस्य पदक से कुल 37 पदक जीतकर तालिका में चौथे स्थान पर है

भारत ने जूडो में जीते रिकॉर्ड चार पदक

जूडो खिलाड़ी उन्नति शर्मा ने शनिवार को राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं के 63 किग्रा से कम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत का इस स्पर्धा में ऐतिहासिक अभियान जारी रखा। यह जूडो में भारत का रिकॉर्ड चौथा पदक है। उन्नति ने शानदार तकनीक का प्रदर्शन करते हुए अपने पैर से दक्षिण अफ्रीका की स्काई नोएस्टर स्काई का संतुलन बिगाड़ा और फिर उन्हें पीठ के बल पटककर इप्पोन हासिल कर मुकाबला महज एक मिनट सात सेकेंड में खत्म कर कांस्य पदक जीत लिया। यह कांस्य पदक भारत का जूडो में चौथा पदक था, जिससे देश का राष्ट्रमंडल खेलों में इस स्पर्धा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी है। भारत के इस ऐतिहासिक अभियान की अगुआई हर्ष सिंह (पुरुष 60 किग्रा) और अस्मिता डे (महिला 48 किग्रा) ने की। दोनों अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों की जूडो प्रतियोगिता में भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता बने। यामिनी मौर्य ने महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर भारत के रिकॉर्ड पदक अभियान में अपना योगदान दिया।

त्रिकूद : चित्रावेल ने रजत और प्रभु ने जीता कांस्य

भारत के त्रिकूद खिलाड़ियों प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु तिरुमरन ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण चित्रावेल ने इस बार अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 16.58 मीटर की कूद लगाकर रजत पदक जीता। उनके हमवतन सेल्वा प्रभु तिरुमरन ने 16.52 मीटर की छलांग से कांस्य पदक हासिल किया। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनका पहला बड़ा पदक है।

पैरा स्पोर्ट्स में शानदार प्रदर्शन : 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल

एजेंसी ▶▶| ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स में अब तक के सबसे बेहतरीन प्रदर्शन के साथ भारत का 'पैरा इवेंट्स' में अभियान समाप्त हुआ, जिसमें देश ने कुल 7 मेडल जीते। इनमें 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे।

झंडू कुमार देश के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल का खाता खोलने वाले भारतीय रहे। दो ग्रुप वाले मुकाबले में झंडू ने 130.9 के बेस्ट रिजल्ट के साथ 'ग्रुप-बी' में टॉप किया। उन्होंने युगांडा के डेनिस म्बाजीरा (114.1) और ऑस्ट्रेलिया के बेन राइट (110.9) को आसानी से पीछे छोड़ते हुए मेडल की दौड़ में जगह बनाई।

तीन इवेंट्स में पोडियम पर दो भारतीय की मौजूदगी

इसके अलावा, तीन इवेंट्स में पोडियम पर दो भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी रही। इसमें महिलाओं का शॉट पुट एफ57, पुरुषों का शॉट पुट एफ57 और पुरुषों की 100 मीटर एफ47 रेस शामिल रही। 'विमेंस शॉट पुट एफ57' प्रतियोगिता में देश को एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल हाथ लगा। पैरा एथलीट शर्मिला धनखड़ ने फाइनल में 9.81 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए पहला स्थान हासिल किया। वहीं, शिल्पा कंचुगरकोप्पालु शायला ने 7.26 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ ब्रॉन्ज जीता।

खबर संक्षेप

विश्व जूनियर स्क्वाश : पांचवें नंबर पर रही महिला टीम

ओंटारियो। भारतीय महिला टीम ने 5-6वें स्थान के प्लेऑफ में इंग्लैंड को 2-0 से हराकर विश्व स्क्वाश जूनियर टीम चैंपियनशिप में पांचवां स्थान हासिल किया। रुद्र सिंह ने रेखा केमेसी को 11-5, 8-11, 11-5, 11-6 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद सान्वी कलांकी ने ईव पार्किंस पर 11-6, 11-9, 11-9 से जीत हासिल की। इससे पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर प्ले-ऑफ में जगह बनाई थी। इस मुकाबले में सान्वी ने टीना मा को 11-6, 11-9, 11-4 से और रुद्र ने सर्बनी मैत्रा को 10-12, 11-5, 11-1, 11-2 से हराया। भारतीय पुरुष टीम ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था।

विरोध के बाद इन्फेंटिनो ने रद्द की योजना

जेनेवा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने दुनिया के हर कोने से भारी विरोध के बाद विश्व कप के मुनाफे को निजी इक्विटी कंपनियों को बेचने की अपनी विवादास्पद योजना को रद्द कर दिया है। इन्फेंटिनो ने यह फैसला तब किया जब एशिया की फुटबॉल संस्था ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका के साथ मिलकर इसका विरोध किया तथा व्हाइट हाउस की एक समिति में शामिल रहे उनके वरिष्ठ सलाहकार ने खुलकर इसका विरोध करते हुए इस्तीफा दे दिया था। इन्फेंटिनो ने कहा, ' सभी पक्षों के विचार जानने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि इस योजना ने ऐसे विभाजन पैदा कर दिए हैं, जो मूल उद्देश्य के हित में नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारा उद्देश्य हमेशा एकजुट रहना और सुधार करना रहा है और भविष्य में भी ऐसा ही होगा। इसलिए यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ेगा।'

श्रीलंका दौरा : वॉर्मअप मैच का शेड्यूल बदला, अब 3 दिन का होगा मुकाबला

कोलंबों में अभ्यास मैच 7 से 9 अगस्त तक चलेगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टीम इंडिया अगस्त में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले दोनों टीमों के बीच एक वॉर्मअप मैच खेला जाएगा। इस इकलौते वार्म-अप मैच के शेड्यूल में बड़ा बदलाव किया गया है।

पहले यह मुकाबला 4 दिन का तय हुआ था, लेकिन अब इसे घटाकर 3 दिन का कर दिया गया है। यह अभ्यास मैच कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड में 7 अगस्त से शुरू होगा और 9 अगस्त तक चलेगा। इस टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी ने टीम इंडिया के स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है।

4 को कोलंबो के लिए रवाना होगी टीम इंडिया

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और टीम मैनेजमेंट को इस बदलाव की जानकारी दे दी गई है। हालांकि, मैच का समय कम करने की कोई ठोस वजह सामने नहीं आई है। भारतीय टीम 4 अगस्त को कोलंबो के लिए रवाना होगी। 3 दिन का यह अभ्यास मैच खत्म होने के बाद टीम गॉल के लिए रवाना होगी, जहां 15 अगस्त से पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के एसएससी स्टेडियम में होगा। फैंस के लिए अच्छी बात यह है कि इस वॉर्म-अप मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

साई सुदर्शन हो रहे तेजी से रिकवर

टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले भारतीय टीम के लिए खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर कुछ अच्छी खबर आई है। चोट की समस्या से जूझ रहे साई सुदर्शन तेजी से रिकवर हो रहे हैं। पैर के अंगूठे में चोट के कारण सुदर्शन का टीम में चयन उनकी फिटनेस पर निर्भर था, लेकिन अब उन्होंने बेंगलुरु में अपना रीहैब पूरा कर लिया है और दोबारा बल्लेबाजी का अभ्यास भी शुरू कर दिया है। वहीं जसप्रीत गुमराह अब घुटने की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं और उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है।

दलीप ट्रॉफी : सेंट्रल जोन के कप्तान बने पाटीदार, रिंकू सिंह संभालेंगे उपकप्तानी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार 2 बार आईपीएल का खिताब जिताने वाले रजत पादीटार को दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन का कप्तान बनाया गया है।

वहीं, बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को उपकप्तान बनाया गया है। दलीप ट्रॉफी की शुरुआत 23 अगस्त से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होगी।

स्टैंड-बाय में छह खिलाड़ी

सेंट्रल जोन चयन समिति ने टूर्नामेंट के दौरान किसी भी मेन स्क्वाड सदस्य को होने वाली किसी भी संभावित चोट को कवर करने के लिए अमनदीप खरे, मयंक मिश्रा, सौरभ रावत, भार्गव मेराई, कुणाल यादव और कुमार कार्तिकेय की छह सदस्यीय खिलाड़ियों की स्टैंड-बाय सूची भी बनाई है।

गत चैंपियन हैं सेंट्रल जोन

सेंट्रल जोन गत चैंपियन है। टीम ने पिछला संस्करण फाइनल में साउथ जोन को हराकर जीता था। यह टीम का सातवां खिताब है। दिलीप ट्रॉफी के लिए सेंट्रल जोन की 15 सदस्यीय मजबूत दल का ऐलान किया गया है। बल्लेबाजी में पाटीदार, रिंकू सिंह, अमन मोखाड़े, कुणाल चंदेला, आयुष पांडे, आर्यन जुयाल और यश राठौड़ जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं, गेंदबाजी में तेज और स्पिन गेंदबाजों का बेहतरीन मिश्रण है। तेज गेंदबाजी में यश ठाकुर, अरशद खान, आर्यन पांडे और नचिकेत भूटे को मौका दिया गया है। वहीं, स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी सारांश जैन, हर्ष दुबे और जीशान अंसारी को सौंपी गई है।

एडवर्ड्स ने छोड़ी नीदरलैंड्स टीम की कप्तानी, बास डी लीडे संभालेंगे कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्कॉट एडवर्ड्स ने नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने 56 वनडे इंटरनेशनल मुकाबलों में टीम की कप्तानी की। एडवर्ड्स की जगह पर ऑलराउंडर बास डी लीडे आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कैंपेन के बाकी मैचों के लिए टीम की कमान संभालेंगे।

यूट्रेक्ट में लीग 2 के मैच खत्म होने के बाद, एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों को अपने फैसले के बारे में बताया। एडवर्ड्स ने कहा कि अब लीडरशिप की भूमिका छोड़ने और एक खिलाड़ी के तौर पर बड़ी भूमिका निभाने पर ध्यान देने का सही समय है। एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों से कहा, मुझे खेद है कि मैं आप लोगों के सामने यह बात अचानक रख रहा हूं, लेकिन मैं अब से कप्तान का पद छोड़ रहा हूं। मेरा मानना है कि यह एक ऐसा मामला है जिस पर रयान कुक और मैंने बात की है और मैंने कई अन्य लोगों से भी इस बारे में चर्चा की है, और अब मुझे यह सही समय लग रहा है। एडवर्ड्स ने आगे कहा, मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी के तौर पर मेरा योगदान अभी बहुत बाकी है और भविष्य के लिए निश्चित रूप से मेरा यही लक्ष्य है, दोस्तों।

आशुतोष ने खोला पंजा

लंदन में चला कुलदीप का जादू स्टोक्स को भेजा पवेलियन

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को आउट किया और यॉर्कशर की वनडे कप में डरहम पर जीत में अहम भूमिका निभाई।

कुलदीप ने स्टोक्स (12) को जॉर्ज हिल के हाथों कैच आउट कराने के बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट के विशेषज्ञ कॉलिन एकरमैन (26) को भी आउट किया। कुलदीप ने 10 ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए, जिससे यॉर्कशर ने डरहम को 48.1 ओवरों में केवल 165 रन पर ढेर कर दिया। जेम्स व्हार्टन (नाबाद 68) और सैम व्हाइटमैन (नाबाद 52) ने अर्धशतक बनाए और यॉर्कशर ने 41 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

ताइपे ओपनः हुआंग यु सुन को सीधे गेम में हराकर फाइनल में तन्वी

17 साल की तन्वी ने सिर्फ 33 मिनट में जीता

एजेंसी ▶▶| ताइपे सिटी

भारतीय शटलर तन्वी शर्मा ने चीनी ताइपे की हुआंग यु सुन पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया।

17 वर्षीय खिलाड़ी तन्वी ने सेमीफाइनल में यु सुन को केवल 33 मिनट में 21-17, 21-11 से पराजित किया। यहां फाइनल मुकाबला दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच होने की संभावना थी लेकिन महिला एकल के दूसरे सेमीफाइनल में उन्नति हुडा को वियतनाम की विश्व में नंबर 21 थूई लिन्ह गुयेन से 15-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह से विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी रविवार को होने वाले फाइनल में वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी से भिड़ेंगी।

तन्वी ने की दो वर्षों में काफी प्रगति

तन्वी 2024 में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भारत की स्वर्ण पदक विजेता टीम का हिस्सा थीं। उन्होंने पिछले दो वर्षों में काफी प्रगति की है। तन्वी ने 2025 में ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 और गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 में उपविजेता रहने के अलावा 2024 में बॉन इंटरनेशनल और 2025 में डेनमार्क चैलेंज जीता था।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.) - 462002
ई-मेलः eephedqcbpl@mp.gov.in दूरभाष क्रमांक 0755-2661511

क्रमांक : 12 /तक/का.यं/लो.स्वा.यां.वि./गु.नि.इ. खंड/भोपाल 2026-27 दिनांक : 30.07.2026

//निविदा आमंत्रण सूचना//

ऑनलाइन डिजीटली सील्ड निविदा मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से प्रतिशत दर पर अपेंडिक्स 2.1 पर इस क्षेत्र की अनुभवी एवं प्रतिष्ठित फर्म से 'कार्यालय मंत्रालय वल्लभ भवन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल में स्वयं की फोटोकॉपी मशीन स्थापित कर ऑपरेटर फोटोकॉपी पेपर एवं डेवलपर सहित फोटोकॉपी का कार्य वर्ष (2026-27, 2027-28) हेतु करने के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 30.07.2026 से दिनांक 13.08.2026 को 16:30 बजे तक क्रय किये जाकर दिनांक 13.08.2026 को 16:30 बजे तक निविदा प्रस्तुत करना है। लिफाफा 'ए' दिनांक 14.08.2026 को 16:30 बजे खोली जावेगी। बेवसाईट www.mptenders.gov.in (E-Tender No. 2026_PHED_525504_1, PHED Date 30.07.2026)

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यावधि
1.	कार्यालय मंत्रालय वल्लभभवन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल में स्वयं की फोटोकॉपी मशीन स्थापित कर ऑपरेटर फोटोकॉपी पेपर एवं डेवलपर सहित फोटोकॉपी का कार्य वर्ष (2026-27, 2027-28) हेतु	रु. 288000.00 (रु. दो लाख अठासी हजार मात्र)	रु. 5760.00 (रु. पांच हजार सात सौ साठ मात्र)	रू. 2000.00 (रू. दौ हजार मात्र)	730 दिवस

- विस्तृत शर्ते कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।
- मुख्य तिथियाँ :
  - क्रय करने की तिथि : 30.07.2026 से 13.08.2026 बजे तक
  - जमा करने की तिथि : 13.08.2026 16:30 बजे तक
  - लिफाफा ' ए' खुलने की तिथि : 14.08.2026 16:30 बजे

कार्यपालन यंत्री
गुणवत्ता नियंत्रण इकाई खंड
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, भोपाल

जी - 16561/26 स्वच्छता ही सेवा

गुरु-शिष्य परंपरा के नाम समर्पित रहा 56वां गुरु वंदना महोत्सव

समर्पण ही एकमात्र ऐसा गुण है, जो गुरु और शिष्य को एक सूत्र में बांधे रखता है: ओम जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारतीय संस्कृति में गुरु की महिमा अपरंपार है। समाज में समर्पण ही एक ऐसा गुण है, जो गुरु और शिष्य को एक सूत्र में बांधे रखता है। इंटरनेट और जेन जी के दौर में हमें अपने बच्चों को संस्कारित करना आवश्यक है ताकि वे भारतीय ऋषि और गुरु परंपरा को आगे बढ़ा सकें। यह बात मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश जैन ने शनिवार को गुरु-शिष्य परंपरा की समृद्ध विरासत को समर्पित 56वें गुरु वंदना महोत्सव को संबोधित करते हुए कही।

मानस भवन में अभिनव कला परिषद की संस्था 'मधुवन' के आयोजन में कला, संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कलाकारों और रचनाकारों का सम्मान किया गया। समारोह में कला जगत की प्रमुख हस्तियों, जनप्रतिनिधियों और संस्कृति प्रेमियों ने सहभागिता की। गुरु वंदना महोत्सव 2026, कला और संस्कृति के तीन पुरोधाओं पं. नंदकिशोर शर्मा, श्रद्धेय रमेशचंद्र अग्रवाल और पं. सुरेश तांतेड़ की स्मृतियों को समर्पित रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य इन विभूतियों के योगदान को स्मरण करने के साथ गुरु-शिष्य परंपरा के मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

'श्रेष्ठ कला आचार्य अलंकरण' से कला संस्कृति और साहित्य के साधकों का सम्मान

साहित्य के क्षेत्र में कलाकारों और रचनाकारों का सम्मान किया गया।

समारोह में कला जगत की प्रमुख हस्तियों, जनप्रतिनिधियों और संस्कृति प्रेमियों ने सहभागिता की।

8 विभूतियों को मिला 'श्रेष्ठ कला आचार्य अलंकरण'

समारोह में विभिन्न कला विधाओं में योगदान के लिए 'श्रेष्ठ कला आचार्य अलंकरण' प्रदान किए गए। सम्मानित होने वालों में आध्यात्मिक गुरु पंडित सुदेश शांडिल्य, गीतकार यतीन्द्रनाथ राही, छायाकार जगदीश कौशल, लोकगायक पद्मश्री कालूराम बामनिया, शास्त्रीय गायिका विदुषी शोभा चौधरी, मूर्ति शिल्पकार एवं चित्रकार देवीलाल पाटीदार, कला समीक्षक विनय उपाध्याय और रंगकर्मी रश्मि मुजुमदार शामिल रहे। इस अवसर पर कार्यक्रम की उद्घोषिका विशाखा राजुरकर का जन्मदिवस पर विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम में माधवराव सप्रे संग्रहालय के संस्थापक पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर, गुफा मंदिर के महंत प्रदीप दास, वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल, वरिष्ठ कला संरक्षक कमलेश जैमिनी, सुप्रसिद्ध सितार वादक स्मिता नागदेव, समाजसेवी गोपाल गोदानी, जवाहर कर्णावत का विशेष सान्निध्य रहा।

गुरु परंपरा के संरक्षण का संदेश

अभिनव कला परिषद के सचिव अतुल सुरेश तांतेड़ ने कहा कि गुरु वंदना महोत्सव कला साधना के साथ गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। गुरु से प्राप्त ज्ञान, संस्कार और अनुशासन ही कला की परंपराओं को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाते हैं। ऐसे आयोजन कलाकारों को प्रोत्साहन देने के साथ समाज में कला और संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता भी बढ़ाते हैं। गुरु वंदना महोत्सव के संयोजक राम वल्लभाचार्य ने अतिथियों, सम्मानित कलाकारों और उपस्थित कला प्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस समारोह ने गुरु परंपरा, कला साधना और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश दिया।

स्मृति व्याख्यान में पूर्व पुलिस महानिदेशक ने व्यक्त किए उद्गार

लोकतंत्र को बचाना है तो प्रश्न करना सीखें: अनुराधा शंकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सागर

'भारत में लोकतंत्र का भविष्य उसकी विविधता के सम्मान में है। हमारा वैविध्यपूर्ण संवाद धीरे धीरे कम होता चला गया और विविधता को स्वीकार करना हमने बंद किया। हमें प्रश्न भी उठाने चाहिए। जिस व्यवस्था में परिवर्तन की कामना नहीं है उसे विकास की व्यवस्था नहीं कह सकते।' मध्यप्रदेश की पूर्व पुलिस महानिदेशक व गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता अनुराधा शंकर ने आज भारत में लोकतंत्र का भविष्य विषय पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में यह विचार रखे।

स्वर्गीय ठाकुर विश्वनाथ सिंह बाबूभाई की याद में तुलसी स्मृति न्यास द्वारा आयोजित इस सोलहवीं व्याख्यानमाला की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध समाजवादी चिंतक व राजनेता रघु ठाकुर ने की। इस अवसर पर बुंदेलखंड के इतिहास की मर्मज्ञ डॉ सफ़िया खान, सागर मेडिकल कॉलेज की प्रोफ़ेसर रीमा गोस्वामी, लेखिका शरद सिंह व समाजवादी इतिहास की संकलनकर्ता डॉ शिवा श्रीवास्तव मंच पर उपस्थित थीं। तुलसी स्मृति न्यास द्वारा प्रतिवर्ष अलग अलग क्षेत्र के जिन विशिष्ट जनों को सम्मानित करने की परम्परा है उस क्रम में इस वर्ष डॉ रिमी गोस्वामी व डॉ सफ़िया खान को सम्मानित किया गया।

स्मृति व्याख्यान में अपने विचार व्यक्त करतीं अनुराधा शंकर।

व्यवस्था में आमजन की कोई हिस्सेदारी नहीं

अध्यक्षीय उद्बोधन में रघु ठाकुर ने देश में सवाल उठाने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने की जरूरत बताते हुए कहा कि आज देश में संविधान होते हुए भी लोकतंत्र नहीं है। वह लूटतंत्र में बदल चुका है। व्यवस्था में आमजन की कोई हिस्सेदारी नहीं है। इस स्थिति ने भारत की एकता के स्वरूप को खोखला किया है। यह महात्मा गांधी की कल्पना का लोकतंत्र नहीं है।

रघु ठाकुर ने अपने चिरपरिचित अंदाज में गरजते हुए कहा जाति, धर्म और भाषा की संकीर्णता के आधार पर बनी निजी पहचान को खत्म किए बिना देश नहीं बनेगा। व्यक्ति की पहचान को मानने वाला राष्ट्रभक्त नहीं हो सकता। गांधी गुजराती थे लेकिन उन्होंने राष्ट्रभाषा के प्रश्न पर हिन्दी का समर्थन किया। तिलक, साने गुरुजी जैसे देशभक्त जहां से आए वहां हिन्दी बोलना आज अपराध हो गया। आज हम जाति, धर्म और भाषा के आधार पर बंटे हैं और लोकतंत्र अघोषित तानाशाही में बदल रहा है। मिथिला में रामचंद्र जी तक से महिलाओं ने पूछा कि तुम सांवले और लक्ष्मण गोरे कैसे हो गए। लेकिन आज के सत्ताधीशों से तो विनोद में भी कुछ पूछना कठिन है। दुनिया की ताकतें नहीं चाहतीं कि भारत में लोकतंत्र रहे। वे कहीं भी लोकतंत्र नहीं चाहतीं।

उल्लास कार्यक्रम के अंतर्गत 1000 से अधिक पौधे रोपे

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के नेतृत्व में किए वृहद पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के निर्देशानुसार संचालित 'उल्लास' कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के पीछे स्थित वन विभाग की भूमि पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल मनोज कुमार श्रीवास्तव ने वृहद पौघरोपण अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि, जलवायु संतुलन, जैव विविधता का संरक्षण तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण हेतु जन-जागरुकता उत्पन्न करना है।

जारी रहेगा अभियान

जिला न्यायपालिका, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला अधिवक्ता संघ एवं वन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में पौधों का रोपण किया गया। यह पौधरोपण अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा इस मुहिम के अंतर्गत उक्त क्षेत्र में 1000 से अधिक पौधे रोपे जाएंगे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों, पैरालीगल वालंटियर्स एवं छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का सशक्त संदेश दिया तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प भी लिया।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा

भारतीय रेल केवल परिवहन व्यवस्था नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के विश्वास की जीवनरेखा है: जीएम दिलीप कुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रानी कमलापति स्थित ऑडिटोरियम में मानव संसाधन विकास केंद्र, भोपाल द्वारा आयोजित प्रथम प्रबंधन विकास कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम में पमरे जोन के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह शामिल हुए। प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय रेल केवल एक परिवहन व्यवस्था नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के विश्वास की जीवनरेखा है। रेलवे के प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी के निर्णय एवं कार्य का सीधा प्रभाव समाज पर पड़ता है, इसलिए कार्य संस्कृति में ईमानदारी, पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। वर्तमान समय में केवल तकनीकी दक्षता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्य, प्रभावी संवाद, टीम भावना तथा निरंतर सीखने की प्रवृत्ति भी समान रूप से आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से तकनीक को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी मानकर परिवर्तन का नेतृत्व करने का आह्वान किया। महाप्रबंधक ने कहा कि टीमवर्क की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि असाधारण परिणाम समर्पित टीम के सामूहिक प्रयासों से प्राप्त होते हैं। उन्होंने "मैं" से आगे बढ़कर "हम" की भावना को कार्य संस्कृति का आधार बनाने तथा सुरक्षा को संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक नीरज कुमार, मंडल रेल प्रबंधक भोपाल पंकज त्यागी, मुख्य कारखाना प्रबंधक सीआरडब्ल्यूएस प्रफुल्ल वी. कोहाड़े सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बीना स्टेशन का किया निरीक्षण

कार्यक्रम से पहले जीएम ने बीना स्टेशन का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने बीना स्टेशन रिडेवलपमेंट, आगामी बीना यार्ड रिमॉडलिंग कार्य की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बीना यार्ड की संरचना, ट्रैक की वर्तमान स्थिति, सिग्नलिंग प्रणाली, विभिन्न क्रॉसिंगों तथा सुरक्षा संबंधी अवसंरचनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक ने बीना स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का भी जायजा लिया तथा यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने बीना-रानी कमलापति रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण कर रेल परिचालन, ट्रैक संरचना एवं संरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

गांवों को 'आनंद ग्राम' बनाने का संकल्प

सेवा और समर्पण से ही आएगा सामाजिक परिवर्तन: देवाशीष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सात दिनों तक आत्मविकास और सामाजिक सेवा का प्रशिक्षण लेने के बाद युवाओं ने बदलाव की शुरुआत अपने गांवों से करने का संकल्प लिया। राज्य आनंद संस्थान में आयोजित आर्ट ऑफ़ लिविंग के सात दिवसीय युवा नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यशाला (वाईएलटीपी) का शनिवार को समापन हुआ। इसअवसर पर प्रतिभागियों ने अपने-अपने गांवों को 'आनंद ग्राम' के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना प्रस्तुत की और सेवा, समर्पण व जनभागीदारी के साथ सामाजिक परिवर्तन का संकल्प लिया।

समापन सत्र का संबोधन...

प्रदेश समन्वयक देवाशीष विश्वास ने कहा कि जीवन में सबसे पहले अपनी वास्तविक आवश्यकताओं को पहचानना जरूरी है। जब व्यक्ति स्वयं को समझता है, तभी वह आनंदमय जीवन की ओर आगे बढ़ता है। उन्होंने युवाओं से कहा कि प्रशिक्षण में सीखी गई बातों को केवल अनुभव तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। उन्होंने आह्वान किया कि युवा पहले स्वयं में बदलाव लाएं, फिर परिवार और उसके बाद पूरे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में कार्य करें।

गांव की पहचान केवल सड़कों और भवनों से नहीं होती है: किसी गांव की पहचान केवल सड़कों और भवनों से नहीं होती, बल्कि वहां के संस्कार, आपसी भाईचारा, सहयोग, सुख-शांति और मानवीय मूल्यों से बनती है। यदि युवा सेवा और समर्पण की भावना से संगठित होकर काम करें तो हर गांव को आनंद ग्राम बनाया जा सकता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930